वर्ष-31, अंक- 232, पृष्ठ-12 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 13, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
सोमवार
09 जून 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते

₹3.00
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर
पेज 12

एक नजर

पिकअप वाहन की चपेट में आकर दो महिलाओं की मौत, दो घंटे जाम

महुआडांड़। रविवार को नेतरहाट थाना क्षेत्र के आराहंस गांव के पास एक अनियंत्रित पिकअप वाहन ने सड़क किनारे बैठी दो महिलाओं को कुचल दिया। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुषमा एक्का और पुष्पा एक्का के रूप में हुई है, जो आपस में नंद-भाभी थीं। जानकारी के अनुसार दोनों महिलाएं आदर साप्ताहिक बाजार जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार से आ रही पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने नेतरहाट-महुआडांड़ सड़क को करीब दो घंटे तक जाम कर दिया। पुलिस के समझाने-बुझाने के बाद जाम हटाया गया। नेतरहाट थाना प्रभारी पु.अ.नि. कामता कुमार ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया।

सेल के मेघाहातुबुरु-किरीबुरु खदानों को मिला क्लीयरेंस

चाईबासा (पश्चिम सिंहभूम)। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के किरीबुरू और मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदानों को कुल 247 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए स्टेज-2 फॉरेस्ट क्लीयरेंस मिल गया है। रविवार को सारंडा के डीएफओ अविरूप सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। इस मंजूरी के साथ सेल को इन पहाड़ी क्षेत्रों में लौह अयस्क खनन शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

गुमला के चैनपुर में आपसी कहासुनी में दो की हत्या

- दोहरे हत्याकांड में एक गिरफ्तार, पुलिस जांच में जुटी

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले में चैनपुर थाना क्षेत्र के लिगिर पाठ गांव में दोहरे हत्याकांड की सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। इस मामले में चैनपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लिगिर पाठ निवासी जातरी मुंडा ने चैनपुर थाना में दिए आवेदन में बताया कि उसके पिता सुखदेव मुंडा (55) और बुधराम मुंडा (22) की हत्या गांव के ही युवक छोटू मुंडा (23) ने की है। शुक्रवार को तीनों गांव के जंगल में पिकनिक मनाने गए थे, जहां आपसी कहासुनी के बाद छोटू मुंडा ने लाठी से हमला कर दिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। वहीं, गांव वालों की मानें तो यह हत्या अलग-अलग दिनों में और अलग-अलग स्थानों पर हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि शुक्रवार को हुए फुटबॉल मैच के बाद तीनों जंगल की ओर गए थे, जहां कहा-सुनी के बाद छोटू और बुधराम ने मिलकर सुखदेव मुंडा की हत्या कर शव को मनरेगा गड्ढे में छिपा दिया। जब परिजन तलाश में जुटे, तो शक के आधार पर बुधराम और छोटू से पूछताछ की गई। ग्रामीणों की सख्ती के बाद दोनों ने हत्या की बात कबूल की। इसके बाद गुस्से में आकर शनिवार को सुखदेव मुंडा की बेटी जातरी मुंडा ने लाठी से बुधराम पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। रविवार को जातरी मुंडा ने पूरे मामले की जानकारी चैनपुर थाना को दी, जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी छोटू मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीणों का कहना है कि चैनपुर क्षेत्र में नशे और अंधविश्वास के कारण हत्या जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। सरकार और एनजीओ द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति और जागरूकता अभियानों का असर जमीनी स्तर पर नजर नहीं आ रहा है। खुलेआम शराब की बिक्री और युवाओं की लत इलाके को हिंसक बना रही है।

पुलिस को दो दिन बाद मिली जानकारी

इस दोहरे हत्याकांड की जानकारी चैनपुर पुलिस को दो दिन बाद मिली, जिससे एक बार फिर पुलिस के सूचना तंत्र की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस मौके पर पहुंचती, तो बुधराम की जान बचाई जा सकती थी।

पुलिस ने कहा- एक गिरफ्तार, जांच जारी है

इस पूरे मामले पर चैनपुर थाना के एसआई दिनेश कुमार ने कहा कि दोहरे हत्याकांड को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और आगे की जांच जारी है। अनुसंधान के बाद ही पूरे मामले की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी।

दलितों की उपेक्षा व क्षेत्रीय भेदभाव की नीति अपना रही है झारखंड सरकार : बीडी राम

- अनुसूचित जाति आयोग के गठन में देरी, शिक्षक पात्रता परीक्षा में भाषायी पक्षपात पर सांसद का हेमंत सरकार पर तीखा हमला

नवीन मेल संवाददाता

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसद ने कहा

- झारखंड में 17 वर्षों से अनुसूचित जाति आयोग का गठन लंबित
- शिक्षक पात्रता परीक्षा में कुरुख और नागपुरी को प्राथमिकता, पलामू-गढ़वा की भाषाओं की उपेक्षा
- राज्य सरकार की नीति क्षेत्रीय असंतुलन व भेदभाव को बढ़ावा देती है
- केंद्र की योजनाओं से दलितों को लाभ, पर झारखंड सरकार की उदासीनता बनी बाधा
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दलितों के प्रति नीति केवल दिखावा है

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने रविवार को अपने शांतिपुरी स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत में झारखंड सरकार पर एक के बाद एक गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दलित विरोधी करार देते हुए कहा कि अनुसूचित जाति आयोग का गठन न करके सरकार ने दलितों के संवैधानिक अधिकारों को कुचलने का कार्य किया है। उन्होंने राज्य सरकार को अनुसूचित जातियों के प्रति उदासीन और क्षेत्रीय रूप से भेदभावपूर्ण करार दिया।

सांसद वीडी राम ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि झारखंड के गठन के 25 वर्षों बाद भी अनुसूचित जाति आयोग जैसी संवैधानिक संस्था का गठन नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खुद उन्हीं की सरकार के एक दलित मंत्री को पत्र लिखकर अनुसूचित जाति आयोग के गठन की मांग करनी पड़ रही है, जो इस सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार भाषा और क्षेत्र के आधार पर भेदभाव कर रही है। उन्होंने शिक्षक पात्रता परीक्षा में कुरुख और नागपुरी भाषाओं को शामिल किए जाने पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब पलामू और गढ़वा जैसे जिलों की भाषाओं को कोई मान्यता नहीं दी जाती, तो यह पक्षपातपूर्ण फैसला क्यों लिया गया? उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र भी राज्य के अभिन्न अंग हैं और वहां की भाषा, संस्कृति और पहचान की उपेक्षा करना एक गंभीर राजनीतिक अन्याय है। उन्होंने कहा कि पलामू और गढ़वा जिला में भोजपुरी मगही या भोजपुरी मगही मिश्रित पलामू भाषा बोला जाता है ऐसे में भाषा ठोका गलत निर्णय है यहां कोई भी शिक्षक घोड़े को नागपुरी भाषा में नहीं है तो यहां के बच्चे कैसे कुरुख और नागपुरी सीखेंगे।

वी डी राम ने केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुसूचित जातियों के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं, जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, स्टैंड-अप इंडिया और आयुष्मान भारत। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से दलित वर्ग को सीधा लाभ मिला है, जबकि झारखंड सरकार इन वर्गों के विकास के लिए न कोई ठोस योजना चला रही है, न ही केंद्र से मिले फंड का सही उपयोग हो रहा है।सांसद ने यह भी कहा कि भाजपा शासित राज्यों में अनुसूचित जाति आयोग और परामर्शदात्री परिषद सक्रिय हैं, जबकि झारखंड में केवल वोट बैंक की राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि दलितों को केवल चुनाव के समय याद किया जाता है, बाकी समय सरकार उनके मुद्दों से आँख मूंद लेती है। सांसद वीडी राम ने राज्य सरकार से अनुसूचित जाति आयोग का गठन शीघ्र करने, शिक्षक पात्रता परीक्षा में सभी क्षेत्रों की भाषाओं को समान अवसर देने और पलामू-गढ़वा जैसे क्षेत्रों के साथ होने वाले भाषायी और सांस्कृतिक भेदभाव को समाप्त करने की मांग की।

भगवान बिरसा मुंडा का बलिदान दिवस आज

धरती आबा को शत-शत नमन

जन्म : 15 नवंबर 1875
मृत्यु : 09 जून 1900

- अंग्रेजों के खिलाफ महाविद्रोह 'उलगुलान' का किया था नेतृत्व

नवीन मेल संवाददाता

भगवान बिरसा की जयंती के दिन ही है झारखंड का स्थापना दिवस

झारखंड के स्थापना दिवस का दिन भी 15 नवंबर को इसलिए चुना गया, क्योंकि इस दिन धरती आबा बिरसा मुंडा का जन्म हुआ था। वे हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं, वे हमारे भगवान हैं। भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10 नवंबर 2021 को आयोजित बैठक में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में घोषित किया। ज्ञात हो कि आज के मुंडा समुदाय के लोग जब भी कोई काम शुरू करते हैं, तो वे बिरसा मुंडा को याद करते हैं।

रांची। धरती आबा बिरसा मुंडा एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। वे मुंडा जनजाति के लोक नायक थे। वे आदिवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। बिरसा मुंडा आदिवासी समुदाय में 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के रूप में पूजे जाते हैं। बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1895 में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में अंग्रेजों के खिलाफ महाविद्रोह 'उलगुलान' का नेतृत्व किया। यह केवल एक आंदोलन नहीं था, बल्कि आदिवासी अस्मिता, स्वायतत्ता और संस्कृति को बचाने के लिए बड़ा संग्राम था। बिरसा मुंडा का जन्म उलिहातु गांव के एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम सुगना पुर्ती (मुंडा) और माता का नाम करमी पुर्ती था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सालगा गांव में जयपाल नाग की देखरेख में पूरी की। बाद में जर्मन मिशन स्कूल में भी पढ़ाई की। उन्होंने ईसाई धर्म भी अपनाया, लेकिन बाद में उन्होंने इसे त्याग दिया और अपना धर्म 'बिरसैत' शुरू किया। धरती आबा बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को जल, जंगल और जमीन के अधिकार के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। उनका नारा था 'अबुआ राज सेतारजना, महारानी राज टुंडुजना' (रानी का राज्य समाप्त हो और हमारा राज्य स्थापित हो)। वर्ष 1895 में उनका अंग्रेजों के खिलाफ महाविद्रोह शुरू हुआ। धीरे-धीरे बिरसा मुंडा का ध्यान आदिवासी समुदाय की गरीबी की ओर गया। आदिवासियों का जीवन अभावों से भरा हुआ था। वे आदिवासियों को समस्याओं से मुकाबला करने के लिए शिक्षित करते और उन्हें धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करते थे। लोग बिरसा मुंडा की कही बातों पर विश्वास करने लगे। धीरे-धीरे बिरसा मुंडा आदिवासियों के भगवान हो गए और उन्हें 'धरती आबा' कहा जाने लगा। उनकी बातों पर जनजातीय समुदाय के लोग विश्वास करते थे। और, यह बात अंग्रेजों के साथ-साथ बहुत से लोगों को खटकने लगी। साजिश रचकर बिरसा मुंडा को 03 मार्च 1900 को अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें रांची जेल में डाल दिया गया। किसी ने पैसे के लालच में उनके गुप्त ठिकाने के बारे में प्रसाशन को सबकुछ बता दिया था। उनके साथ पकड़े गए लगभग 400 लोगों को दोषी बनाया गया। 09 जून 1900 की सुबह उन्हें खूब उल्टी होने लगी। वे बंदीगृह में अचेत हो गए। डॉक्टर को बुलाया गया और उसने बिरसा मुंडा को मृत घोषित कर दिया। अंग्रेजों ने कहा कि उनकी मृत्यु हैजे से हुई।

गुजरात कांग्रेस के महासचिव राजेश सोनी किए गए गिरफ्तार

- ब्यूरो

नई दिल्ली। गुजरात की भाजपा सरकार ने गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राजेश सोनी को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तथाकथित आपत्तिजनक पोस्ट के लिए शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। इस बारे में राज्य कांग्रेस प्रमुख शक्ति सिंह गोहिल का कहना है कि गांधीनगर पुलिस की साइबर अपराध टीम ने सोनी को ऐसे उठाया जैसे वह कोई 'आतंकवादी' हों। गोहिल ने कहा कि सोनी के पोस्ट का उद्देश्य सैनिकों को उनकी बहादुरी का श्रेय देना था और यह कहना था कि 'सरकारी खजाने से पैसा प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए और ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राजनीतिक लाभ नहीं लिया जाना चाहिए।' गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राजेश सोनी, जो अपने चालीसवें वर्ष में हैं, को शुक्रवार को गुजरात राज्य साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 (भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता को खतरे में डालना) और 353 (ऐसे बयान देना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना जिससे सार्वजनिक शरारत हो सकती है) के तहत गिरफ्तार किया। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, सोनी को वर्ष 2022 में राज्य इकाई का महासचिव नियुक्त किया गया था, जब पूर्व सांसद जगदीश ठाकोर राज्य पार्टी अध्यक्ष थे।

पेसा कानून लागू होने के बाद सदानों पर होगा कल्पना से परे भेदभाव : राजेंद्र

- मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष ने रांची में बैठक में कही यह बात
- बोले, डिप्टी मेयर का चुनाव सीधे जनता करे, इससे लगेगी भ्रष्टाचार पर रोक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में कुछ लोग पेसा कानून को लागू करवाने की मांग कर रहे हैं, जबकि आदिवासियों की जमीन की अवैध खरीद-बिक्री, अवैध खनन, स्थानीय नीति और नियोजन नीति को मुद्दा बनाना चाहिए था। पेसा कानून लागू होने के बाद मूलवासी सदानों के साथ ऐसा भेदभाव होगा, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। ये बातें मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने रविवार को ग्रैंड ऑकेजन बैंक्वेट हॉल रांची में मूलवासी सदान मोर्चा द्वारा आयोजित बैठक में कही। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि मूलवासी सदान समुदाय आदिवासियों को मिलने वाले अधिकारों के खिलाफ कभी नहीं रहा हैं। लेकिन, राज्य के सबसे पुराने वाशिंदे सदान हैं, जिनकी आबादी 65 प्रतिशत है। 65 प्रतिशत आबादी में सबसे ज्यादा आबादी 55 प्रतिशत ओबीसी और 10 प्रतिशत दलितों की है। ऐसे में जो ओबीसी और दलितों के अधिकारों की बात करते हैं, उन्हें इस पर विचार करना चाहिए। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि मूलवासी सदानों ने अलग राज्य के लिए शहादत दी थी। हमें क्या मालूम था कि राज्य बनने के बाद मूलवासी सदानों को उनके साथ इतना बड़ा धोखा होगा और सारे राजनीतिक अधिकार और सामाजिक समरसता छीन लिये जाएंगे। कहा कि डिप्टी मेयर का चुनाव सीधे जनता करे, जिससे भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी। मौके पर प्रो अरविंद प्रसाद ने कहा कि मूलवासी सदानों में ओबीसी और दलितों की सबसे बड़ी आबादी है। ऐसे में अधिकारों को बचाने की जिम्मेदारी भी इन दोनों समुदाय में सबसे ज्यादा है। डॉ योगेश प्रजापति ने कहा कि सदानों के विकास के लिए राज्य में आज तक कोई नीति नहीं बनाई गई।

डॉ संजय सारंगी ने कहा कि सदानों को पार्टी की बात छोड़कर अपने अधिकार के लिए आगे आना होगा।

बैठक में विशाल सिंह, मुरारी गुप्ता, विशाल साहू, मोहित कुमार, मुकेश सिंह, अमित साहू, राजू पासवान, अंकित राम, राज वर्मा, अर्पित राम, सहदेव साहू, आलोक राज आदि उपस्थित थे।

इंडिया | भगवान बिरसा मुंडा के अंधेरे गांव का मौसमी विकास और आक्रोश की गूंज

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

स्वतंत्रता संग्राम में देश के जनजातीय समुदाय को प्रेरित करने से लेकर पत्थलगड़ी और अफीम की तस्करी के इतिहास वाले खूंटी जिले के लिए राजधानी रांची से शानदार सड़क संपर्क से एक सवा घंटे में पहुंचा जा सकता है पर 9 जून भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर उनके जन्मस्थान उलिहातु में इस बार भी किसी बड़े अधिकारी या माननीय का नहीं आना आम बात नहीं है पहले भगवान बिरसा मुंडा के कार्यक्रमों में नेता मंत्रियों की भीड़ लगी रहती थी । 2023 में प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर उत्साह देखने को नहीं मिला था उलीहातू के ग्रामीणों ने बताया कि बिरसा के जन्म दिवस और शहादत दिवस पर कीताडीह से उलिहातु तक जबरदस्त मौसमी विकास होता है हर सरकारी भवन की रंगाई पुताई की जाती है बिरसा के बंशज बुजुर्ग सुखराम मुंडा की खोजबीन कर नया धोती-कुर्ता दिया जाता है फिर भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर पूजा पाठ कर माला पहनाने के बाद उलीहातू गांव के विकास की बात होती है । कार्यक्रम के बाद उलिहातु को पिछड़ेपन के अंधकार की स्थिति में छोड़ दिया जाता है । इस बार पौधारोपण भी होगा । शीर्ष पदों पर आसीन लोगों से गांव वालों की उम्मीदें जगती हैं कि कभी उनसे उनका दुःख-दर्द पूछा जाए पर ऐसा आज तक नहीं हुआ क्योंकि देश के शीर्ष नेता अधिकारियों से ग्रामीणों को मिलने की इजाजत नहीं होती । स्थानीय कहते हैं कि बिरसा मुंडा के जन्मस्थली के बाद यदि पूरे गांव का भ्रमण किया जाए तो उलीहातू गांव के भयंकर पिछड़ेपन और बेरोजगारी का पता चल जाएगा । झारखंड के 25वें बर्ष तक आज उलीहातू गांव को विकास के नाम पर कुछ विशेष नही मिला ।यहां अधिकतर परिवार टूटे फूटे घरों में रहते हैं ।शहीद आवास का भी कार्य पूरा नहीं हुआ । राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के आने पर गांव का पिछड़ापन ना दिखे इसलिए इन मकानों को 20 फीट ऊंची टेंट से ढंक दिया गया था । इन लोगों का कहना है कि

आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के पहले बहुत खुशी हुई थी साथ मे उम्मीदें भी थी लेकिन प्रशासन के द्वारा हमारे गांव के किसी को भी कार्यक्रम स्थल तक जाने नहीं दिया गया किसी को घर से निकलने तक की मनाही थी सड़कों पर चलना मना था । उलिहातु के लोगों का मानना है कि बिरसा ओड़ा आने वाले अतिथियों से मिलने पर समस्या और वस्तुस्थिति के बारे में बताने का मौका मिलेगा लेकिन ऐसा कभी नहीं होता ।बिरसा के बंशज वृद्ध सुखराम मुंडा ने बताया कि बताया कि उलिहातू समेत आसपास के कई गांवों तुबिद, बेड़ाडीह, जोपनो, लेपसेर, सेल्दा, ग़सार, पीड़िटोली, गेरने और कुईल में पानी की भारी किल्लत है । जोपनो गांव में तो पानी बिल्कुल नहीं है। बिरसा ओड़ा का सोलर जलमीनार खराब पड़ा है। यहां के लोग अभी भी चुंवा का पानी पीने को मजबूर हैं । उलीहातू में तीन चुंवा हैं जिससे लगभग 80 घरों के परिवार और मवेशी पानी पीते हैं एक दो नल लगे हुए है लेकिन जलस्त्रोत नही होने के कारण साल में चार महीने बरसात के मौसम में पानी निकलता है बाकी आठ महीना सूखा रहता है । जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइप लाइन तो बिछाई गई है पर इस सप्लाई पानी से उनकी सभी जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं । साथ ही नियमित पानी का सप्लाई भी नहीं होने से पाइप लाइन बिछाने का ग्रामीणों को कोई विशेष लाभ नहीं मिला है । प्रखंड मुख्यालय अड़की में चाय नाश्ते की ढंग की दुकान तक नहीं सालों भर बिरसा ओड़ा आने वाले श्रद्धालुओं को पानी खरीदना पड़ता है। आवासीय विद्यालय में भी पानी की काफी समस्या है। छात्रों को पीने और साफ-सफाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नेता और अधिकारी आते हैं लेकिन जमीनी समस्याओं पर ध्यान नहीं देते। बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा ने प्रशासनिक उदासीनता पर नाराजगी जताते हुए कहा कि शहीद के सम्मान के साथ मजाक हो रहा है। प्रशासन से अपील की है कि समय रहते व्यवस्था सुनिश्चित करें और जमीनी स्तर पर आदर और जिम्मेदारी दिखाएं। उन्होंने मांग की है कि जलमीनारों की मरम्मत कराई जाए और हर गांव में स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि भगवान बिरसा मुंडा के गांव की गरिमा बनी रहे। वहीं दूसरी ओर अशिक्षा और भड़काऊ शक्तियों से अड़की के युवाओं का गलत दिशा में भटकाव भी काफी समस्या खड़ा कर रहा है अधिकतर युवा नशे की चपेट में हैं अफीम की खेती भी काफी बड़ी समस्या है ।युवा काम धंधे में कम मेला और बाजारों में हंडिया दारू के अड्डों पर देखे जाते हैं । अत्यधिक नशाखोरी से सड़क दुर्घटना में हुई मौत के आंकड़ों में काफी बढ़ोतरी हुई है घरेलू हिंसा में हत्या जैसी घटनाएं भी बढ़ी हैं । राज्य या देश की राजधानी तक अड़की के आक्रोश की गूंज पहुंचती है पर दर्द का कारण शायद नहीं पहुंचता इसलिए तारणहार का इंतजार है।

साथ में अड़की से अरविंद कुमार

आपके शौर्य, सामर्थ्य शक्ति पर गर्व है हमें

ओ सीमा के प्रहरी! भारत के वीर सपूतों !

मेरे देश के जांबाज जवानो ! आपने भारत की 145 करोड़ जनता की आशाओं के अनुरूप, भारत सरकार द्वारा दी गई खुली छूट का बिना समय गंवाए, पहलगाम कश्मीर में माताओं और बहनों के पुत्रों और पतियों की जेहादियों द्वारा धर्म पूछकर की गई निर्मम और नृशंस हत्या का 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत उचित बदला लिया। इससे हर भारतवासी के कलेजे को असीम ठंढक मिली है। आपके शौर्य, साहस, शक्ति, सामर्थ्य की हम भूरी-भूरी प्रशंसा करते हैं। मुझे आप पर गर्व है।
यह सिंधु नदी की धारा है,
सिंदूर नहीं अंगारा है।

राष्ट्रीय नवीन मेल

ब्रजेंद्र नाथ मिश्र

झाड़ियां झुलस गई, गंध
बारूदी हुई,
शाख-शाख जल गईं, राख
मेहंदी हुई,
ब्रह्मोस जब चला, ठंढक
दिल में हुई,
ध्वस्त जब हुआ किला, मौत
बिल में हुई,
अग्निदाह तुम्हारा है, सिंदूर
नहीं अंगारा है।
भारत माता की जय।

जयहिंद।

लौह अयस्क युक्त पानी पीने को विवश रामनगर के ग्रामीण

रखरखाव की अनदेखी से चापानल से नहीं मिल रहा स्वच्छ पेयजल

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। रामनगर गांव में स्थित एक सरकारी चापानल से लौह अयस्क मिला पानी निकलने से ग्रामीणों को पीने के लिए स्वच्छ जल नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों में निराशा और आक्रोश दोनों है। ग्रामीण रामजन्म राम के अनुसार, मरम्मत कार्य के दौरान लोहे का एक पाइप चापानल के अंदर गिर गया था, जो अब जंग खाकर पानी में लौह अंश के रूप में मिल रहा है। इससे पानी का स्वाद व रंग प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के मौसम में जल की मांग तेजी से बढ़ी है, लेकिन इस चापानल से तुरंत पानी नहीं मिल पाता। काफी देर तक चलाने के बाद ही यह उपयोग लायक हो पाता है। ऐसे में प्यासे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को परेशानी होती है। गांव के अधिकांश घरों के अलावा अप-डाउन रूट की मालगाड़ियों के चालक और गार्ड भी इस चापानल पर निर्भर हैं। रेलवे लाइन के समीप स्थित होने के कारण ट्रेन रुकने पर अक्सर रेलकर्मी यहीं पानी भरते हैं, पर उन्हें भी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या की जानकारी संबंधित विभाग को दी गई थी, बावजूद इसके चापानल की मरम्मत और रखरखाव की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रशासनिक स्तर पर जल संकट से निपटने की तैयारियों के दावे किए गए थे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट नजर आती है। चापानल की बदहाल स्थिति विभागीय अनदेखी को उजागर करती है। इससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति गहरा असंतोष है।

नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ कर जबरन ले जाने वाले आरोपी जेल भेजे गए

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। छतरपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ कर जबरन वाहन पर बैठाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस को मिली लिखित शिकायत के अनुसार, चेगौना गांव के निवासी अफसर अंसारी (उम्र 19 वर्ष) और बिलाल अंसारी (उम्र लगभग 20 वर्ष) पर नाबालिग के साथ छेड़छाड़ कर जबरन ले जाने का आरोप था। दोनों आरोपियों को छतरपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरही नदी को अतिक्रमण मुक्त व सुंदरीकरण की मांग निरीक्षण के बाद भी नहीं हुई पहल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर के समीप बहने वाली हरही नदी को अतिक्रमण मुक्त कर गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कराने की मांग सामाजिक कार्यकर्ता सैयद जक्की हुसैन रिजवी उर्फ शम्मू हुसैन ने उपायुक्त से की है। उन्होंने बताया कि दो माह पूर्व जेएमएम के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओ, सीओ और नगर पंचायत को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में नदी के अस्तित्व की रक्षा, जल संचयन हेतु गहरीकरण और नक्शे के अनुरूप अतिक्रमण हटाने की मांग की गई थी। इसकी प्रतिलिपि पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री तथा उपायुक्त को भी भेजी गई थी। हालांकि प्रशासन द्वारा निरीक्षण और मापी के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ज्ञापन देने वालों में नजीर अहमद, विक्टर वेंगरा, प्रदीप पटेल, शक्ति पासवान आदि युवा शामिल थे। उन्होंने युवाओं से इस मुद्दे पर एकजुट होकर पहल करने का आह्वान किया है।

संदेहास्पद मौत मामले में छत्तीसगढ़ की युवती की हुई पहचान

▸ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। महेन्द्रा पेट्रोल पंप के समीप किराए के मकान में रह रही छत्तीसगढ़ की एक 20 वर्षीय आर्केस्ट्रा डांसर की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। मृतका की पहचान लखनपुर (छत्तीसगढ़) के नवा पारा निवासी रिया कुमारी के रूप में हुई है, जिनके परिजन वर्तमान में अंबिकापुर में किराए के मकान में रहते हैं। रिया की सहकर्मी नीतू कुमारी ने बताया कि वे रिया, प्रतिज्ञा, अन्नू और दो युवक चांद व विष्णु के साथ एक ही कमरे में रहती थीं। उन्हें शादी समारोह और आर्केस्ट्रा कार्यक्रमों में डांस के लिए छतरपुर के एक युवक द्वारा बुलाकर इस मकान में ठहराया गया था। बताया गया कि शनिवार शाम शौच से लौटने के बाद रिया को सिर दर्द और उल्टी की शिकायत हुई, जिसके बाद मकान मालिक के बेटे ने उसे दो इंजेक्शन दिए। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी और रात 9 बजे उसे अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिया के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। सहकर्मी नीतू कुमारी ने यह भी आरोप लगाया कि आयोजक द्वारा उन्हें कार्यक्रम के लिए भुगतान नहीं किया गया था, इसी कारण वे लोग छतरपुर में रुकी हुई थीं। स्थानीय लोगों ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ और बंगाल से सैकड़ों लड़कियों को डांस कार्यक्रमों के नाम पर छतरपुर में लाकर विभिन्न किराए के मकानों में रखा गया है।

आईटीआई के पीछे जल जमाव से स्कूली बच्चे परेशान, दस दिन बाद भी नहीं हुआ समाधान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत के वार्ड संख्या दो और तीन में स्थित हुसैनाबाद आईटीआई के पीछे जलजमाव की समस्या विकराल हो गई है। नाली का गंदा पानी सड़कों पर जमा है जिससे स्कूली बच्चों और राहगीरों को अत्यधिक परेशानी हो रही है। सामाजिक कार्यकर्ता नजीर अहमद उर्फ मिथुन और पूर्व पार्षद राजेन्द्र पाल ने कई बार प्रशासन को सूचना दी लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने उपायुक्त से इस जनसमस्या के समाधान की मांग की है। कार्यपालक पदाधिकारी तरनीश कुमार हंस ने कहा कि समस्या को गंभीरता से लिया गया है और बरसात से पहले इस नाली और सड़कों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी।

शराब दुकान पर मारपीट के मामले में दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर के जेपी चौक स्थित अंग्रेजी शराब दुकान पर 5 जून को ग्राहक और सेल्समैन के बीच हुई मारपीट की घटना को लेकर दोनों पक्षों ने हुसैनाबाद थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। कुर्मी टोला निवासी उमेश कुमार पटेल ने आवेदन में आरोप लगाया है कि वह शराब खरीदने गया था, जहां सेल्समैन रिंकू सिंह ने प्रिंट रेट से अधिक पैसा मांगा। विरोध करने पर रिंकू ने अन्य साथियों को बुलाकर दुकान के अंदर ले जाकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। वहीं, लठेया थाना क्षेत्र के काला पहाड़ गांव निवासी शराब दुकान के सेल्समैन अनिल राम ने उमेश कुमार चौधरी और अन्य तीन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि चारों व्यक्ति नशे की हालत में दुकान पर आए और दो लाख रुपये की रंगदारी मांगने लगे। मना करने पर दुकान में घुसकर बीयर की बोतल से मारपीट की गई। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है।

प्राकृतिक आपदा की आशंका के बीच उपभोक्ताओं को जून में मिल रहा तीन माह का राशन

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। केंद्र सरकार के निर्देश पर प्राकृतिक आपदा जैसे मॉनसून और बाढ़ के संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए जून माह में राशन कार्डधारकों को जून, जुलाई और अगस्त का खाद्यान्न अग्रिम रूप से दिया जा रहा है। 15 जून तक जून-जुलाई और 16 से 30 जून के बीच अगस्त महीने का राशन वितरित किया जाएगा। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नौशाद आलम ने बताया कि इसके लिए मई माह में ही खाद्यान्न का उठाव कर लिया गया है। सभी डीलरों को गोदाम व्यवस्था सुनिश्चित करने और समय पर वितरण के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही 30 जून तक सभी कार्डधारकों का ई-केवाईसी भी अनिवार्य कर दिया गया है। जिनका ई-केवाईसी नहीं होगा, उनका आवंटन रद्द कर दिया जाएगा। जनप्रतिनिधियों से अपील की गई है कि वे इस योजना की जानकारी आम जनता तक पहुंचाएं।

नवागढ़ कंदाखाड़ में ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनाई सड़क, गांव को आदर्श बनाने का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड के माड़न पंचायत अंतर्गत नवागढ़ गांव के कंदाखाड़ टोले में ग्रामीणों ने श्रमदान कर जर्जर और संकीर्ण मुख्य सड़क का समतलीकरण एवं चौड़ीकरण कर लगभग आधा किलोमीटर सड़क का निर्माण किया। ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी उपेक्षा से तंग आकर उन्होंने स्वयं बैठक कर गांव की समस्याओं के समाधान हेतु पहल करने का निर्णय लिया। अमरेश कुमार सिंह, बसंत सिंह, सुरेश सिंह आदि ने बताया कि आने वाले समय में गांव में लाइब्रेरी, सिंचाई, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा व्यवस्था पर भी कार्य किया जाएगा। पंचायत मुखिया ने ग्रामीणों की पहल की सराहना करते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

पंडवा में 11 हजार केवी बिजली तार जमीन से तीन फीट की दूरी पर, ग्रामीणों में दहशत

नवीन मेल संवाददाता

पंडवा। प्रखंड के लोहड़ी गांव में 11 हजार केवी का विद्युत तार जमीन से मात्र तीन फीट की ऊंचाई पर लटक रहा है। यह तार लगभग तीन किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें कौआ तालाब के आसपास की स्थिति सबसे चिंताजनक है। सूत्रों के अनुसार फिलहाल इस लाइन में बिजली आपूर्ति रोकी गई है, लेकिन तार वहीं लटक रहा है, जिससे लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने शीघ्र मरम्मत की मांग की है।

ऑक्सीजन प्लांट के बावजूद मरीजों को नहीं मिल रही सुविधा, रेफर की आदत पर पूर्व मंत्री ने जताई चिंता

हैदरनगर। हुसैनाबाद के पूर्व विधायक और झारखंड सरकार के पूर्व काबीना मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने अनुमंडल क्षेत्र में विधि-व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अनुमंडल अस्पताल में उनके कार्यकाल में लगवाया गया ऑक्सीजन प्लांट आज भी मरीजों को लाभ देने में विफल है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण गंभीर मरीजों को रेफर कर दिया जाता है, जो निंदनीय है। साथ ही उन्होंने एंबुलेंस की मनमानी, बिजली आपूर्ति की बदहाली और अस्पतालों में लापरवाही को गंभीर विषय बताया। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते अनुशासन नहीं लाया गया, तो इसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे। संवाद में पार्टी नेता अजित कुमार सिंह, प्रभात सिंह, विरेंद्र सिंह सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

जलसहिया व सखी मंडल की दीदियों ने मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति फैलाया जागरूकता

चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान ने हाथ पर लाल बिंदी लगाकर दिया संदेश

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। 'चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो' अभियान के छठे चरण के अंतिम चरण में लटपौरी पंचायत में मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर जागरूकता तेजी से फैल रही है। जलसहिया और सखी मंडल की दीदियों ने हाथ पर लाल बिंदी लगाकर ह्यरेड डॉट चैलेंजह्व के माध्यम से संदेश दिया, जिससे गांव की गलियों और परिवारों में इस विषय पर संवाद आरंभ हुआ है। ब्लॉक वाश कोऑर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय ने बताया कि मुखिया उमेश राम और उपमुखिया शशि देवी के नेतृत्व में जलसहिया व सखी मंडल की दीदियों ने मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों और मिथकों को तोड़ने, अपशिष्ट निपटान व भस्मक के उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक किया है। इस प्रयास में जलसहिया सोना, मंजु, मीना, पूनम और उर्मिला देवी, स्वास्थ्य सहिया अनीता देवी और एफएलसीआरपी पूनम कुमारी समेत सखी मंडल की सदस्यों ने विशेष भूमिका निभाई।

नागपुरी थोपना पलामू-गढ़वा की अस्मिता पर हमला है: सूर्या सिंह

हुसैनाबाद। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा 2025 में पलामू और गढ़वा जिलों में नागपुरी को क्षेत्रीय भाषा घोषित करने के फैसले पर भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता सूर्या सिंह ने तीखा विरोध जताया है। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने कहा कि यह फैसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी सरकार की पलामू-गढ़वा की संस्कृति, भाषाई पहचान और जनभावनाओं के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। सूर्या सिंह ने इसे न केवल भाषा परिवर्तन, बल्कि भोजपुरी और मगही जैसी स्थानीय भाषाओं को समाप्त करने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि सदियों से यहां के लोग इन भाषाओं में जीते आए हैं और नागपुरी को थोपना क्षेत्रीय अस्मिता पर सीधा आघात है।

हुसैनाबाद विस क्षेत्र में स्कॉलरशिप टेस्ट सम्पन्न, 15-16 जून को होगी काउंसलिंग

▸ 105 छात्रों को मिलेगा 100 तकनीकी शिक्षा स्कॉलरशिप, जेवाईएसएस के के विश्वा ने दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। स्वर्गीय सुनील विश्वकर्मा की स्मृति में जेवाईएसएस शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में आयोजित तकनीकी शिक्षा स्कॉलरशिप टेस्ट सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा बक्सी उच्च विद्यालय जपला, आरके +2 उच्च विद्यालय हैदरनगर, और सीता विद्यालय हरिहरगंज के तीन केंद्रों पर आयोजित हुई, जिसमें कुल 840 छात्रों ने भाग लिया। परीक्षा में सफल छात्रों की काउंसलिंग 15 व 16 जून को हुसैनाबाद टाउन हॉल में आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग के बाद 105 चयनित छात्रों को तकनीकी शिक्षा के लिए शत-प्रतिशत स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। जेवाईएसएस प्रमुख और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी के विश्वा ने बताया कि इस क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा का कोई संस्थान नहीं है, जिससे छात्रों को करियर मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा एक अभियान है, जो छात्रों को तकनीकी शिक्षा और रोजगार की संभावनाओं की ओर प्रेरित करती है। हमारा उद्देश्य है कि हुसैनाबाद क्षेत्र के बच्चे तकनीकी शिक्षा लेकर आत्मनिर्भर बनें और बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हों।

बाइक न मिलने से नाराज युवक ने की आत्महत्या, कमरे से मिला नोट्स

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीएलए कॉलेज गेट के पास 25 वर्षीय युवक शशिकांत प्रजापति ने अपने घर में गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया। मृतक के कमरे से एक कॉपी बरामद हुई है जिसमें कई पन्नों में उसने अपनी आत्महत्या के पीछे की वजहें लिखी हैं। परिजनों के अनुसार घटना रविवार सुबह लगभग 10 बजे की है। जब शशिकांत की मां ने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया और दरवाजा नहीं खुला, तो उन्होंने खिड़की से झांककर देखा। शशिकांत फंदे से झूल रहा था। परिजनों ने बताया कि वह कुछ दिनों से बाइक खरीदने की जिद कर रहा था, लेकिन घर में उसकी बात नहीं मानी जा रही थी। मृतक की कॉपी में लिखा है, "सॉरी मां, मैं कुंभकर्ण हूं, मेरी जिंदगी से सब कुछ दूर होता चला गया। मैंने जो भी काम शुरू किया, वो ठीक से नहीं हो पाया। पहला काम कैमरा वाला – उसमें पैसा फंसा, फिर गैस गोदाम में भी बात नहीं बनी।"

हंटरगंज में नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

- 940 बोतल नकली शराब व 10 लीटर स्प्रिट जब्त

नवीन मेल संवाददाता

हंटरगंज (चतरा)। पुलिस ने कन्दावार नदी किनारे चल रही नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में 940 बोतल नकली विदेशी शराब, 10 लीटर स्प्रिट, भारी मात्रा में खाली बोतल, ढक्कन, स्टीकर व अन्य सामग्री बरामद की गई है। इंस्पेक्टर पप्पू कुमार शर्मा ने बताया कि कन्दावार निवासी मंटू कुमार द्वारा ईंट भट्ठा के पास नकली शराब बनाई जा रही थी। छापेमारी में रॉयल स्टैग, आइकॉनिक वाइट और एसआर बी7 ब्रांड की 940 बोतल शराब जब्त हुई। साथ ही 14 बोरा व 12 कार्टन खाली बोतल, 6 ड्रम, 3 प्लास्टिक जार, 29 ढक्कन, 21 ब्रांड स्टीकर और 10 लीटर स्प्रिट जैसा तरल पदार्थ भी मिला। पुलिस टीम में थाना प्रभारी प्रभात कुमार, एसआई कृष्णा कुजूर, आरक्षी चरकू यादव, दिलीप कुमार सिंह, अशोक कुमार, सहायक पुलिस सुरेन्द्र भुइयां व चौकीदार श्रवण पासवान शामिल थे।

घोर कुपोषित कोरबा महिला का एमआरएमसीएच में हुआ सफल प्रसव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमआरएमसीएच) में बुधवार को एक घोर कुपोषित कोरबा महिला का अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सुरक्षित प्रसव कराया गया। रामगढ़ अंचल की 18 वर्षीय महिला आदिम जनजाति समुदाय से संबंधित है। प्रसव पीड़ा होने पर उसे पहले गढ़वा जिले के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया, जहां गंभीर हालत को देखते हुए उसे एमआरएमसीएच रेफर कर दिया गया।

अस्पताल पहुंचने पर महिला के शरीर में मात्र 3 ग्राम हीमोग्लोबिन पाया गया, जिससे विभागीय चिकित्सकों को प्रसव कराने में कठिनाई महसूस हुई। अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत 2 यूनिट 'ए' ग्रुप का रक्त उपलब्ध कराया और डॉक्टरों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया। गाइनोकोलॉजी विभाग की टीम ने कड़ी मेहनत से महिला का सफल प्रसव कराया।

डॉक्टरों ने बताया कि कोरबा जनजाति की महिलाओं में अत्यधिक कुपोषण आम समस्या है और अधिकतर महिलाओं में आवश्यक 10 ग्राम के मुकाबले केवल 3 से 5 ग्राम ही हीमोग्लोबिन होता है। सिविल सर्जन अनिल कुमार सिंह ने बताया कि कोरबा एक विलुप्तप्राय जनजाति है, ऐसे में इस समुदाय की महिलाओं की पहचान कर प्रारंभिक अवस्था से स्वास्थ्य निगरानी की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि गर्भवती महिलाएं दवाइयों का नियमित सेवन नहीं करतीं और चिकित्सकीय सलाह भी नहीं लेतीं, जिससे जटिलताएं उत्पन्न होती हैं।

पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों के बीच भोजन पैकेट का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आरती श्रीवास्तव के सौजन्य से मिशन समृद्धि संस्था द्वारा दिवंगत विनोद विहारी शरण की पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच भोजन पैकेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर बुजुर्गों, बच्चों, दिव्यांगों, रिक्शा चालकों और दोना-पत्तल-दातून बेचने वालों को विशेष रूप से भोजन उपलब्ध कराया गया।

मिशन समृद्धि संस्था लंबे समय से समाज के वंचित वर्गों के बीच भोजन वितरण का कार्य करती आ रही है। इस कार्य में आरती श्रीवास्तव सहित कई सम्मानित नागरिकों का योगदान निरंतर सराहनीय रहा है। आरती श्रीवास्तव हर वर्ष अपने दिवंगत पति की पुण्यतिथि को सेवा दिवस के रूप में मनाती हैं, जिसमें वह जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण करवा कर उनकी स्मृति को सामाजिक सरोकार से जोड़ती हैं।

कार्यक्रम में मिशन समृद्धि की टीम की सक्रिय भूमिका रही और संस्था ने सेवा कार्य को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया।

'सॉयल इंडिकेटर' कहे जाते हैं पलाश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। प्राकृतिक धरोहरों से समृद्ध पलामू जिला अपनी जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहां झारखंड का एकमात्र कुंदरी लाह बगान स्थित है, जो पलाश के लाखों पेड़ों के लिए प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि पलामू बिना पलाश और पलाश बिना पलामू की कल्पना नहीं की जा सकती। यह वृक्ष न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अहम है, बल्कि मिट्टी की पहचान का भी संकेत देता है।

पलामू जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर पूर्व दिशा में स्थित कुंदरी लाह बगान 421 एकड़ में फैला हुआ है। यहां करीब तीन लाख से अधिक पलाश के पेड़ एक साथ देखने को मिलते हैं। गर्मियों में जब इनके फूल खिलते हैं, तो पूरा जंगल मानो लाल-नारंगी रंग की आग से सुलग रहा हो, ऐसी दृश्यावली बनती है।

पलाशः एक प्राकृतिक 'सॉयल इंडिकेटर' : पर्यावरणविद् डॉ. डी. एस. श्रीवास्तव के अनुसार, पलाश के पेड़ मिट्टी की प्रकृति बताने वाले वृक्ष माने जाते हैं। ये वहां अपने आप उगते हैं जहां मिट्टी विशेष प्रकार की होती है। खासकर, केवाल मिट्टी (हल्की बलुई मिट्टी) में ही पलाश का वृक्ष उगता है। इस पेड़ की जड़ें बहुत गहराई तक जाती हैं, इसलिए इसे कहीं और प्रत्यारोपित नहीं किया जा सकता। डॉ. श्रीवास्तव बताते हैं कि "पलाश लगाया नहीं जा सकता, यह जहां अनुकूल मिट्टी मिलती है वहीं स्वतः उगता है। यह वृक्ष पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है और लोक जीवन से भी गहराई से जुड़ा है।"

संरक्षण की आवश्यकता : पलाश न सिर्फ पर्यावरणीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वन संपदा, जीव-जंतुओं के आवास और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए भी जरूरी है। ऐसे में इसके संरक्षण और प्रचार-प्रसार पर ध्यान देना आवश्यक है ताकि यह धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बनी रहे।

शहर के शोर से दूर सुकून की तलाश? रानी ताल डैम में मिलेंगे शांत पल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भीषण गर्मी ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर रखा है। तापमान रोज़ाना 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच रहा है। ऐसे में शहर की चहल-पहल और उमस भरे माहौल से कुछ पल की राहत पाना हर किसी की चाहत बन गई है। अगर आप भी ऐसी ही किसी शांत और ठंडी जगह की तलाश में हैं, तो जिला मुख्यालय से कुछ किलोमीटर दूर स्थित रानी ताल डैम आपके लिए एक उम्दा विकल्प साबित हो सकता है।

हरियाली और शांति से भरपूर प्राकृतिक स्थल : चैनपुर प्रखंड क्षेत्र में स्थित रानी ताल डैम, मेदिनीनगर से महज 5 से 6 किलोमीटर की दूरी पर दो पहाड़ियों के बीच बसा हुआ है। यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के कारण स्थानीय लोगों और पर्यटकों की पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। खासकर गर्मियों की शाम को यहां का नजारा बेहद मोहक होता है।

परिवार के साथ बिताएं यादगार पल : रविवार या अन्य अवकाश के दिनों में यहां लोगों की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ती है। परिवार, मित्रों या प्रियजनों के साथ यहां पहुंचकर लोग प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं, फोटोग्राफी करते हैं और ठंडी हवाओं के बीच सुकून के पल बिताते हैं।

प्रकृति प्रेमियों के लिए खास स्थान : जो लोग हरियाली और जलधाराओं के बीच शांति महसूस करना चाहते हैं, उनके लिए यह स्थान किसी वरदान से कम नहीं। यहां बैठकर आप घंटों तक प्रकृति की गोद में सुकून भरे पल गुजार सकते हैं। सूरज ढलते ही मौसम खुशनुमा हो जाता है और वातावरण पूरी तरह बदल जाता है।

कैसे पहुंचें?

रानी ताल डैम तक पहुंचना भी बेहद आसान है। मेदिनीनगर से ऑटो या बाइक के माध्यम से लगभग 15 से 20 मिनट में आप यहां पहुंच सकते हैं। सड़क की स्थिति भी अच्छी है, जिससे यात्रा सहज हो जाती है।

मचान विधि से लौकी की खेती बनी किसानों की आमदनी का जरिया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लौकी की खेती अब किसानों के लिए लाभकारी व्यवसाय साबित हो रही है। जिले के कई किसान मचान विधि से लौकी की खेती कर प्रति दिन तीन से चार क्विंटल की तुड़ाई कर रहे हैं। मौजूदा समय में लौकी का बाजार मूल्य 1200 से 1500 रुपये प्रति क्विंटल है, जिससे किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है। एक किसान ने बताया कि इस बार मचान विधि अपनाई गई है जिससे न केवल उत्पादन बढ़ा है, बल्कि खेत की नीचे की जमीन का भी उपयोग किया जा रहा है। इस जमीन में किसान प्याज, पालक और धनिया की भी खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक बीघे जमीन से उन्होंने 16 से 18 क्विंटल प्याज की फसल ले ली है और अब पालक की बुवाई की गई है, जो 20 दिन में तैयार हो जाएगी। किसान भाइयों को सुझाव दिया गया कि यदि लौकी की खेती करनी है तो मचान विधि अपनाएं। इससे एक ही जगह पर बहुफसली खेती संभव हो जाती है और किसानों को आर्थिक लाभ भी कई गुना बढ़ता है।

गर्मी में सतर्क रहें: इन स्थानों पर छिपते हैं सांप, बढ़ सकता है खतरा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गर्मी का मौसम अपने चरम पर है और ऐसे समय में सांपों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। झारखंड के विभिन्न इलाकों में कई जहरीले सांप पाए जाते हैं, जो मानव जीवन के लिए घातक हो सकते हैं। तेज गर्मी और उसके बाद आने वाली बारिश के मौसम में ये सांप अधिक सक्रिय और आक्रामक हो जाते हैं।

विशेषज्ञ डॉ. डी.एस. श्रीवास्तव बताते हैं कि गर्मी में सांप ठंडी और छायादार जगहों की तलाश में रहते हैं। अक्सर ये सूखे पत्तों के ढेर, स्टोर रूम में रखे सामान के नीचे या घर के कोनों में अपना ठिकाना बना लेते हैं। कई बार लोग बिना सतर्कता के इन स्थानों पर चले जाते हैं जिससे हादसे की आशंका बढ़ जाती है।

डॉ. श्रीवास्तव ने सलाह दी कि गर्मियों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। पेड़ों से झड़ने वाले पत्तों को एक स्थान पर जमा करने से पहले वहां की सावधानीपूर्वक जांच करें। बच्चों को ऐसे स्थानों पर खेलने से रोकें और नियमित अंतराल पर अपने घर और आसपास के इलाकों की साफ-सफाई करें। सतर्कता ही सुरक्षा की पहली शर्त है।

गांव की हसरत ने बदल दी तस्वीर, पैकेजिंग कारोबार से बन रहीं आत्मनिर्भर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं का जमीनी असर अब साफ दिखने लगा है। पलामू जिले की हसरत बानो इसका जीवंत उदाहरण हैं, जिन्होंने जेएसएलपीएस (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी) से जुड़कर अपने जीवन की दिशा ही बदल दी। कभी खेती पर निर्भर रहने वाली हसरत अब सफल उद्यमी बन चुकी हैं और उनके उत्पादों की मांग राजधानी रांची से लेकर दिल्ली तक है।

खेती से कारोबार की ओर बदली राह : सदर प्रखंड के खनवा गांव की रहने वाली हसरत बानो पहले पारंपरिक खेती और सब्जियों की खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। लेकिन इससे अधिक आय नहीं हो रही थी। इसके बाद उन्होंने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर लोन लिया और खेती को विस्तार दिया। इस दौरान उन्हें जेएसएलपीएस की ओर से व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया गया जिसमें उन्हें पैकेजिंग और मार्केटिंग की बारीकियां सिखाई गईं।

छोटे स्तर से शुरू हुआ बड़ा सफर : प्रशिक्षण के बाद हसरत ने अपने घर में उत्पाद तैयार करने का काम शुरू किया और उन्हें बाजारों तक पहुंचाना शुरू किया। धीरे-धीरे उनके उत्पादों को पहचान मिलने लगी और आज उनके बनाए गए घरेलू उत्पादों की मांग झारखंड से बाहर दिल्ली तक पहुंच चुकी है।

हसरत बानो बताती हैं कि खेती से बहुत सीमित आमदनी होती थी। समूह से जुड़ने के बाद जब जेएसएलपीएस के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षण और बाजार मिला, तो उन्होंने अपने उत्पाद खुद तैयार कर उनकी ब्रांडिंग और बिक्री शुरू की। आज वे अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

मुंडन संस्कार को लेकर कौलेश्वरी मंदिर में उमड़ी भीड़, तालाब की सफाई अभियान तेज

नवीन मेल संवाददाता

चतरा, हंटरगंज। सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल कौलेश्वरी मंदिर में रविवार को मुंडन संस्कार को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। झारखंड, बिहार सहित कई राज्यों से हजारों श्रद्धालु कौलेश्वरी पर्वत पहुंचे और ग्रीष्म ऋतु की परवाह किए बिना माता के दरबार में दर्शन और मुंडन संस्कार कराया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

श्रद्धालु मंदिर पहुंचने से पहले पर्वत स्थित तालाब में स्नान कर पूजा-अर्चना में सम्मिलित हुए और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर की तलहटी हटवारिया में सैकड़ों छोटी-बड़ी गाड़ियों का काफिला देखने को मिला।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए कौलेश्वरी प्रबंधन समिति पूरी सक्रियता से व्यवस्थाओं को संभाल रही है। वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम के निर्देश पर मंदिर परिसर और तालाब की विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी निगरानी स्वयं एसडीओ कर रहे हैं।

प्रधान पुजारी मिथलेश मिश्रा ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन मजदूरों द्वारा सफाई कार्य कराया जा रहा है और श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण में पूजा का अवसर देने के लिए मंदिर प्रांगण में भी युद्ध स्तर पर सफाई जारी है।

चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा का चुनाव 29 जून को

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा की पलामू जिला इकाई एवं झारखंड प्रदेश कमेटी के आगामी सत्र 2025–28 के चुनाव को लेकर रविवार को बेलवाटिका, मेदिनीनगर में समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश चुनाव प्रभारी सुबोध कुमार उपस्थित हुए। समाज के सदस्यों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया।

बैठक की अध्यक्षता झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार ने की। बैठक को संबोधित करते हुए चुनाव प्रभारी सुबोध कुमार ने जानकारी दी कि चंद्रवंशी महासभा का चुनाव दिनांक 29 जून 2025 को मेदिनीनगर स्थित पलामू क्लब परिसर में सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक कराया जाएगा। उसी दिन शाम 5 बजे चुनाव परिणामों की घोषणा की जाएगी।

निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए पांच सदस्यीय जिला चुनाव समिति गठित की गई। संजय किशोर सिंह को जिला चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया, जबकि कृष्ण कुमार, अधिवक्ता संतोष कुमार, संतोष कुमार चंद्रवंशी और गौतम चंद्रवंशी को चुनाव संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में रंजन सिंह चंद्रवंशी, शंभू नाथ राम, विजय कुमार, कांती चंद्रवंशी, रीना देवी, मुकेश कुमार, प्रेम कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दानरो नदी संरक्षण को समर्पित होगा इस बार का 'कॉफी विद एसडीएम' कार्यक्रम

पनघटवा डैम से बेलचंपा तक के लगभग 30 गांवों के समाजसेवियों को एसडीएम ने किया आमंत्रित

दानरो महोत्सव की बनेगी रूपरेखा

एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि इस बार के ₹कॉफी विद एसडीएम₹ कार्यक्रम में दानरो नदी के संरक्षण को लेकर एक वर्षभर चलने वाले कार्यक्रम 'दानरो महोत्सव' की रूपरेखा पर सामूहिक विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल समाजसेवियों की व्यक्तिगत समस्याओं को भी सुना जाएगा, लेकिन मुख्य फोकस दानरो को लेकर जागरूकता और संरक्षण अभियान पर होगा। एसडीएम ने कहा कि यह भागीदारी पूर्णतः स्वैच्छिक है और जो भी लोग इस अभियान से जुड़ना चाहते हैं, वे आमंत्रित हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पर्यावरण और दानरो नदी के प्रति समर्पित सभी जागरूक नागरिक इस प्रयास को सफल बनाने में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा प्रत्येक बुधवार को आयोजित किए जा रहे संवाद कार्यक्रम ₹कॉफी विद एसडीएम₹ की इस बार की बैठक 11 जून को सुबह 11:00 बजे आयोजित की जाएगी। इस बार का संवाद कार्यक्रम दानरो नदी के संरक्षण को समर्पित होगा। इसको लेकर एसडीएम ने दानरो तट पर बसे लगभग 30 गांवों के पर्यावरणप्रेमी नागरिकों व समाजसेवियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया है। एसडीएम संजय कुमार ने जानकारी दी कि दानरो नदी का पूरा प्रवाह क्षेत्र सदर अनुमंडल के अंतर्गत आता है, जिसकी शुरूआत डंडई प्रखंड की सीमा पर स्थित पनघटवा डैम से होती है और इसका संगम गढ़वा सदर प्रखंड के बेलचंपा में कोयल नदी से होता है। इस बीच डंडई, मेराल, और सदर प्रखंड के अनेक गांवों से होकर यह नदी बहती है। उन्होंने कहा कि इस नदी के संरक्षण की जिम्मेदारी भी इस क्षेत्र के नागरिकों की है। उन्होंने बताया कि बुल्का (बैरिया दामर), डंडई, झकरा, बैला झकरा, कदैलिया, कजरमारा, देवगाना, दतवनिया, कजरत, झोतर, खुटैलिया, तिसरटैटुका, बघौता, कोरवाडीह, नवाडीह, झलुवा, छतरपुर, कल्याणपुर, करमडीह, सहीजना, तेनार, भरटिया, गढ़ौता, मधेया, महुपी, फरटिया, खजूरी, बसाहा, बेलचंपा जैसे गांव दानरो नदी के तट पर बसे हुए हैं। ऐसे में इन गांवों के निवासियों की सामूहिक सहभागिता से ही दानरो नदी को सुरक्षित और स्वच्छ रखा जा सकता है।

सैलून दुकान में सुरंग बनाकर चोरी, बैटरी होम थिएटर व नकदी उड़ा ले गए चोर

भवनाथपुर में दो दिन में तीसरी चोरी, व्यापारियों में दहशत

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर । प्लस टू हाई स्कूल भवनाथपुर के गेट के समीप स्थित एक सैलून दुकान में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने सुरंग बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान में रखे बैटरी, मिनी होम थिएटर, कीमती शेविंग क्रीम, ट्रिमर और बक्से में रखे दो हजार रुपये नकद की चोरी कर ली। दुकान मालिक संजय कुमार को चोरी की जानकारी रविवार सुबह उस समय हुई जब उन्होंने दुकान का शटर खोला। उन्होंने देखा कि सामान गायब है और बक्सा टूटा हुआ पड़ा है। दुकान के पीछे की दीवार के नीचे चोरों ने मिट्टी खोदकर सुरंग बनाई थी, जिसके जरिये वे अंदर घुसे और चोरी के बाद मिट्टी भरकर सुरंग को फिर से ढक दिया। संजय कुमार ने घटना की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। लिखित आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि दो दिन पहले भी पास में स्थित इम्तियाज अंसारी की सब्जी दुकान से एक पेटी शिमला मिर्च, दो पेटी टमाटर और मनु अंसारी की मुर्गी दुकान से लगभग पांच हजार रुपये मूल्य की मुर्गियां चुराई गई थीं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के व्यवसायियों में भारी चिंता और डर का माहौल है।

कुत्ते को बचाने में पलटी बाइक, तीन युवक घायल

बकरीद मनाकर लौट रहे थे यूपी के युवक, भवनाथपुर सीएचसी में कराया गया इलाज

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। भवनाथपुर-खरौंधी मुख्य पथ पर बंसानी गांव के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। ये तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर उत्तर प्रदेश स्थित अपने घर लौट रहे थे कि अचानक सड़क पर एक कुत्ता आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। घायलों की पहचान अजीज अंसारी (पिता- कमालुद्दीन अंसारी, रामगढ़, यूपी), अंसार अली (पिता- मेराज अली, देवाटर, यूपी) और जबीर अली (पिता- मेराज अली, कोन, यूपी) के रूप में हुई है। सभी को परिजनों द्वारा तत्काल भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घटना के बारे में बताया गया कि तीनों युवक बकरीद पर्व मनाने के लिए भवनाथपुर प्रखंड के मकरी गांव स्थित जाहिर अंसारी के घर आए थे। रविवार की रात सभी बाइक से वापस लौट रहे थे कि हादसा हुआ।

अबुआ आवास योजना का लाभ नहीं मिलने से झोपड़ी में रहने को विवश है परिवार

सिलीदाग पंचायत के 61 लाभुक अब भी इंतजार में, बारिश में संकट और गहराया

नवीन मेल संवाददाता

रमना । केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न आवास योजनाओं के बावजूद आज भी कई गरीब-मजदूर परिवार पक्के मकान के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। सिलीदाग पंचायत के निवासी पप्पू चंद्रवंशी का परिवार अबुआ आवास योजना की प्रतीक्षा में प्लास्टिक की झोपड़ी में रहने को मजबूर है। पप्पू ने बताया कि उनका मिट्टी का घर पूरी तरह जर्जर हो चुका है और कुछ हिस्सा गिर भी गया है। समय से आवास नहीं मिलने की स्थिति में बरसात में पूरा घर गिरने की आशंका है। उन्होंने बताया कि उनका नाम योजना में चयनित लाभुकों में है और पंचायत सहायक व मुखिया ने भी बताया कि खाते में पैसे आने वाले हैं, लेकिन अब तक एक भी किस्त नहीं आई है। मुखिया अनीता देवी ने बताया कि पंचायत में कुल 134 लाभुकों का चयन हुआ था, जिनमें से 73 को आवास की राशि प्राप्त हुई है, जबकि 61 लाभुक अभी भी वंचित हैं परिवार इस समय खुले में प्लास्टिक की झोपड़ी में रहने को मजबूर है, जहां न तो ठीक से दैनिक उपयोग की सामग्री रखने की जगह है, न ही कोई सुरक्षा। पंचायत सचिव से फोन पर संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

न्यूज बॉक्स

केतार के श्याम बिहारी राम का इंडियन व्हीलचेयर प्रीमियर लीग में चयन

केतार। झारखंड से अकेले खिलाड़ी हैं श्याम, यूपी हीरोज की ओर से 8 जून को मुम्बई से होगा पहला मैच केतार प्रखंड क्षेत्र के बिंदु राम के पुत्र श्याम बिहारी राम ने जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। उनका चयन इंडियन व्हीलचेयर प्रीमियर लीग-6 के लिए उत्तर प्रदेश हीरोज टीम में हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 8 से 14 जून तक दिल्ली के बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल, द्वारका के मैदान में आयोजित होगी। श्याम बिहारी राम ने बताया कि उनका पहला मुकाबला 8 जून को मुम्बई टीम से है, जिसमें वे अपना डेब्यू करेंगे। श्याम झारखंड से इस टूनार्मेंट में शामिल होने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनके चयन पर केतार वासियों में खुशी की लहर है। बधाई देने वालों मेंजिला परिषद सदस्य ज्वाला प्रसाद, प्रमुख चंद्रावती देवी, समाजसेवी पंकज सिंह, मुखिया प्रमोद कुमार, मूंगा साह, थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी समेत कई गणमान्य लोग शामिल हैं।

घरेलू विवाद के बाद विवाहिता ने खाया कीटनाशक, सदर अस्पताल में भर्ती

गढ़वा। बिशुनपुरा थाना क्षेत्र के करचा टोला गांव में एक 24 वर्षीय विवाहिता ऋचा कुमारी ने घरेलू विवाद से आक्रोशित होकर कीटनाशक खा लिया। परिजनों ने उसे तुरंत गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि अब उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। परिजनों के अनुसार, ऋचा का अपने पति राजन कुमार के साथ घरेलू बातों को लेकर मामूली विवाद हुआ था। इसी कारण उसने यह कदम उठा लिया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।

स्कॉर्पियो-टोटो की टक्कर में तीन घायल, सभी गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती

गढ़वा। जिला मुख्यालय स्थित बाजार समिति गेट के पास रविवार को एक स्कॉर्पियो और टोटो की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में कमरमा गांव निवासी 35 वर्षीय जुगेश विश्वकर्मा, सीहो गांव निवासी 12 वर्षीय सिद्धार्थ भुइयां, और 21 वर्षीय वेद प्रकाश शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, तीनों टोटो पर सवार होकर बाजार समिति में तरबूज खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने टोटो को टक्कर मार दी, जिससे टोटो पलट गई और तीनों घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा 12 सूत्री सुझाव पत्र

मेराल। रविवार को भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी से मिलकर मेराल प्रखंड की समस्याओं को लेकर 12 सूत्री मांग पत्र सौंपा। मुख्य मांगों में एंबुलेंस की व्यवस्था, टाउन हॉल, विभिन्न पंचायतों में खेल मैदान व स्टेडियम, पैक्स अध्यक्ष का गठन, दमकल गाड़ियां, कोल्ड स्टोरेज, हाई मास्क लाइट, सामुदायिक भवन, पुस्तकालय, नदी सफाई, पौधारोपण और खतियान अपडेट हेतु मिनी सर्वे शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विधायक प्रतिनिधि डॉ. लालमोहन ने किया। अन्य सदस्यों में रूपू महतो, मनोज जायसवाल, कृष्ण प्रसाद कुशवाहा, धनंजय चौधरी, वीरेंद्र चौधरी और रोहित कुमार शामिल थे।

तेज रफ्तार का कहर! रानीचेरी में पलाश के पेड़ से टकराई बाइक, युवक गंभीर रूप से घायल

चिनिया। रानीचेरी गांव में रविवार को एक तेज रफ्तार बाइक पलाश के पेड़ से टकरा गई, जिससे भंडरिया निवासी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसकी पत्नी को मामूली चोटें आईं। दोनों चिनिया से अपने गांव लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। हादसे की सूचना पर चिनिया थाना प्रभारी अमित कुमार के निर्देश पर एएसआई राधेश्याम कुमार, ओम प्रकाश कुमार और बबन टुडू ने टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच शुरू की। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने लोगों से तेज रफ्तार से वाहन न चलाने की अपील की है।

रंका में पूर्व व वर्तमान मुखिया परिवारों के बीच मारपीट, मुखिया के पति व बेटी घायल

नवीन मेल संवाददाता

रंका। रंका प्रखंड के सोनदाग पंचायत में शनिवार शाम को पूर्व और वर्तमान मुखिया के परिवार के बीच हुई मारपीट की घटना ने क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न कर दी। इस घटना में वर्तमान मुखिया के पति हेमंत पासवान और उनकी पुत्री अंजलि पासवान घायल हो गए हैं। मामले की जानकारी देते हुए हेमंत पासवान ने बताया कि शनिवार शाम करीब 7:15 बजे उनका बेटा संदेश कुमार दूध लेकर घर लौट रहा था। रास्ते में पूर्व मुखिया के घर के पास उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी सड़क पर खड़ी थी, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया था। जब संदेश ने गाड़ी हटाने का अनुरोध किया, तो इसी बात को लेकर पूर्व मुखिया के पुत्र अरविंद राम, इंद्रदेव राम, सुखदेव राम और दीपक राम समेत पूरे परिवार ने उस पर हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद जब हेमंत पासवान अपने बेटे से मारपीट की शिकायत को लेकर पूछताछ के लिए गए, तो अरविंद राम ने कथित रूप से ईंट से उनके सिर पर वार कर दिया। इसी दौरान उनकी पुत्री अंजलि पासवान को भी पीटा गया, जिससे दोनों घायल हो गए। घटना के बाद घायल पक्ष द्वारा रंका थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई गई है। वहीं, दूसरी ओर पूर्व मुखिया के पुत्र अरविंद राम की ओर से भी थाने में आवेदन देकर वर्तमान मुखिया पक्ष द्वारा मारपीट का आरोप लगाया गया है। दोनों पक्षों द्वारा थाने में अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई गई है। सूत्रों के अनुसार, घटना में घायल हेमंत पासवान और उनकी बेटी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

दो बाइक की टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोग घायल

श्री बंशीधर नगर। विशुनपुरा मुख्य मार्ग पर भोजपुर गांव के पास दो बाइक की टक्कर में बिशुनपुर गांव निवासी सेवाज खान और उनके पुत्र सुहान खान, कमर खान घायल हो गए। तीनों घायलों का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई है। दुर्घटना के बाद दूसरी बाइक सवार मौके से फरार हो गया।

स्टूडेंट प्रोग्रेशन कार्य में ढिलाई शिक्षा विभाग ने दिए कड़े निर्देश

खरौंधी के सभी विद्यालयों को कल तक कार्य पूरा करने का अल्टीमेटम

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। स्टूडेंट प्रोग्रेशन 2024-25 के कार्य को लेकर कई विद्यालयों द्वारा अब तक कोई पहल नहीं की गई है। इसे लेकर शिक्षा विभाग सख्त रवैया अपना रहा है। बीपीएम नवीन प्रकाश ने सभी विद्यालय प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया है कि वे हर हाल में कल तक यह कार्य पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्य आगामी सत्र 2025-26 के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि कक्षा 2 से 12 तक के विद्यार्थियों का विवरण अपडेट कर यू-डाइस प्लस पोर्टल पर ऑनलाइन नामांकन हेतु भेजा जा सके। बीपीएम ने यह भी कहा कि यदि किसी विद्यालय द्वारा इस कार्य में देरी या लापरवाही की जाती है, तो उसकी पूरी जवाबदेही संबंधित प्रधानाध्यापक/ प्रभारी प्रधानाध्यापक की होगी। साथ ही विभागीय कार्रवाई की भी चेतावनी दी गई है। उन्होंने सभी से अपील की है कि समय पर कार्य को गंभीरता से लेते हुए अनिवार्य रूप से पूरा करें।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर पलटा, चालक की हालत गंभीर

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। हरैया दाई देवी धाम के पास रविवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे ग्रामीणों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया और प्राथमिक उपचार के लिए भवनाथपुर स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। स्थिति गंभीर होने पर उसे सदर अस्पताल गढ़वा रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर खोखा बालू घाट से लौट रहा था। अमरोरा थाना के समीप यह हादसा हुआ। थाना प्रभारी रवि कुमार केसरी ने बताया कि तेज गति के कारण ट्रैक्टर पलटा। वाहन जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

स्व. रामपाल सिंह क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का जोरदार आगाज

केतमा ने पहले ही मैच में दिखाया दम!

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। प्रखंड के बरवाडीह पंचायत स्थित सिमरटोलिया मैदान में स्वर्गीय रामपाल सिंह क्रिकेट टूनार्मेंट 2025 की धमाकेदार शुरूआत रविवार को हो गई। गढ़वा जिले के विभिन्न प्रखंडों से आई 8 टीमों की भागीदारी वाले इस टूनार्मेंट का पहला मुकाबला केतमा और बिरबांध टीम के बीच खेला गया। केतमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवरों में 155 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिरबांध की टीम केवल 71 रन पर सिमट गई। इस तरह केतमा ने 84 रन से शानदार जीत दर्ज कर टूनार्मेंट में अपना पहला कदम मजबूती से रखा। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि एवं झामुमो पंचायत सचिव मुख्तार अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ शहजाद अंसारी, संतोष सिंह, उमेश यादव, विजय यादव, सत्येंद्र पासवान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन समिति में तेज सिंह, सत्यम सिंह, आनंद सिंह, अभिमन्यु और आदित्य की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। आयोजकों में तेजपाल सिंह, सतपाल सिंह, रामरति सिंह, अभिमन्यु एवं ग्रामवासी पूर्ण समर्पण के साथ आयोजन में लगे हैं। तेज सिंह ने कहा, 'इस टूनार्मेंट का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को खेल का मंच देना है।' मुख्तार अंसारी ने कहा कि, 'स्व. रामपाल सिंह टूनार्मेंट जैसे आयोजन युवाओं में अनुशासन, भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।'

मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो युवक घायल

श्री बंशीधर नगर। बंशीधर नगर भवनाथपुर मार्ग पर हनुमान मंदिर के समीप रविवार को मोटरसाइकिल से पेट्रोल लेने जा रहे दो युवक अनियंत्रित होकर गिर पड़े, जिससे दोनों घायल हो गए। घायल युवकों की पहचान मर्चवार निवासी अजीत चौधरी और सलसलादी निवासी छोटू कुमार के रूप में हुई है। दोनों का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है।

बसिया पिकेट पर पुलिस का एंटी क्राइम जांच अभियान, वाहनों की जांच

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ (लातेहार)। जिले में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से रविवार को बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बसिया पिकेट के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर चलाया गया, जिसकी निगरानी बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने की।

अभियान के दौरान दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहनों को रोककर उनके कागजातों की गहनता से जांच की गई। साथ ही वाहन चालकों द्वारा सुरक्षा मानकों जैसे हेलमेट और सीट बेल्ट के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हुए उनके फोटो जिला परिवहन विभाग को भेजे गए हैं ताकि आगे की विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि यह जांच अभियान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के उद्देश्य से संचालित किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे।

जांच अभियान में एएसआई देव मंगल सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों एवं सशस्त्र बल के जवानों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून-व्यवस्था से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और आम नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सड़क लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाला शातिर अपराधी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर छिपादोहर पुलिस ने सड़क लूटपाट के कई मामलों में संलिप्त एक शातिर अपराधी को हथियार के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रविवार को छिपादोहर थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में बरवाडीह एसडीपीओ भरत राम ने मामले की जानकारी दी।

एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि छिपादोहर थाना क्षेत्र के तुंबागड़ा सड़क पर रबदी पुल के पास कुछ संदिग्ध अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के आलोक में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया, जिसमें स्वयं एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की।

छापेमारी के दौरान पुलिस को देखकर लगभग 5–6 अपराधी मौके से भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर एक अपराधी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार अपराधी की पहचान चिंटू मिश्रा उर्फ सियाराम मिश्रा (उम्र 22 वर्ष), पिता विजय मिश्रा, स्थायी निवासी ग्राम दुबे मरहटिया, थाना गढ़वा, जिला गढ़वा के रूप में हुई है। वर्तमान में वह पलामू जिला अंतर्गत चियांकी के भीमगढ़ा क्षेत्र में स्थित एक टेम्पू शोरूम के पास निवास कर रहा था।

अभियुक्त के पास से एक देशी कट्टा एवं 8 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। सख्ती से पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह 10–12 सदस्यों वाले एक गिरोह का हिस्सा है, जो झारखंड के गढ़वा, पलामू, लातेहार, गुमला, लोहरदगा, रांची समेत बिहार के रोहतास, औरंगाबाद, गया आदि जिलों में सड़क लूटपाट एवं छिनतई की अनेक घटनाओं को अंजाम दे चुका है।

छिपादोहर थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह ने बताया कि हाल के दिनों में थाना क्षेत्र में दो बार लूटपाट की घटनाएं हुई थीं, जिनमें यह अपराधी मुख्य सरगना के रूप में सक्रिय था। उन्होंने बताया कि शेष अपराधियों की तलाश जारी है।

छापामारी टीम में थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह, एसआई रितेश कुमार राव, एएसआई अन्नत कुमार, इंद्रजीत तिवारी, आईआरबी-04, सैट–137 और छिपादोहर थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

न्यूज बॉक्स

कमांडो ने ब्राइट फ्यूचर को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

चंदवा। स्थानीय खेल स्टेडियम में चल रहे टूर्नामेंट में शुक्रवार को तीन मुकाबले खेले गए। पहले मैच में लोहरदगा की टीम ने संतोष कंस्ट्रक्शन को 40 रन से हराया। दूसरे मैच में कमांडो क्लब ने ब्राइट फ्यूचर महुआमिलान को 8 विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीसरे मैच में श्याम इलेवन ने बाबा 11 को 6 विकेट से हराया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला सोमवार रात खेला जाएगा।

बनियों मोड़ पर सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल

हेरहंज (लातेहार)। बालूमाथ मार्ग स्थित बनियों मोड़ के पास रविवार को एक बाइक दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान हेरहंज थाना क्षेत्र के रोहन गांव निवासी कलाम अंसारी के पुत्र सरफुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सरफुद्दीन अंसारी किसी जरूरी कार्य से बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय जा रहे थे। इसी दौरान बनियों ग्राम के समीप एक तीखे मोड़ पर सामने से आ रहे एक वाहन को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हादसे में युवक का एक हाथ टूट गया है, साथ ही शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र कुमार द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। युवक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

10 जून को लातेहार में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू का आगमन

लातेहार। कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत 10 जून को झारखंड प्रभारी के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं जिला प्रभारी धीरज प्रसाद साहू लातेहार पहुंचेंगे। इस अवसर पर मनिका विधायक रामचंद्र सिंह भी उपस्थित रहेंगे। पार्टी ने इस कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस के जिला मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी ने बताया कि 10 बजे आगमन के बाद जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष गूँजर उरांव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जाएगी।

ट्रक चालक की हत्या, पुत्री ने दर्ज कराई प्राथमिकी

चंदवा। एनएच-75 पर पन्नाटांड़ के समीप शनिवार सुबह ट्रक चालक चंद्र भूषण मौवर की हत्या कर दी गई। मृतक की पुत्री जया कुमारी ने अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध चंदवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना की जांच पुलिस कर रही है। चंद्र भूषण अपने ट्रक से सरिया लेकर मेदिनीनगर जा रहे थे, तभी पन्नाटांड़ नाले के पास उन पर हमला कर हत्या कर दी गई।

थाने के पास खड़ी बाइक की चोरी

कुंदा (चतरा)। कुंदा थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर खड़ी बाइक को चोरी कर लिया। लोटवा निवासी नकुलदेव यादव की काले-नीले रंग की स्प्लेंडर प्लस बाइक उनके कुंदा स्थित मकान के पास से चोरी हुई। उन्होंने थाना में लिखित आवेदन देकर शीघ्र बाइक बरामद करने की मांग की है।

केंदू पत्ता फड़ियों में आग, लाखों की क्षति

कुंदा (चतरा)। कुंदा थाना क्षेत्र के तालही गांव में दो केंदू पत्ता फड़ियों में लगी आग से लाखों की क्षति हुई है। एक फड़ी तालही आंगनबाड़ी के पास और दूसरी आम के पेड़ के नीचे स्थित थी। हालांकि आग के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन पूर्व में नक्सलियों द्वारा ठेकेदारों को चेतावनी देने के मद्देनज़र घटना में नक्सली हाथ की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुखिया की तत्परता से दो युवकों की बची जान, लोगों ने की सराहना

कान्हाचट्टी (चतरा)। प्रखंड के खापलंबानी गांव में सड़क दुर्घटना में घायल दो युवकों की जान मुखिया की तत्परता से बच सकी। राजपुर पंचायत के मुखिया छोटू सिंह ने मानवीय पहल करते हुए दोनों घायलों को अपनी बाइक से समय रहते कान्हाचट्टी स्वास्थ्य उपकेंद्र पहुँचाया, जिससे उनकी जान बच गई। घायलों की पहचान विशाल कुमार सिंह (पुत्र दीपक सिंह, निवासी बाराबागी) और संदीप कुमार सिंह (पुत्र स्व. शिवनारायण सिंह, निवासी केवाल) के रूप में हुई है। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए चतरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

किसानों के बीच जीराफूल धान बीज का वितरण

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर महुआडांड़ प्रखंड में जीराफूल धान की खेती को बढ़ावा देने हेतु किसानों के बीच बीज वितरण की शुरुआत की गई। यह कार्य फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, चालू वर्ष 2025-26 में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 1500 एकड़ में जीराफूल धान की खेती का प्रस्ताव है। इस योजना के अंतर्गत एक किसान को 20 किलोग्राम बीज 52 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है। कंपनी के पास 8000 किलोग्राम बीज उपलब्ध है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे महुआडांड़ की फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, जेएसएलपीएस कार्यालय या प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर बीज प्राप्त करें।

आरओबी निर्माण की मांग को लेकर अयूब खान और किसान जल समाधि सत्याग्रह पर

चंदवा। टोरी जंक्शन पर आरओबी निर्माण की मांग को लेकर कामता पंचायत समिति सदस्य अयूब खान एवं दर्जनों किसान 15 जून से प्रतिदिन 12 बजे चटुआग डैम में अनिश्चितकालीन जल समाधि सत्याग्रह शुरू करेंगे। अयूब खान ने प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि यदि आंदोलन के दौरान कोई अप्रिय घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी केंद्र सरकार, रेलवे और राज्य सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि टोरी-चंदवा फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण के लिए चार साल पूर्व 3 अप्रैल 2021 को शिलान्यास हुआ था, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है। जल समाधि सत्याग्रह के माध्यम से आरओबी निर्माण, पुनर्मूल्यांकन कर मुआवजा भुगतान, पैसेंजर ट्रेन संचालन, बंद फुट ब्रिज कार्य को शुरू करने, अंडरपास निर्माण जैसे कई मुद्दों पर संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। आंदोलन में बड़ी संख्या में किसान भाग लेंगे।

चतरा में जिला ताइक्वांडो समर कैंप का शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, चतरा के सभागार में रविवार को चतरा जिला ताइक्वांडो संघ के तत्वावधान में डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो समर कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के सचिव संजय सिन्हा एवं प्रधानाध्यापक रमेश सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर चतरा जिला टेबल टेनिस संघ के महासचिव संजीत मिश्रा भी उपस्थित रहे। समर कैंप के आयोजन में क्रीड़ा भारती चतरा का विशेष सहयोग रहा।

जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष बबलू गुप्ता उर्फ संदीप गुप्ता ने कहा कि खेल को प्रोत्साहित करने में क्रीड़ा भारती की भूमिका सदैव अग्रणी रहेगी।

तीन दिवसीय इस समर कैंप में बच्चों को आत्मरक्षा के विविध तकनीकी कौशल सिखाए जा रहे हैं। मुख्य प्रशिक्षक विकास कुमार केशरी के नेतृत्व में सूरज कुमार, सुनीता कुमारी एवं देवानंद कुमार ने प्रतिभागियों को ताइक्वांडो के नए दांव-पेंच सिखाए। वहीं सहयोगी प्रशिक्षकों में जुगल कुमार और पीयूष कुमार ने प्रशिक्षण सत्र को सफल बनाने में योगदान दिया।

मंच संचालन राष्ट्रीय निर्णायक सूर्यप्रकाश सिन्हा ने किया। उन्होंने जानकारी दी कि कैंप में प्रतिभागी बच्चों को आत्मरक्षा के लिए विशेष तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उनमें आत्मविश्वास का विकास हो। संघ के संरक्षक मुकेश साह ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर से बालक–बालिकाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना विकसित होती है।

कार्यक्रम के अंत में जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव विकास कुमार केशरी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अवश्य दिलाएं, जिससे वे सशक्त और निडर बन सकें।

187 बच्चों ने ग्रहण किया पहला परम प्रसाद संस्कार

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड अंतर्गत संत जोसेफ चर्च में रविवार को भव्य समारोह के साथ 187 बच्चों का पहला परम प्रसाद संस्कार आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर सफेद वस्त्रों में सजे बच्चों ने हाथों में मोमबत्तियाँ लेकर प्रभु यीशु की महिमा में शोभायात्रा निकाली। चर्च में उनका स्वागत किया गया, जिसके पश्चात मुख्य अनुष्ठानकर्ता कत्ता दिलीप एक्का ने विशेष मिस्सा पूजा संपन्न कराई।

फादर ने अपने संदेश में परम प्रसाद संस्कार की पवित्रता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे पवित्र आत्मा का वरदान मिलता है और बच्चों को धार्मिक व नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को अच्छे संस्कार देने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रचारक आनंद टोप्पो के नेतृत्व में बच्चों को आत्मिक व नैतिक रूप से तैयार करने में सराहनीय योगदान रहा। सिस्टरों द्वारा बच्चों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान कोयल दल की महिलाओं ने मसीही भजन प्रस्तुत किए। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम व नृत्य के साथ मसीही समुदाय के लोगों ने बच्चों को आशीर्वाद व शुभकामनाएं दीं। मौके पर पल्ली के बड़े फादर सुरेश किड़ो, पतरस तिर्की, अरुण मिंज, विक्रम मिंज, सिस्टर स्वाति, धर्म बहनें, कैथोलिक सभा और महिला संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

वीपीआर कंपनी द्वारा मजदूरों को हटाने के नोटिस का विरोध

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। चमातू ग्राम के बरगद पेड़ के पास रविवार को भू-रैयतों और विस्थापितों की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता चेतलाल रामदास ने की। मगध सीसीएल फेस-3 विस्तारीकरण में वीपीआर आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा 280 मजदूरों को हटाने के नोटिस पर रैयतों ने कड़ा विरोध जताया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पूर्व में कंपनी ने रोजगार देने के वादे किए थे, जिनका अब उल्लंघन हो रहा है। कंपनी के जीएम श्रीनिवासन रेड्डी ने बताया कि चमातू माइंस में खनन कार्य बंद है, इसलिए वहां कार्यरत लोगों को हटाया जा रहा है। अब खनन आरा गांव में हो रहा है, जहां के लोग रोजगार की मांग कर रहे हैं।

विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी का पथ संचलन

लातेहार। रविवार को विश्व हिंदू परिषद की दुर्गा वाहिनी द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे शौर्य प्रशिक्षण के समापन पर भव्य पथ संचलन निकाला गया। हजारों की संख्या में दुर्गा वाहिनी की बहनों ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए करतब दिखाए। शहर भ्रमण के बाद संचलन विद्यालय परिसर में समाप्त हुआ। कार्यक्रम में अधिवक्ता राजीव रंजन पांडेय ने कहा कि इसका उद्देश्य विश्व को शांति का संदेश देना है। मौके पर विहिप संरक्षक रामनाथ अग्रवाल, अध्यक्ष श्याम किशोर अग्रवाल, जिला मंत्री संजय तिवारी, नितेश यादव, आचार्य सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खरवार समाज की बैठक, सफल छात्रों को किया जाएगा सम्मानित

लातेहार। मनिका प्रखंड के सिंजो पंचायत सचिवालय में रविवार को खरवार लोक सेवक संघ की केंद्रीय समिति के तत्वावधान में बैठक आयोजित की गई। इसमें अखिल झारखंड खरवार आदिवासी विकास परिषद और खरवार आदिवासी एकता संघ भी शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि मैट्रिक और इंटर परीक्षा 2025 में सफल खरवार छात्र-छात्राओं को आगामी 15 जून को सम्मानित किया जाएगा। प्रखंड अध्यक्ष सहायक सिंह ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देना समाज की प्राथमिकता है। बैठक में गढ़वा, गुमला, रांची, पलामू समेत अन्य जिलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए लातेहार के कुमार सूर्याकृत का चयन

लातेहार। झारखंड राज्य अंडर-15 कुश्ती प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल में लातेहार जिले के कुमार सूर्याकृत ने 62 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का आयोजन मोरहाबादी स्थित कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र, रांची में किया गया। लातेहार जिला कुश्ती संघ के महासचिव मुन्ना कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर चुने गए 20 बालक और 10 बालिकाएं आगामी 20 से 22 जून तक महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित अंडर-15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। उद्घाटन झारखंड राज्य कुश्ती संघ के महासचिव रजनीश कुमार ने किया। प्रतियोगिता झारखंड सरकार के खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय और राज्य कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई।

उपायुक्त कीर्तिश्री ने माता भद्रकाली मंदिर में की पूजा-अर्चना

नवीन मेल संवाददाता

इटखोरी (चतरा)। उपायुक्त कीर्तिश्री रविवार को प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माता भद्रकाली मंदिर पहुंचीं और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने परिसर स्थित सहस्त्र शिवलिंग, कोटेश्वर नाथ, राम जानकी मंदिर और पंचमुखी हनुमान मंदिर में भी पूजा कर आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात उन्होंने जैन मंदिर में भी माथा टेका। पूजा के बाद मंदिर समिति की ओर से उपायुक्त को माता भद्रकाली की स्मृति चिह्न भेंट की गई। इस अवसर पर डीडीसी अमरेंद्र कुमार सिन्हा, खेल पदाधिकारी तुषार राय, बीडीओ सोमनाथ बंकिरा, भाजपा जिला महामंत्री डॉ. मृत्युंजय सिंह, दिलबाग सिंह, सुरेंद्र सिंह, नागेश्वर यादव व दीपक गिरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त ने इटखोरी सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

कोरोना की संभावित स्थिति को देखते हुए तैयारियां तेज करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

इटखोरी (चतरा)। उपायुक्त कीर्तिश्री ने रविवार को इटखोरी प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुमित कुमार जयसवाल से स्वास्थ्य सेवाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों की ड्यूटी रोस्टर, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता, ओपीडी व्यवस्था, प्रसव कक्ष, चिकित्सक कक्ष, उपकरणों की कार्यशीलता, एएनएम की संख्या, भवन एवं एक्स-रे मशीन की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया।

उपायुक्त ने प्रतिनियुक्त मानव बल का प्रभावी उपयोग और रोस्टर के अनुसार ड्यूटी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही रात्रि ड्यूटी में भी लापरवाही न बरतने का निर्देश दिया। इस दौरान सीएचसी में 30 बेड की क्षमता में 7 मरीज भर्ती पाए गए। उपायुक्त ने कोरोना संक्रमण की संभावित लहर को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करने और जरूरतों का प्रस्ताव बनाकर शीघ्र प्रस्तुत करने को कहा ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएँ मिल सकें। निरीक्षण के दौरान उपविकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, बीडीओ, जिला खेल पदाधिकारी तुषार रॉय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

लोहरदगा नगर परिषद की लापरवाही, डेढ़ वर्षों से खराब स्ट्रीट लाइट नहीं हुई दुरुस्त

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा नगर परिषद की निष्क्रियता का एक और उदाहरण शहर के शास्त्री नगर ढोंढा टोली, वार्ड संख्या 3 में देखने को मिल रहा है, जहां पिछले डेढ़ वर्षों से एक स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी है, लेकिन आज तक उसे ठीक नहीं किया गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस समस्या की जानकारी नगर परिषद के कर्मियों को कई बार मौखिक रूप से दी गई, लेकिन हर बार वे केवल निरीक्षण कर लौट गए, और मरम्मत के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में स्थानीय लोगों को अंधेरे में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। जनता का सवाल है कि जब स्ट्रीट लाइट के रखरखाव और मरम्मत के लिए नगर परिषद हर साल लाखों रुपये खर्च करती है, तो फिर जमीनी स्तर पर काम क्यों नहीं दिख रहा? यह स्थिति साफ तौर पर जनता के पैसे की बर्बादी और नगर परिषद की उदासीनता को दर्शाती है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि पहले जो स्ट्रीट लाइटें और खंभे लगाए गए थे, वे घटिया क्वालिटी के थे, जो तीन से चार महीने के भीतर ही खराब हो गए। आज स्थिति यह है कि अधिकांश स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं और जो कुछ जल भी रही हैं, वे नगर परिषद की भ्रष्ट कार्यप्रणाली की गवाही दे रही हैं। गौरतलब है कि लोहरदगा नगर क्षेत्र में चोरी और लूटपाट की घटनाएं आम होती जा रही हैं, और अंधेरे में डूबे मोहल्ले इन वारदातों को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे में स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधा की अनदेखी नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइट मरम्मत की जाए और पूरे नगर क्षेत्र में लाइट व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। जनता अब यह सवाल पूछ रही है कि आखिर कब तक "प्रशासन मस्त और जनता त्रस्त" की स्थिति बनी रहेगी?

विद्युत ऊर्जा चोरी मामले में छः नामजद के विरुद्ध केस दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। विद्युत ऊर्जा चोरी मामले में बिजली विभाग के कर्मियों द्वारा रविवार को सेन्हा थाना क्षेत्र के चंदकोपा, आराहंसा और गोबरसेला में छापेमारी अभियान चलाया गया। वही छापेमारी के दौरान सेन्हा थाना में छः नामजद के विरुद्ध विद्युत ऊर्जा चोरी करने तथा राजस्व क्षति करने का आरोप लगाते हुए सेन्हा थाना कांड संख्या 61/25 दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध सनहा दर्ज कराया गया। गौरतलब हो सेन्हा थाना क्षेत्र में सहायक विद्युत अभियंता के नेतृत्व में टीम गठित कर रविवार को विद्युत ऊर्जा चोलरी मामले में छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी अभियान के क्रम में छः लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया। जिस पर विभागीय कारवाई करते हुए सभी का अवैध बिजली कनेक्शन को काट कर तार को जब्ती करते हुए छः लोगों के विरुद्ध सेन्हा थाना में कांड संख्या 61/25 दर्ज कराते हुए विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135/137 के तहत चंदकोपा निवासी सुरेश प्रसाद साहु का 44 वर्षीय पुत्र अमित साहु,लोरेस राम का 40 वर्षीय पुत्र यदुश्याम राम, स्व. चंद्रा उरांव का 52 वर्षीय पुत्र अंगनु उरांव, स्व.महाबीर मुंडा का 42 वर्षीय पुत्र शिवचरण मुंडा, स्व.बुधवा उरांव का 40 वर्षीय पुत्र नगेश्वर बखला और जलेश्वर उरांव की 34 वर्षीय पत्नी चन्द्रमुनी उराइन सभी छः नामदज लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया गया। विद्युत ऊर्जा चोरी का लिखित शिकायत करते हुए सहायक विद्युत अभियंता अजू कच्छप ने बताया कि बकाया राशि अधिक होने के कारण विभाग की ओर से पूर्व में कनेक्शन काट दिया गया था। जिसके बावजूद लोग टोका लगा कर विद्युत ऊर्जा चोरी कर उपयोग कर रहे थे। जिसे सभी लोगों पर विद्युत ऊर्जा चोरी का आरोप लगते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया गया। साथ ही आरोपियों पर बकाया के साथ विद्युत क्षतिपूर्ति का जुर्माना लगाया गया है। छापेमारी के दौरान मुख्य रूप से सहायक विद्युत अभियंता अजू कच्छप, सारणी पुरुष फिरोज अख्तर, मानव दिवस कर्मी प्रमोद उराँव, करमचंद उराँव, विकास गोप के अलावे अन्य बिजली कर्मी शामिल थे।

युवा कांग्रेस नेता ने किया मृतक के आश्रितों की मदद

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। रविवार को भंडरा प्रखंड के ग्राम धोबाली निवासी रूपइ उरांव पिता स्वर्गीय जवा उरांव,उम्र 15 वर्ष का सुबह 4 बजे फांसी के फंदे से लटका शव बरामद हुआ। जिसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों ने भंडरा थाना को दी तत्पश्चात शव को सदर अस्पताल लोहरदगा लाया गया। जिसकी सूचना पाकर लोहरदगा युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विशाल डुंगडुंग ने सदर अस्पताल लोहरदगा पहुंच मामले की जानकारी ली एवं शव का पोस्टमार्टम करवाया एवं परिवारजनों से मिलकर ढांढस बंधाया एवं फ़ोन पर सीओ भंडरा से बात कर आश्रितों को राशन मुहैया कराने की बात कही और कहा इस दुख की घड़ी में हम दुःखित परिवार के साथ हैं और उन्हें हर संभव मदद करेंगे। मौके पर युवा उपाध्यक्ष असलम अंसारी, गुलशन उरांव, अंजली उरांव, कृष्णा उरांव आदि उपस्थित थे।

बकरीद का त्यौहार शांतिपूर्ण मनाए जाने पर सभी का आभार : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद ने ईद-उल-अजहा/बकरीद को लोहरदगा जिला में शांतिपूर्ण मनाये जाने पर सभी प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सद्भावना मंच के सदस्य, शांति समिति के जिला स्तरीय व प्रखंड स्तरीय सदस्यों, मीडियाकर्मियों, समाज के प्रबुद्धजनों, बुद्धिजीवी मंच, आमजनों व सभी समुदाय के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि लोहरदगा जिला में बकरीद का त्यौहार बहुत ही शांतिपूर्ण, प्रेम और आपसी सद्भाव के साथ मनाया गया। यही समरसता है। लोहरदगा जिला हमेशा से लोगों के बीच आपसी प्रेमभाव के लिए जाना जाता रहा है। जिला प्रशासन को पूर्ण भरोसा है कि

उपायुक्त डॉ ताराचंद ने प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी, मीडिया व आमजनों का जताया आभार

आगामी त्यौहारों में भी आप सभी इसी तरह का सहयोग देते रहेंगे। जिला के प्रशासनिक पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों का धन्यवाद है जिनकी बदौलत असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सकी। सभी महत्वपूर्ण चौक-चौराहों पर दण्डाधिकारी व पुलिस बल तैनात किए गए और सभी की सतर्कता की वजह से ही किसी प्रकार की अनहोनी पर नजर रखी जा सकी। सभी ने बेहतर कार्य किया। लोहरदगा जिला के गांव-गांव में सद्भवना मंच गठित की गई है जिनके द्वारा समय-समय पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। आप सभी उसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें। युवा साथियों के हाथों में लोहरदगा जिला का भविष्य है। आप सभी एक दूसरे से प्रेम-भाव रखें और एक दूसरे के सुख-दुःख को आपस मे साझा करें। मीडियाकर्मियों ने हमेशा से सतत प्रहरी का कार्य किया है। समाज को सचेत करने में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इसके लिए प्रेस के मित्रों का विशेष धन्यवाद है। जन प्रतिनिधिगण हमेशा से आमजनों के बीच उनके सुख-दुःख में सहभागी रहे हैं जिसका लाभ समाज को हमेशा मिलता रहा है। इसके लिए सांसद, विधायक, जिला परिषद अध्यक्ष, जिला परिषद सदस्यों, प्रमुख, मुखिया, वार्ड सदस्यों, नगर पंचायत के जनप्रतिनिधि का विशेष धन्यवाद है। शांति समिति के सदस्य प्रत्येक बार प्रखंड व जिला स्तर पर आयोजित होने वाले बैठकों में जिला प्रशासन का प्रमुख हिस्सा रहे हैं। शांति समिति के सदस्यों का विशेष धन्यवाद है जिन्होंने असामाजिक तत्वों के अफवाहों को रोकने में और सामाजिक सद्भाव व शान्ति बनाये रखने में जिला प्रशासन की मदद की। समाज के प्रबुद्धजन व आमजन का विशेष आभार है जिनकी बदौलत समाज की समरसता बनी रही। एक बार फिर से लोहरदगा जिलावासियों ने बता दिया कि इस जिला में आपसी साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव के कारण गंगा-जमुनी तहजीब अब भी कायम है।

सेवा भारती ने 156वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 48 लोगों ने कराई जांच

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सेवा भारती लोहरदगा के तत्वावधान में चुन्नीलाल उच्च विद्यालय परिसर में रविवार सुबह 7:30 बजे से 156वां साप्ताहिक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, डॉ. कुमुद अग्रवाल, उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, सहसचिव संजय चौधरी एवं अनामिका भारती ने संयुक्त रूप से भारत माता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण कर किया। शिविर में कुल 48 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और लाभान्वित हुए। शिविर में हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, ब्लड ग्रुप, शुगर, बीपी, वजन, हार्ट बीट, ऑक्सीजन लेवल आदि की निःशुल्क जांच की गई। साथ ही अन्य सभी प्रकार की पैथोलॉजी जांचों की सुविधा आधे खर्च में उपलब्ध कराई गई। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने जानकारी दी कि अब तक इस शिविर से 7580 लोग लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही चर्म रोग, हड्डी-नस, नेत्र चिकित्सा एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ एक विशेष वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। डॉ. कुमुद अग्रवाल ने वर्तमान में फिर से बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोग गर्म पानी पिएं, ठंडे पानी और बाहर निकलने से बचें, तथा खांसी, बुखार और गले में खराश होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, संजय चौधरी और अनामिका भारती ने बताया कि यह शिविर हर रविवार सुबह एक घंटे के लिए नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, और लोग यहां आकर अपनी स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कराकर डॉक्टरों की सलाह लेते हैं। शिविर में शामिल प्रमुख लोगों में सुबोध प्रसाद महतो, अतुल सर्राफ, नीलम कुमारी, करुणा चौधरी, रैमुन्नी देवी, संध्या देवी, केशव महतो, प्रदीप साहू, मीना देवी, सीता देवी, सोनिया पोद्दार, गीता टोप्पो, रामू राम, राधे देवी, रुपेश चौधरी, उमाशंकर साहू, अशोक अग्रवाल, रमेश महतो, सुनीता देवी, नवनीत गौड़, शुभम कुमार उपस्थित थे।

लोहरदगा में कोरोना के नए वेरिएंट के लिए स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई तैयारियां

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। कोरोना के नए वेरिएंट से लड़ने के लिए लोहरदगा जिले का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार है। इसको लेकर सदर अस्पताल में जहां 10 बेड तैयार किए गए हैं वहीं जिले के चारों सीएचसी में छह-छह बेड की व्यवस्था की गई है। सिविल सर्जन डॉक्टर शंभू नाथ चौधरी का कहना है कि कोरोना के नए वेरिएंट से लड़ने के लिए जिले का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार है। सदर अस्पताल में मरीजों के आइसोलेशन के लिए 10 बेड का वार्ड तैयार हैं। वहीं जिले के सभी चार सीएचसी में छहछह बेड तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में विषम परिस्थिति से निपटने की पूरी तैयारी है। जिले में समुचित मात्रा में आक्सीजन सिलेंडर और दवाओं का स्टॉक मौजूद है। उनका कहना है कि विभाग के गाइडलाइन के अनुसार हमें मरीजों को उनके घरों में ही आइसोलेट करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि कोरोना के नए वैरियेंट से डरने की जरूरत नहीं है। बस सतर्क रहने की जरूरत है। यह वैरियेंट खतरनाक नहीं है। इसलिए पैनिक होने की जरूरत नहीं है। बस कोरोना गाइडलाइन के नियमों के पालन की आवश्यकता है।

पिता व पुत्री ने लोहरदगा सहित झारखंड राज्य का बढ़ाया मान

श्रवण बने सिलंबम के नेशनल कोच सह रेफरी, ऐश्वर्या बनीं नेशनल मास्टर

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा के बीआईडी निवासी श्रवण साहु और उसकी पुत्री ऐश्वर्या साहू ने राष्ट्रीय स्तर पर न सिर्फ लोहरदगा, बल्कि झारखंड राज्य का भी मान बढ़ाया है। ज्ञात हो कि ऑल इंडिया सिलंबम फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में विगत 29 मई से 02 जून तक कन्याकुमारी के सी.एस.आई. ऑडिटोरियम कन्याकुमारी, तमिलनाडु में सी सिलंबम मास्टर ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया था। जिसमें लोहरदगा जिला से लोहरदगा जिला सिलंबम एसोसिएशन के सचिव सह झारखंड सिलंबम एसोसिएशन के सह सचिव श्रवण साहू एवं उसकी पुत्री ऐश्वर्या साहू दोनों ने हिस्सा लिया। ट्रेनिंग ग्रेंडमास्टर सिलवा राज एवं उनके सहयोगी प्रशिक्षकों के द्वारा बेसिक से एडवांस मास्टर लेबल का प्रशिक्षण दिया गया और परीक्षा लिया गया। जिसमें दोनों पिता-पुत्री को मास्टर की उपाधि से नवाजा गया। इसके पश्चात 2 जून को रेफरी सेमिनार एवं एग्जाम का आयोजन किया गया, जिसमें श्रवण साहू के अलावा झारखण्ड के तीन और झारखण्ड सिलंबम एसोसिएशन के सचिव विनीत कुमार यादव, कोषाध्यक्ष प्रकाश रविदास और दिव्या कुमारी ने हिस्सा लिया था। जिसमें लिखित मौखिक एवं प्रैक्टिकल एग्जाम लिया गया। जिसमें श्रवण साहू सर्वाधिक अंक से रेफरी के लिए उतीर्ण हुए। इस तरह से झारखंड सिलंबम के कुल चार अधिकारिक रेफरी बने। उल्लेखनीय है कि सिलंबम एक प्राचीन मार्शल आर्ट है, जो 5000 साल पहले से प्रचलित है तथा अभी विश्व के 22 देशों जिनमें श्रीलंका, वियतनाम, यू.एस.ए., इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैड आदि देशों में खेला जाता है और साथ ही साथ भारत में मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्टस भारत सरकार के द्वारा मान्यता प्राप्त खेल है। साथ ही स्पोर्टस अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) तथा खेलो इंडिया से भी मान्यता प्राप्त है। ज्ञात हो कि यह खेल तो सभी खेलते हैं। रामनवमी और मुहर्रम में उसी को सिस्टमैटिक तरीका से अगर खेला जाए, तो सिलंबम में मैडल निकलना और अपने भविष्य को बनाना बहुत ही आसान है। श्रवण साहू के इस उपलब्धि पर लोहरदगा जिला सिलंबम एसोसिएशन के संरक्षिका सुष्मा सिंह अध्यक्ष लखन राम, उपाध्यक्ष कयूम खान, कोषाध्यक्ष दसई उरांव एवं जिला के सभी खेल प्रेमियों ने हार्दिक बधाई दी है।

निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए जागरूकता अभियान 10 से

लोहरदगा। निषिद्ध पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने व इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु 10 जून से 26 जून तक लोहरदगा जिला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने एवं इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु 12 जून को सदर प्रखंड लोहरदगा, 13 जून को भंडरा, 14 जून को कुडू, 16 जून को कैरो, 17 जून को सेन्हा,18 जून को पेशरार और 19 जून को किस्को प्रखंड में कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर नशा के विरुद्ध जागरूकता हेतु चौपाल का भी आयोजन किया जाएगा। सभी प्रखंडों में कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 06 जून को प्रशिक्षण दे दिया गया है।

किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भंडरा। भंडरा थाना क्षेत्र के भीठा पंचायत अंतर्गत धोबाली गांव निवासी किशोरी ने अपने घर के पास ईमली पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। किशोरी की बहन ने पुलिस को बताया की वह रात में खाना खाकर सो गई थी।सुबह में जब देखा गया तो वह फांसी में लटकी हुई थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया। किशोरी अपनी बड़ी बहन एवं छोटे भाई के साथ रहती थी। किशोरी के माता-पिता की मृत्यु पहले ही हो चुकी है। किशोरी की आत्महत्या के मामले पर ग्रामीण ने शंका जाहिर की है की हो सकता है यह मामला प्रेम प्रसंग का हो।

मजदूर नेता बताकर ठगने वालों से सावधान रहें : धीरज साहू

पाखर-रिचुघूटा ट्रक ओनर एसोसिएशन का इंटक में हुआ विलय, नई कमेटी गठित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पाखर से रिचूघूटा तक बॉक्साइट परिवहन से जुड़े ट्रक मालिकों की संस्था आदर्श मोटर सहयोग समिति लिमिटेड किस्को का औपचारिक रूप से विलय छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन (इंटक) में कर दिया गया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से एक नई ट्रक ओनर एसोसिएशन का गठन किया गया, जिसमें जफर इमाम को अध्यक्ष, सूर्यकांत प्रसाद, शानिचरवा किसान को उपाध्यक्ष, वीर कुंवर सिंह कोषाध्यक्ष, हनान अंसारी सचिव, रियाजुद्दीन अंसारी सहसचिव और खुदी मांझी सहित 21 कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया। इसके पश्चात सभी ट्रक मालिकों और नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पूर्व राज्यसभा सांसद एवं इंटक महासचिव धीरज प्रसाद साहू से थाना रोड स्थित आवास पर मुलाकात की। सभी पदाधिकारियों को श्री साहू ने पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण कर सम्मानित किया तथा नई टीम को शुभकामनाएं दीं। सभा को संबोधित करते हुए श्री साहू ने कहा, "अब समय है एकजुट होकर ट्रक मालिकों के अधिकारों की रक्षा करने का। जो कुछ भी भूतकाल में हुआ उसे भुलाकर नई कमेटी को एक नई ऊर्जा के साथ कार्य करना चाहिए। मैं हमेशा ट्रक मालिकों के हित में तत्पर रहा हूं और आगे भी तन-मन-धन से आपके साथ खड़ा रहूंगा।" उन्होंने साथ ही यह भी चेताया कि कुछ लोग खुद को "मजदूर नेता" बताकर ट्रक मालिकों को भ्रमित कर ठगी कर रहे हैं, ऐसे लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है।श्री साहू ने यह भी घोषणा की कि वे दक्षिण छोटानागपुर के सभी क्षेत्रों का दौरा कर इंटक संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे। लोहरदगा-गुमला ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह ने कहा कि आज सभी माइंस से जुड़े एसोसिएशन एकजुट हो गए हैं और धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में ही ट्रक मालिकों को अब तक न्याय मिलता आया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नई समिति को ज़रूरत पड़ने पर उनका संगठन पूरा सहयोग देगा। विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और भरोसा दिलाया कि जहां भी जरूरत होगी, वे साथ खड़े रहेंगे। सभा को इकरामुल अंसारी, शोहराब अंसारी, रहमान अंसारी ने भी संबोधित किया और नई कमेटी को समर्थन दिया। बैठक में हाजी जबारुल अंसारी, निश्चय वर्मा, हातिम अंसारी, रौनक इकबाल, यूनुस अंसारी सहित सैकड़ों की संख्या में ट्रक मालिक उपस्थित रहे।

बड़ी गाड़ियों के परिचालन पर रोक, ट्रक मालिक एसोसिएशनों ने दी चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा, गुमला और लातेहार जिलों में बॉक्साइट के परिवहन में बड़ी गाड़ियों (हाई-कैपेसिटी ट्रकों) के उपयोग पर ट्रक मालिक संगठनों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस संबंध में लोहरदगा-गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन, झारखंड पठारी चंदवा बॉक्साइट ट्रक ऑनर एसोसिएशन, झारखंड ट्रक ऑनर एसोसिएशन (विमरला), पाखर ट्रक ऑनर एसोसिएशन सहित अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल आंध्र प्रदेश की कंपनी एनएफएस के कार्यालय पहुँचा। प्रतिनिधियों ने कंपनी के डायरेक्टर एस. सिद्धार्थ से मुलाकात कर स्पष्ट आपत्ति दर्ज कराई कि जब क्षेत्र में केवल छह चक्का ट्रकों से ही बॉक्साइट का परिवहन किया जा रहा है, तो कंपनी द्वारा छत्तीसगढ़ से बड़ी गाड़ियों से माल क्यों मंगवाया गया। इस पर कंपनी के डायरेक्टर ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि बिना एसोसिएशन से परामर्श किए ऐसा निर्णय लिया गया, जो अब दोबारा नहीं होगा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि दोबारा बड़ी गाड़ियों का परिचालन किया गया तो कंपनी का सारा कार्य बंद कर दिया जाएगा।प्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र में लगभग 2000 छोटे ट्रक बॉक्साइट ढुलाई में लगे हैं, जिनसे लाखों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। किसी भी सूरत में बड़ी गाड़ियों से ढुलाई की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस विषय में एसोसिएशन ने पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू को भी अवगत कराया है, जिन्होंने सुझाव दिया है कि जिला प्रशासन को लिखित में सूचित किया जाए। एसोसिएशन ने कहा कि परसों जिला प्रशासन को सभी तथ्यों के साथ आवेदन सौंपा जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में लोहरदगा-गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, सचिव अभय सिंह, रहमत अंसारी, शशि वर्मा, शकील अंसारी, इनामुल अंसारी, राजेश शर्मा, संजीव शर्मा, तारकेश्वर महतो, विजय साहू, मोहम्मद बबलू, मोहम्मद गुड्डू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। साथ ही पठारी चंदवा एसोसिएशन से मुद्रिका यादव, प्रदीप कुमार, विमरला से शशिकांत दास, संजय साहू, पाखर से इरशाद खान, दिलीप वर्मा, और अन्य प्रमुख सदस्य भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे।

खीस्त राजा बासा चर्च, बांकी में 205 बच्चों को दिया दृढ़ीकरण संस्कार

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के खीस्त राजा बासा चर्च, बांकी में रविवार को भव्य दृढ़ीकरण संस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर 205 बच्चों-बच्चियों ने विधिवत रूप से दृढ़ीकरण संस्कार प्राप्त किया। यह संस्कार लचरागढ़ भिखरियेट के डीन फादर राजेश केरकेट्टा द्वारा संपन्न कराया गया। फादर राजेश केरकेट्टा ने अपने संदेश में कहा कि पवित्र आत्मा हमारे हृदय में ईश्वर का प्रेम भर देता है और दृढ़ीकरण संस्कार हमें खीस्त के अदृश्य अंग के रूप में जोड़ता है। उन्होंने कहा, आज आप सभी प्रभु यीशु मसीह के पूर्ण अंग बन गए हैं। अब आपका दायित्व है कि आप ईश्वर के बताए मार्ग पर चलकर धर्म और समाज को आगे बढ़ाएं।कार्यक्रम में पल्ली पुरोहित फा. अलेक्जेंडर कुल्लू, फा. पीटर जोजो, फा. शशिभूषण कुल्लू, ब्रदर भिनसेन्ट कुल्लू, तथा प्रचारक राफेल डांग सहित बड़ी संख्या में विश्वासियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मसीही भजनों के साथ हुई, जिसमें युवक-युवतियों को जुलूस के रूप में चर्च तक लाया गया। चर्च परिसर को इस अवसर पर आकर्षक ढंग से सजाया गया था।कार्यक्रम का संचालन अपोस्टोलिक बांकी के बच्चों ने मिस्सा गीतों के माध्यम से किया। तकनीकी सहयोग में केसियो पर फ्रांसिस सर, पैड पर हर्षित कंडुलना और साउंड सिस्टम की जिम्मेदारी राजू कंडुलना ने निभाई। समारोह श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन का प्रतीक बनकर संपन्न हुआ।

सर्पदंश की दो घटनाएं, चैनपुर व घाघरा की युवतियां सदर अस्पताल में भर्ती

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के चैनपुर और घाघरा प्रखंड में रविवार को सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों पीड़ितों को प्राथमिक उपचार के बाद गुमला सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

पहली घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के मालम गांव की है। 18 वर्षीय अनुप्रिया कुजूर, जो गुमला में एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करती है, शनिवार को अपने गांव लौटी थी। दोपहर में वह गांव के तालाब में मछली पकड़ने गई थी, तभी जाल से मछली निकालते वक्त एक विषैले सांप ने उसके पैर में काट लिया। सांप उसके पैर से लिपट गया था, जिसे उसने साहस दिखाते हुए झटक कर फेंक दिया। स्थानीय चैनपुर स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई थी, लेकिन पैर में तेज जलन और बुखार बढ़ने के कारण रविवार अपराह्न उसे गुमला सदर अस्पताल लाया गया, जहां वह अब भी भर्ती है।

दूसरी घटना घाघरा प्रखंड के तारा गुट्टू गम्हरिया गांव की है। 19 वर्षीय सीतामुनी देवी रविवार की सुबह शौच के लिए खेत की ओर जा रही थी, तभी उसके पैर के नीचे एक सांप आ गया। सांप ने उसके पैर में डंस मार दिया और लिपट गया। झटका देने पर भी सांप पैर से नहीं छूटा, लेकिन बाद में वह खुद को किसी तरह सांप से छुड़ाने में सफल रही।

स्थानीय लोगों की मदद से उसे भी सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है।

खूंटियारी जंगल में महेश उरांव को कोबरा के डसने से हालत गंभीर, भर्ती

गुमला। गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत खूंटियारी जंगल में कोबरा सांप के डसने से गोढ़ी टोली निवासी महेश उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शनिवार देर शाम की है। घायल अवस्था में परिजनों ने पहले उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायडीह पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर उसे गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश उरांव, सनया कोना गांव से एक जोड़ा बैल लेकर अपने खेत में हल चलाने गया था। खेत में काम खत्म करने के बाद जब वह बैल को गांव छोड़कर वापस लौट रहा था, तभी खूंटियारी जंगल में एक जहरीले कोबरा सांप ने उसे पैर में डस लिया। सर्पदंश के कुछ ही देर बाद महेश का पैर फूलने लगा और शरीर में तेज लहर व जलन महसूस होने लगी। हालात को भांपते हुए महेश ने तुरंत गमछा से अपने पैर को बांधा और किसी तरह घर पहुंचा। घर पहुंचते ही उसने परिजनों को पूरी जानकारी दी, जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। फिलहाल महेश की हालत गंभीर बनी हुई है और सदर अस्पताल में उसका इलाज जारी है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल में सांपों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता जताई है और जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

सर्पदंश की घटनाओं से दहशत — इन घटनाओं के बाद ग्रामीणों में सांपों के बढ़ते खतरे को लेकर दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सर्पदंश की रोकथाम और एंटी-स्नेक वेनम की पर्याप्त व्यवस्था की मांग की है।

ट्रांसफार्मर में करंट लगने से 19 वर्षीय युवक गंभीर रूप से झुलसा, सदर अस्पताल में भर्ती

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के सिसई प्रखंड अंतर्गत पूसो थाना क्षेत्र के सरना टोली गांव में ट्रांसफार्मर में करंट लगने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान 19 वर्षीय सूरज उरांव के रूप में हुई है। शनिवार की देर रात करीब 11 बजे उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार की रात पूरे गांव में बिजली गुल थी। गांव के ट्रांसफार्मर का फ्यूज उड़ गया था, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित थी। गांव में बिजली बहाल करने के प्रयास में सूरज अपने एक दोस्त के साथ ट्रांसफार्मर के पास पहुंचा। पहले उसने स्विच को डाउन किया और फिर ट्रांसफार्मर पर चढ़ गया। इसके बाद वह तार जोड़ने का प्रयास कर रहा था कि अचानक उसे 11 हजार वोल्ट का बिजली का झटका लग गया। तेज झटका लगते ही सूरज ट्रांसफार्मर से नीचे गिर गया और मौके पर ही बेहोश हो गया।

परिजनों व ग्रामीणों ने तत्काल उसे उठाकर गुमला सदर अस्पताल पहुंचाया। घटना में सूरज के दोनों हाथ, पैर और पेट बुरी तरह झुलस गए हैं। घायल सूरज ने बताया कि वह बिना किसी सुरक्षा उपकरण के खुले हाथों से ही बिजली के तार जोड़ रहा था।

इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की है कि ट्रांसफार्मर व बिजली संबंधी मरम्मत कार्यों के लिए जिम्मेदार कर्मियों की व्यवस्था की जाए ताकि आम लोगों की जान खतरे में न पड़े।

भरनो बाजार टांड़ का चापाकल एक साल से खराब

भीषण गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे दुकानदार व ग्रामीण

- **कंट्रोल रूम के बावजूद नहीं हो रही ठोस कार्रवाई**

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड मुख्यालय के दक्षिणी भरनो पंचायत स्थित भरनो बस्ती बाजार टांड़ में स्थित एकमात्र चापाकल बीते एक वर्ष से खराब पड़ा है, जिससे बाजार में आने वाले सैकड़ों लोग और दुकानदार पेयजल की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। गर्मी का प्रकोप चरम पर है और ऐसे में पानी की उपलब्धता सबसे बड़ी जरूरत बन गई है, लेकिन बाजार टांड़ में सोलर आधारित जलमीनार होने के बावजूद बादल और वर्षा के कारण पर्याप्त सौर ऊर्जा नहीं मिलने से पानी स्टोर नहीं हो पा रहा है। इस कारण बाजार में आने वाले ग्राहकों और दुकानदारों को पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। उपायुक्त गुमला के निर्देश पर प्रखंड में पेयजल संकट दूर करने हेतु कंट्रोल रूम का गठन किया गया था और खराब चापाकलों की मरम्मती के लिए मोबाइल नंबर जारी कर सूचना देने की व्यवस्था भी की गई। इसके तहत कुछ गांवों में मरम्मत कार्य कर चापाकलों को चालू तो किया गया है, लेकिन मरम्मत सिर्फ उन्हीं चापाकलों की की गई जिनमें मामूली खराबी थी। बाजार टांड़ का चापाकल लंबे समय से पाइप संबंधी खराबी के कारण बंद पड़ा है, जिसे अब तक नजरअंदाज किया गया है। स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द चापाकल की मरम्मत की मांग की है, ताकि भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से राहत मिल सके। बाजार आने वाले लोग बताते हैं कि पानी के लिए उन्हें काफी दूर तक जाना पड़ता है, जिससे कारोबार और दैनिक जीवन दोनों प्रभावित हो रहा है। लोगों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि स्थायी समाधान के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई की जाए, न कि केवल कागजी कवायद तक सीमित रहा जाए।

लोंगा गांव में पांच पड़हा जतरा का भव्य आयोजन

22 खोड़हा दलों की सहभागिता, विधायक जिग्गा सुसारन होरो ने किया सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के लोंगा गांव में पांच पड़हा परिषद के तत्वावधान में पारंपरिक 48वां पड़हा जतरा धूमधाम से आयोजित किया गया। आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि विधायक जिग्गा सुसारन होरो शामिल हुए, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में थाना प्रभारी कंचन प्रजापति, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जॉनसन बाड़ा, पूर्व मुखिया बुद्धदेव उरांव, पंचायत समिति सदस्य राजेश्वरी उरांव सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 22 खोड़हा दलों ने पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य और वाद्य यंत्रों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी दलों को विधायक जिग्गा होरो की ओर से डेग और बर्तन सेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में प्रदीप मुंडा, महावीर मुंडा, रविंद्र उरांव, नेपाल मुंडा, शुकरा उरांव, ग्राम प्रधान बुधु पहान मुंडा, पूर्व मुखिया बुधराम उरांव सहित अनेक युवाओं की अहम भूमिका रही।

विधायक ने जतरा को बताया सांस्कृतिक धरोहर

विधायक जिग्गा सुसारन होरो ने जतरा को पूर्वजों की धरोहर और एकता का प्रतीक बताते हुए कहा, "पड़हा जतरा न केवल हमारी संस्कृति की पहचान है, बल्कि यह समाज को जोड़ने का मजबूत माध्यम भी है।" उन्होंने उपस्थित जनसमूह से नशा, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने, तथा शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। साथ ही जतरा स्थल पर मंच निर्माण की घोषणा कर लोगों को बड़ी सौगात दी।

संपूर्ण आयोजन में दिखा आदिवासी संस्कृति का रंग

कार्यक्रम की शुरुआत में आयोजन समिति ने पारंपरिक रीति-रिवाज से अतिथियों का स्वागत किया। मंच से कई वक्ताओं ने जतरा के ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस आयोजन ने एक बार फिर यह साबित किया कि आदिवासी परंपराएं आज भी जीवंत और संगठित हैं।

गुमला में 24 घंटे के भीतर पांच लोगों ने की आत्महत्या की कोशिश, सभी को मिला इलाज

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिला में आत्महत्या की प्रवृत्ति एक बार फिर चिंता का विषय बनकर सामने आई है। बीते 24 घंटों के भीतर जिले में पांच लोगों ने अलग-अलग कारणों से जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। गनीमत रही कि समय रहते सभी को अस्पताल पहुंचा दिया गया और इलाज के बाद शनिवार देर शाम सभी को छुट्टी दे दी गई।

पहली घटना पालकोट थाना क्षेत्र के रेंगोला गांव की है, जहां 45 वर्षीय बिरसू सिंह ने पारिवारिक तनाव के चलते कीटनाशक पी लिया। वहीं, हंस दोन गांव के 60 वर्षीय सीताराम गोप ने भी घरेलू विवाद में सब्जी में डालने वाला कीटनाशक सेवन कर लिया। दोनों को सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के बाद हालत में सुधार हुआ। तीसरी घटना गढ़ सरू गांव की है, जहां 15 वर्षीय एक किशोरी ने परिजनों की डांट से आहत होकर उर्वरक खा लिया। चौथी घटना घाघरा थाना क्षेत्र के गुनिया गांव की है, जहां 22 वर्षीय दीपिका कुमारी ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, दीपिका के इस कदम के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पांचवीं और सबसे चौंकाने वाली घटना सदर थाना क्षेत्र के बृंदा गांव की है, जहां 24 वर्षीय संजीव उरांव ने कीटनाशक खाते हुए एक वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद तत्काल उसे अस्पताल लाया गया, जहां उसे बचा लिया गया। इन घटनाओं ने जिला प्रशासन और समाज दोनों के सामने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं और ग्रामीण समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता की कमी है। जरूरी है कि समय रहते काउंसलिंग और सामाजिक समर्थन प्रणाली को मजबूत किया जाए ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

गुमला थाना प्रभारी से भाजपाइयों ने की शिष्टाचार मुलाकात, नशा, चोरी व ट्रैफिक जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला थाना में नवपदस्थापित थाना प्रभारी महेन्द्र करमाली से भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण पटेल के नेतृत्व में शिष्टाचार भेंट किया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सदर थाना क्षेत्र में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, शहर में हो रही चोरी की घटनाएं, ट्रैफिक अव्यवस्था और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। थाना प्रभारी महेन्द्र करमाली ने भरोसा दिलाया कि पुलिस जनहित में हरसंभव कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि शहर की समस्याओं के निराकरण के लिए पुलिस को आमजन का सहयोग जरूरी है। जनता और पुलिस के आपसी समन्वय से ही एक स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर गुमला का निर्माण संभव है। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने भी पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि जनहित के मुद्दों पर पार्टी पूरी तरह से सजग और प्रतिबद्ध है।

बैठक में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला महामंत्री यशवंत सिंह, पूर्व अध्यक्ष सबिन्द्र कुमार सिंह, जिला कोषाध्यक्ष निर्मल गोयल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप प्रसाद, सागर उरांव, विकास कुमार सिंह, बल्केश्वर सिंह, विपिन सिंह, कौशलेंद्र जमुवार सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्कूटी-बाइक की टक्कर, कुलमुंडा के दो युवक घायल

गुमला। गुमला जिला के उर्मी चौक, रायडीह बायपास रोड पर तेज रफ्तार स्कूटी और बाइक की आमने-सामने टक्कर में कुलमुंडा निवासी दो युवक घायल हो गए। घायलों में राजू एक्का की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सदर अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से बसिया से लौट रहे थे। जैसे ही वे उर्मी चौक के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक स्कूटी बिना किसी इंडिकेटर या सिग्नल दिए अचानक डुमरडीह की ओर मुड़ गई। इससे बाइक और स्कूटी के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। स्कूटी सवार तीन युवकों को भी हल्की चोटें आई हैं। यह हादसा एक बार फिर गुमला में सड़कों पर बढ़ती लापरवाही और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी को उजागर करता है।

पालकोट के 9 पंचायतों में गूंजा 'विकसित कृषि संकल्प अभियान'

1276 किसानों ने अपनाए वैज्ञानिक खेती के गुर

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के पालकोट प्रखंड की नौ पंचायतों में आज आयोजित 'विकसित कृषि संकल्प अभियान ' ने ग्रामीण अंचल में उत्साह भर दिया। राष्ट्रीय द्वितीयक कृषि संस्थान, नामकुम–रांची के निदेशक डॉ. अभिजीत कर्ण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और आदिवासी समाज की पारंपरिक कृषि विरासत की सराहना करते हुए कहा, "लाह की खेती आदिवासी समाज के लिए सोने के समान है; वैज्ञानिक तकनीक से जुड़ते ही इसकी चमक और बढ़ सकती है।

कार्यक्रम का समन्वय कृषि विज्ञान केंद्र, गुमला एवं आत्मा गुमला ने संयुक्त रूप से किया। पंचायत प्रतिनिधि, मुखिया, प्रखंड-स्तरीय कृषि पदाधिकारी और किसान मित्रों की सक्रिय भूमिका ने इसे संवाद और सहकार्य का जीवंत मंच बना दिया। डॉ. कर्ण ने अपनी समापन टिप्पणी में कहा की पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम ही वह राह है जो आदिवासी-प्रधान गुमला को समृद्ध और आत्मनिर्भर बना सकता है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्य वक्ता डॉ. संजय कुमार (प्रधान वैज्ञानिक व प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र – गुमला) ने मोटे अनाज (मिलेट्स) और उन्नत धान की संभावनाएँ बताकर जलवायु परिवर्तन के दौर में इनकी महत्ता रेखांकित की।
- डॉ. योगेन्द्र कुमार ने उन्नत बीज किस्मों व कृषि यंत्रीकरण, डॉ. घोष ने जल संरक्षण व मृदा-स्वास्थ्य प्रबंधन, जबकि डॉ. निशा ने महिला कृषक सशक्तीकरण पर व्यावहारिक सुझाव दिए।
- 1276 किसान (महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी) ने वैज्ञानिकों से सीधा संवाद कर बीज उपचार, कीट प्रबंधन, जैविक खेती, अंतरवर्तीय फसल प्रणाली तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं पर समाधान प्राप्त किए।
- कार्यक्रम में प्रस्तुत 'विकसित कृषि संकल्प गीत' ने किसानों में नई ऊर्जा का संचार किया।

श्री सर्वेश्वरी समूह के युवाओं ने देवी मंदिर में सेवा कार्य कर बिखेरा समाज सेवा का उजाला

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। श्री सर्वेश्वरी समूह, शाखा गुमला के युवा संगठन ने सेवा और समाजहित के संकल्प के साथ सिसई प्रखंड के रेड़वा पंचायत अंतर्गत बिरकेरा गांव में पौराणिक ग्राम देवी मंदिर की सफाई कर पूजा-अर्चना के साथ सेवा कार्य का शुभारंभ किया। मंदिर प्रांगण की सफाई के पश्चात सामूहिक रूप से देवी माँ की विधिवत पूजा की गई।

इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने गांव के 40 जरूरतमंद बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री जैसे कॉपी, पेन, पेंसिल, ज्योमेट्री बॉक्स और अल्पाहार का वितरण कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया। साथ ही ग्रामीण महिलाओं को नए वस्त्र और पूजन सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन की शांभवी सौम्या ने बच्चों को विद्या के महत्व के साथ जीवन में अनुशासन, गलत संगत से बचाव और नशे से दूरी रखने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि अच्छी शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की नींव है। वहीं स्नेहा गुप्ता ने विशेष रूप से किशोरियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए दैनिक जीवन में स्वच्छ आदतों को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने ग्राम देवी पूजा के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ऐसी पूजा-पाठ से गांव में सुख, समृद्धि और मानसिक शांति का वातावरण बनता है।

इस पुनीत अवसर पर संगठन के सक्रिय सदस्य – विभा कुमारी, सलोनी गुप्ता, दीक्षा कुमारी, नीलम देवी, आकांक्षा, किरण देवी, पंकज कुमार, धर्म सागर खड़िया, आदर्श कुमार, अनिल यादव, प्रिंस कुमार, अमन गुप्ता, रोहित कुमार गुप्ता, भदेश्वर उरांव सहित अनेक युवा उपस्थित रहे।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

अपने मनोरथ पूरे होने से पहले यह रात जैसी सौगुनी लम्बी मालूम होती थी, यदि अब तुम्हारे मिल जाने पर भी यह वैसी ही लम्बी बनी रहे। - **कालिदास, विक्रमोर्वशी**

संपादकीय

डरा रहे कोविड के आंकड़े

भारत ही नहीं झारखंड भी वैश्विक स्तर पर कार्यरत है जहां दुनिया भर से लोग आ रहे हैं और केविड के आंकड़े डरा रहे हैं। कोविड की वापसी हो रही है। क्या आपको पता चला कि ऑपरेशन सिंदूर के शोर के बीच भारत में 2021 में कोविड से मौतों के आधिकारिक आंकड़े आए हैं? सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) की 2021 की रिपोर्ट ने बताया कि कोविड से वास्तविक मौतें आधिकारिक कोविड मृत्यु (3.3 लाख) से छह गुना ज्यादा थीं। सरकारें सही आंकड़ों से खौफ खाती हैं, मगर हकीकत यह है कि इन आंकड़ों के जरिए ही दुनिया को महामारी विज्ञान मिला था, जिसके बाद पूरी दुनिया ने एकसाथ महामारी की रणनीतियां बनानी शुरू कीं। तो आइए, विराजिए टाइम मशीन में, हम आपको ले चलते हैं इतिहास के उस हिस्से में, जहां आंकड़ों ने बाजार और विज्ञान को नई सूझ दी थी। यात्रीगण ध्यान दें, टाइम मशीन 14वीं सदी में है। प्लेग यानी ब्लैक डेथ का आतंक है। प्लेग यूरोप को निगल रही है। लोग शहर छोड़कर भाग रहे हैं। लूटपाट और अराजकता का आलम है। सम्राट एडवर्ड तृतीय परेशान हैं- कैसे पता चले कि कौन मरा, कौन बचा? उन्होंने चर्च ऑफ इंग्लैंड को आदेश दिया कि हर मौत का हिसाब रखा जाए। स्थानीय प्रशासन को निर्देश मिला कि मरने वालों का ब्योरा-नाम, लक्षण और कारण-लंदन भेजा जाए। यह लंदन बिल्स ऑफ मार्टिलिटी है। यह प्लेग का साप्ताहिक बुलेटिन है-21वीं सदी के कोविड डैशबोर्ड जैसा। लंदन बिल्स ऑफ मॉर्टेलिटी दुनिया का पहला व्यवस्थित स्वास्थ्य आंकड़ा संग्रह है। बिल पहले किंग व उनके सलाहकारों को दिखाए जाते हैं, फिर जनता में बांटे जाते हैं। इसका मकसद बड़ा विचित्र है। प्लेग के डर से अमीरों ने शहर छोड़ दिया है। बिल्स के जरिये किंग इन रईसों को बता रहे हैं कि महामारी ज्यादातर गरीबों को मार रही है, लिहाजा वे लौट सकते हैं। उनके आने से टैक्स मिलेगा व कारोबार चलेंगे। इतिहासकार स्टीफन ग्रीनबर्ग लिखेंगे कि 17वीं सदी तक इन बिल्स की पांच से छह हजार प्रतियां हर साल छपती व बंटती थीं।लंदन बिल्स ऑफ मॉर्टेलिटी में यह भी लिखा जाता है कि कितने लोग 'दांत निकलने' या 'उदासी' से मरे। मॉर्टेलिटी बिल्स को जुटाने का काम स्थानीय 'सर्चर्स' को देते हैं। ये महिलाएं, जो मृतकों की जांच करती हैं, कम पढ़ी-लिखी होती हैं, जिसके कारण बिल्स में गलतियां होती हैं, फिर भी, बिल्स ऑफ मॉर्टेलिटी एकमात्र आधिकारिक सूचना स्रोत है, जो अफवाहों के बीच सच का झंडा बुलंद करता है। टाइम मशीन अब 17वीं सदी में है। हम लंदन में हैं। लंदन फिर प्लेग और चेचक की चपेट में है। मगर चर्चा में हैं जॉन ग्राउंट। ग्राउंट कोई मशहूर डॉक्टर हैं? न जी न, ग्राउंट तो एक समृद्ध व्यापारी हैं, जो दर्जियों का सामान बेचते हैं। 1666 की लंदन की आग में उनकी दुकान जलकर खाक हो गई थी, अलबत्ता आंकड़ों को पढ़ने और पैटर्न बनाने में उन्हें महारत हासिल है। हम अब ग्राउंट के दफ्तर में हैं, जहां वह लंदन बिल्स ऑफ मॉर्टेलिटी पढ़ रहे हैं। उनकी किताब आई, नेचुरल एंड पॉलिटिकल ऑब्जर्वेशंस मेड अपॉन द बिल्स ऑफ मॉर्टेलिटी (1662)। ग्राउंट की किताब चार हिस्सों में छपी है, जिसमें उन्होंने लंदन की जनसंख्या, मृत्यु दर और बीमारियों के रुझान का विश्लेषण किया है। उन्होंने मृत्यु के कारणों को 80 से ज्यादा श्रेणियों में बांटा, जैसे 'प्लेग', 'बुखार',और यहां तक कि 'भय से मृत्यु।' किताब ने लंदन के बौद्धिकों में सनसनी मचा दी है, क्योंकि ग्राउंट ने न सिर्फ मौतों का विश्लेषण किया, बल्कि लंदन की जनसंख्या का पहला अनुमान भी लगाया है। इस वक्त जब टाइम मशीन लंदन में है, तो इस शहर की आबादी लगभग 3.84 लाख है।

> *ऑपरेशन सिंदूर के शोर के बीच भारत में 2021 में कोविड से मौतों के आधिकारिक आंकड़े आए हैं?*

आर्ट ऑफ पेरेंटिंग : स्मार्ट जमाना, स्मार्ट पेरेंटिंग जरूरी

आज के समय में पेरेंटिंग आसान नहीं रही। पहले के जमाने में बच्चे खुद से सीख जाते थे, परिवार में दादी-नानी का साथ होता था, मम्मी-पापा घर पर होते थे, और जीवन धीमा व सरल था। लेकिन आज दोनों पेरेंट्स वर्किंग हैं, संयुक्त परिवार का स्वरूप मिटता जा रहा है, और बच्चे स्क्रीन के साथ बड़े हो रहे हैं। ऐसे में सिर्फ खाने-पीने और स्कूल भेजने से बच्चे अच्छे नहीं बनते-उन्हें समझने, गहराई से जोड़ने और स्मार्ट तरीकों से गाइड करने की ज़रूरत है। इस लेख में मैंने15 ऐसे गहरे बिंदुओं पर चर्चा किया है, जो हर पेरेंट को न सिर्फ सोचने पर मजबूर करेंगे, बल्कि उन्हें 'स्मार्ट पैरेंट्स' बनने की ओर प्रेरित भी करेंगे, और मैंने यह सब चीज अपने बच्चों पर आजमाया है तब आज मैं यह बोल पा रही हूं।

आर्ट ऑफ पैरेंटिंग : आज के दौर में बच्चों को पालना एक तपस्या है

1. बच्चों से जुड़े रहिए — सज़ा से नहीं, समझ से जब बच्चा गलती करता है, तो हम तुरंत डांट देते हैं। लेकिन क्या कभी हम सोचते हैं कि उसके मन में क्या चल रहा था? बच्चा जानबूझकर नहीं करता — वो सीख रहा होता है।
उदाहरण के लिए: अगर बच्चा चीज तोड़ दे, तो डांटिए मत। पूछिए, "क्या हुआ बेटा? कैसे गिरा?" और फिर बताइए, "देखो, चीजें कैसे संभालते हैं।" इस तरह बच्चा डरने की बजाय सीखता है।

2. पैरेंट्स बनिए, स्कूल के टीचर नहीं
घर में अगर हम हर बात पर बोलते रहते — ये ऐसे नहीं, ये वैसे नहीं — तो बच्चा खुद को दबा हुआ महसूस करता है बल्कि खेल-खेल में पढ़ाई करें, और हर बातों को प्यार से समझाएं।
क्या करें: आप कहानी के ज़रिए सिखाइए — जैसे "शिवजी ने गुस्सा क्यों नहीं किया?" "कृष्ण भगवान ने कैसे माखन चुराया लेकिन सच्चाई कबूल की?" — इससे बच्चा खुद इन गुणों को सीखता है।

3. हर मांग तुरंत पूरी मत करें बच्चे की
हर छोटी चीज़ अगर तुरंत दे दी जाए — चॉकलेट, खिलौना, मोबाइल — तो वो "हक" समझने लगता है और जिद्दी बन जाता है
क्या करें: थोड़ा इंतजार करवाइए। कहिए, "अगर तुमने आज ये 3 काम पूरे किए तो कल ये मिलेगा।" इससे वो समझता है कि मेहनत से चीज़ें मिलती हैं।

4. शुक्रगुज़ारी सिखाइए जिंदगी में सब को कुछ सब कुछ नहीं मिलता जितना भी मिला है उसके उसके लिए हमेशा भगवान का धन्यवाद देते रहना चाहिए आज का बच्चा "धन्यवाद" बोलना भूल गया है। उसे लगता है कि सब चीज़ें उसे मिलनी ही चाहिए।
क्या करें: हर रात सोने से पहले बच्चे से पूछिए — "आज किस चीज़ के लिए भगवान को धन्यवाद दोगे?" इससे वो आभार व्यक्त करना सीखेगा, और कद्र भी।

5. हर ट्रिप को एजुकेशनल बनाइए अगर हम बच्चों को बस पार्क या मॉल ले जाएं तो सिर्फ मौज ही होगी, सीख नहीं।
क्या करें: पहले से बताइए, "जहां हम जा रहे हैं, वहां क्या खास है?" वापसी पर उनसे 3 बातें पूछिए जो उन्होंने देखीं। इससे उनका अवलोकन और याद रखने की क्षमता बढ़ेगी।

आज की बात

वीणा देवांगन

6. शेयरिंग की आदत बचपन से डालिए आजकल पेरेंट्स अपना सिर दर्द खत्म करने के लिए हर चीज बच्चों को अलग-अलग देते हैं यह तेरा वह तेरा या ना कीजिए,अलग-अलग चीज़ें देकर आप झगड़े टाल सकते हैं, पर वो "मेरा ही है" वाली भावना बढ़ जाती है।
क्या करें: एक चॉकलेट लाइए और दोनों बच्चों से कहिए, "आप दोनों बराबर बांटिए।" शुरुआत में मना करेंगे, लेकिन बार-बार ऐसा होगा तो 'हम' की भावना खुद बन जाएगी।

7. जैसा देखेगा, वैसा सीखेगा बच्चे उपदेश से नहीं, उदाहरण से सीखते हैं। आप अगर खुद देर से उठेंगे, तो बच्चा जल्दी नहीं उठेगा।
क्या करें: खुद पहले नियम में रहिए। अगर आप डिनर के बाद मोबाइल नहीं चलाते, तो बच्चा भी धीरे-धीरे आदत बदल लेगा।

8. हर व्यवहार के पीछे कारण होता है — उसे समझिए अगर बच्चा चुप है, गुस्से में है, या बार-बार जिद कर रहा है, तो उसका कारण जानना जरूरी है।
क्या करें : बस इतना पूछिए — "आपका मन क्यों खराब है?" धीरे-धीरे वो खुलना शुरू करेगा। एक बार बच्चा आपको अपना दोस्त समझने लगे, तो सुधार अपने आप हो जाएगा।

9. किताबों का माहौल घर में बनाइए
अगर घर में सिर्फ टीवी और मोबाइल रहेगा, तो बच्चा कैसे पढ़ेगा? एक लाइब्रेरी भी छोटा सा बनायें।
क्या करें: रोज़ 15 मिनट सब लोग पढ़ें। बच्चे से कहिए, "जो आज पढ़ा, वो मुझे सुनाओ।" इससे किताब से लगाव और आत्मविश्वास दोनों आएंगे।

10. टेक्नोलॉजी का सही उपयोग बच्चों कोसीखने का समय सारणी बनाइए। जिसमें मोबाइल और टीवी में ज्ञानवर्धक चीज देखें। सिर्फ कार्टून और मारधाड़ वाली फिल्में देखने से दिमाग सुन्न हो जाता है।
क्या करें: महीने में एक दिन 'लर्निंग मूवी डे' रखिए। और रोजअगर कुछ भी दिखाना है तो सिर्फ काम की चीज़ पढ़ाई की चीज के लिए ही मोबाइल दीजिए जैसे "Super 30", "I Am Kalam", "Hawa Hawai" — फिर उस पर बात कीजिए, "तुमने क्या सीखा?"

11. घर के रूल सबके लिए एक जैसे हों अगर आप कहते हैं "मोबाइल मत चलाओ" और खुद मोबाइल में लगे रहते हैं, तो बच्चा भी सीखेगा नहीं। अगर यह प्ले टाइम है तो सबको कुछ ना कुछ खेलना है
क्या करें: एक 'फैमिली चार्टर' बनाइए — जैसे शाम 7 से 9 मोबाइल बंद, खाने के वक्त टीवी बंद, और सब साथ बैठेंगे। सब पालन करें, तभी असर होगा।

12.. बच्चों को सवाल पूछने दीजिए अगर बच्चा पूछता है "आकाश नीला क्यों होता है?" और आप कहते हैं "चुप बैठो" — तो उसका सोचने का साहस मर जाता है।
क्या करें: जवाब नहीं आता तो बोलिए, "चलो मिलकर खोजते हैं।" इससे उसे लगेगा कि सवाल करना अच्छा होता है।

13. बच्चा जो करना चाहता है, करने दीजिए वह अपने आप ही प्रकृति से बहुत कुछ सीख लेगा हर बच्चा पढ़ाई में ही नहीं, किसी में अच्छा होता है - जैसे डांस, सिंगिंग, ड्रॉइंग, कोडिंग।
क्या करें: एक दिन उसे सिर्फ उसकी पसंद का करने दें। आप साथ दीजिए, सराहिए। बच्चा खुद आगे बढ़ेगा।

14. हर पेरेंट बने 'Story Teller' बच्चों को कहानियां सुनाना बंद हो गया है, इसलिए सोचने की क्षमता भी कम हो रही है।
क्या करें: रोज़ रात 10 मिनट एक कहानी सुनाइए — जिसमें ज्ञान हो, नैतिकता हो, और अंत में सवाल हो — "इससे आपने क्या सीखा?" इससे बच्चा भी बात करना सीखेगा।

15. पॉकेट मनी का सही इस्तेमाल सिखाइए
बच्चे को अगर हर चीज़ यूं ही मिलती रही तो खर्च की कद्र नहीं होगी।
क्या करें: एक निश्चित पॉकेट मनी दीजिए और एक छोटी सी डायरी बनवाइए जिसमें बच्चा लिखे — कहां कितना खर्च हुआ। इससे self-control आएगा।

"बच्चा जैसा बनाना चाहते हैं, वैसा खुद बनिए।" पेरेंटिंग एक दिन का काम नहीं — ये रोज़ की तपस्या है। कभी-कभी रोना आएगा, कभी गुस्सा भी, लेकिन अगर आप स्थिर रहेंगे — तो वही बच्चा कल आपका नाम रोशन करेगा।

(veenavlogs@gmail.com)

प्लास्टिक के फूल

शहर की इस बार की पर्यावरण रैली कुछ ज्यादा ही हरी-भरी थी। हर गली, हर नुक्कड़, हर चौराहा हरा नहीं, हरा-पीला-नीला-बैंगनी दिखाई दे रहा था। वजह साफ़ थी- 'पर्यावरण दिवस' आने वाला था और तैयारियाँ प्लास्टिक के फूलों से इतनी सज-धजकर की गई थीं कि खुद गुलाब की झेंप खुल जाए और मोगरा आत्महत्या कर ले। मुहल्ले की गुप्ता आंटी, जो पूरे साल नल खुला छोड़कर पौधे धोती हैं, इस दिन सुबह से प्लास्टिक की माला लेकर तुलसी के गले में ऐसे झूल पड़ीं जैसे कोई बहू सास की सेवा में झूलती है - दिखावे भर के लिए। तुलसी ने खाँसते हुए शायद कहा भी हो-"कृपया मुझे जीवित रहने दीजिए," पर उस आवाज़ को आंटी ने साउंड बॉक्स में बज रहे 'ए पर्यावरण माई, रक्खिहो हमार लाज' में गुम कर दिया। लब्बोलुआब यही था-"पौधों को ऑक्सीजन चाहिए, हमने उन्हें सेलोफेन ओढ़ा दिया।" मुहल्ले के निगम पार्षद, श्री टाइगर प्रसाद 'हरियाले', अपने दो चमचों के साथ, हरे रंग की प्लास्टिक टी-शर्ट पहनकर निकले। एक हाथ में माइक और दूसरे में प्लास्टिक का गमला था, जिसमें नकली बोनसाई रखी थी। उन्होंने माइक से ललकारा-"हम पेड़ नहीं काटते, बस उनकी जगह पर सेल्फी पॉइंट बनाते हैं।" पूरा मुहल्ला ताली बजा-बजाकर धरती की छाती पीटने लगा। बच्चे तो प्लास्टिक के फूल चबाकर खुश थे। एक छोटा बच्चा बोला-"मम्मी! ये जैविक लगता है।" मम्मी मुस्कराईं -"हाँ बेटा, ये बायोडिग्रेडेबल टाइप फील देता है।" पंचलाइन उड़ती हुई आई-"जहाँ भावनाएँ प्लास्टिक की हों, वहाँ फूल असली क्यों हों?" तैयारियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड हो रही थीं। कैप्शन में लिखा था-"गो ग्रीन विथ प्लास्टिक ड्रीम!" एक लड़की ने पौधे की फोटो के नीचे लिखा-"हैप्पी नेचर डे ऑल माय डियर ट्रीस।" उस पेड़ को काट कर उस पर वही फोटो चिपकाई गई थी। जड़ें हवा में थीं, और कैप्शन जन्नत में। एक बुढ़ा पीपल पेड़ देखकर सुबक पड़ा-"पहले मुझे पूजते थे, अब मेरे फोटो से लाईक्स कमाते हैं।" उसी पेड़ के नीचे एक बोर्ड लटक रहा था-"दिज इज ए सेल्फी जोन-सेव ट्रीस"-"जंगल बचे या ना बचे, जंगल की यादें इंस्टा में ज़रूर बचें।"स्कूलों में बच्चों ने भाषण दिए। एक छोटा बच्चा चिल्लाया-"प्लास्टिक नहीं चाहिए!" उसके ठीक पीछे पूरे मंच को प्लास्टिक के पर्दों, सजावटों और फूलों से ढाँप दिया गया था। शिक्षक मुस्कराए- "बिलकुल सही बेटा, लेकिन इन सजावटों को हाथ मत लगाना, किराए पर आए हैं।" बच्चे को थोड़ी उलझन हुई, मगर उसने फिर कहा – "पेड़ों को काटना पाप है।" तभी पीछे से माली आता है और कहता है – "सर! वो नीम के पेड़ की डाली मंच में घुस रही थी, काट दी।" – "संदेश पर्यावरण बचाओ, व्यवस्था पेड़ हटाओ।"

आपकी बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

डॉ. पीएसजी कुमार : पुस्तकालय सूचना विज्ञान क्षेत्र में अतुलनीय योगदान

डॉ. पीएसजी कुमार जयंती विशेष

पुस्तकालयों के बिना शिक्षा क्षेत्र का अस्तित्व असंभव है, क्योंकि पुस्तकालयों को शिक्षा की आधारशिला कहा जाता है और गुणवत्तापूर्ण पुस्तकालय एक मजबूत शिक्षा प्रणाली का आधार और प्रतिबिंब होते हैं। पुस्तकालयों का अच्छा विकास एक उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। जब हम देश में पुस्तकालयों के विकास की बात करते हैं, तो हम निश्चित रूप से उन महान लोगों को याद करते हैं जिन्होंने इस क्षेत्र में महानतम कार्य किए हैं। आज हम एक ऐसे ही महान व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जिन्होंने अपने असाधारण कार्यों के माध्यम से पुस्तकालय सूचना विज्ञान के क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। डॉ. पीएसजी कुमार, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन ही पुस्तकालय सुचना विज्ञान क्षेत्र के विकास में समर्पित कर दिया। जिन्हे देश में इस क्षेत्र के लिए रोल मॉडल के रूप में देखा जाता है। देश में महत्वपूर्ण पदों पर उन्होंने कार्य कर विदेशों में भी विभिन्न अवसरों पर भारत देश का प्रतिनिधित्व किया। देश भर में पुस्तकालय सूचना विज्ञान क्षेत्र में कार्यरत लोगों का सपना रहा कि डॉ. पीएसजी कुमार के मार्गदर्शन में कार्य कर कुछ सीखने मिले। लोग उन्हें पुस्तकालय सूचना विज्ञान विषय का विश्वकोश कहते है, वे गुणों की खान थे, पुस्तकालय क्षेत्र की सम्पूर्ण जानकारी और विकास संबंधित कार्यप्रणाली उनके मस्तिष्क में छपी हुयी थी। अपने उत्कृष्ट योगदान और गुणवत्तापूर्ण कार्य के कारण डॉ. पीएसजी कुमार को पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन के समकक्ष माना जाता है। डॉ. पीएसजी कुमार ने अपने जीवन का अधिकांश कार्यकाल नागपुर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग में बिताया। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, विचारशील, बुद्धिजीवी, मृदुभाषी, समय के पाबंद और कार्य के प्रति अक्सर तत्पर रहते थे। प्रतिभावान अनुसंधानकर्ता, दृष्टिकोण में वैज्ञानिक, काम में व्यवस्थित, प्रबंधन में कुशल, लोगों के प्रति अपने दृष्टिकोण में मानवतावादी, निर्णय लेने में तार्किक, मुश्किलों से निपटने में मेहनती और ईमानदार, बेहतर शिक्षक, आदर्श पुस्तकालयाध्यक्ष, महान आयोजक, सक्षम प्रशासक, निपुण मार्गदर्शक, उत्कृष्ट लेखक, वक्ता और आलोचक जैसे अनेक भूमिकाओं में महारथी थे। डॉ. पीएसजी कुमार ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ख्याति प्राप्त की। उन्हें युनेस्को, एफआईडी, आईएफएलए द्वारा फेलोशिप से सम्मानित किया गया है, एबीसी कैम्ब्रिज द्वारा इंटरनेशनल मैन ऑफ द ईयर, एबीआई, यूएसए द्वारा मैन ऑफ द ईयर, सेक्युलर इंडिया हार्मनी अवार्ड, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा "सत्काल" पंजाब लाइब्रेरियन अवार्ड, पी.एस. तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा प्रो. पी. गंगाधर राव अवार्ड, कौला एंडोमेंट फॉर लाइब्रेरी साइंस द्वारा "रंगनाथन कौला अवार्ड और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एमेरिटस फेलो से भी सम्मानित किया गया। उन्होंने इफला (इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन) के निमंत्रण पर यू.के., यू.एस.ए., मॉरीशस और फ्रांस का दौरा किया और सम्मेलन में भाग लिया, फीड (इंटरनॅशनल डॉक्युमेंटेशन फेडरेशन), कोमला (कॉमनवेल्थ लायब्ररी असोसिएशन), एएलए (अमेरिकन लाइब्रेरी एसोसिएशन) ने उनके अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों को बढ़ाया। उन्होंने देश के लगभग सभी राज्यों और विश्वविद्यालयो का दौरा किया। वे 77 से अधिक विश्वविद्यालयों से जुड़े और विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों में 168 से अधिक व्याख्यान दिए हैं। उनकी जीवनी संबंधी प्रोफ़ाइल 16 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय जीवनी स्त्रोतों में प्रकाशित हुई है। देश-विदेश के ख्यातनाम रिसर्च पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल में उन्होंने काम किया। डॉ. कुमार ने अपने कार्यकाल में अनेक संगठनों और संघो के प्रमुख पदों पर महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई। वे विदर्भ शैक्षणिक पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष, भारतीय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षक संघ के महासचिव, उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, शिक्षा एवं प्रशिक्षण पर केन्द्रीय संभागीय समिति के अध्यक्ष, भारतीय पुस्तकालय संघ (आईएलए) के उपाध्यक्ष और अंततः अध्यक्ष 1990-96, भारतीय विशेष पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र संघ के दो बार परिषद सदस्य; अध्यक्ष, सार्क देशों के पुस्तकालय संघ, गुड ऑफिस कमेटी, भारतीय पुस्तकालय संघों की संयुक्त परिषद और भारतीय पुस्तकालय एवं सूचना सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उनका कार्य सराहनीय है, उन्होंने भारत में पुस्तकालय व्यवसाय के विकास में अमूल्य योगदान दिया। डॉ. कुमार ने 2004 में विदर्भ लाइब्रेरी एसोसिएशन की स्थापना की और युवा पेशेवरों को अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान किया।

अलग बात

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

क्या दिन थे त्योहार पर, घर भर होता साथ।
पूजा पर झुकते सदा, एक साथ सब माथ।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

भीड़ का हिस्सा नहीं, संवेदनशील दायित्ववान व अनुशासित सहभागी बनें

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और खेल आयोजन हमारी सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक उत्साह के प्रतीक हैं। ये आयोजन निरंतर होते रहते हैं, किंतु जब यही उत्सव असंवेदनशीलता, अव्यवस्था और अनुशासनहीनता के कारण त्रासदी का रूप ले लेते हैं, तो एक गंभीर प्रश्न उठता है-क्या हम केवल एक भीड़ हैं या एक जिम्मेदार समाज? क्या भीड़ प्रबंधन केवल शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है? क्या सहभागियों का कोई दायित्व नहीं बनता? हमारे देश में भीड़ के अनियंत्रित होने के कारण अनेक त्रासद घटनाएं घट चुकी हैं। 1954 के प्रयागराज कुंभ में हुई भगदड़ स्वतंत्र भारत की पहली बड़ी चेतावनी थी, जिसने प्रशासनिक सीमाओं को उजागर किया। इसके बाद 2003 में नासिक कुंभ, 2008 में नांदेड़ (हुज़ूर साहिब गुरुद्वारा), नैना देवी मंदिर (हिमाचल प्रदेश);2011में पुलुमेदु मकर संक्रांति मेला, केरल; 2013 में रतनगढ़ मंदिर, दतिया (मध्य प्रदेश);2014 में पटना देवी मंदिर (बिहार), डोमरी गांव (वाराणसी),2014 में दशहरा समारोह, पटना;2015 में पुष्करम उत्सव, राजमुंदरी (आंध्र प्रदेश);2022 में वैष्णो देवी मंदिर;2023 में कुबेरेश्वर धाम, रुद्राक्ष महोत्सव;2024 में हैदराबाद थिएटर हादसा;2024 में हाथरस, सत्संग के बाद भगदड़;2025 में महाकुंभ हादसा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसा, चिन्नास्वामी स्टेडियम (बेंगलुरु) के बाहर आईपीएल विजय का जश्न जैसे आयोजनों में विभिन्न कारणों से भीड़ अनियंत्रित हुई, भगदड़ मची और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इन हादसों की जिम्मेदारी किस पर डाली जाए? क्या आयोजनकर्ता पूर्णतः दोषी हैं? क्या प्रशासनिक व्यवस्था ही विफल रही? या फिर क्या भीड़ में शामिल हर व्यक्ति को भी आत्ममंथन नहीं करना चाहिए? भीड़भाड़ वाले आयोजनों में भाग लेना अनुचित नहीं है, किंतु सहभागी बनने से पहले कुछ मूलभूत प्रश्नों पर विचार करना आवश्यक है,क्या आयोजन को प्रशासन से अनुमति प्राप्त है?

आयोजन स्थल की क्षमता और व्यवस्था कैसी है?क्या यह आयोजन केवल आमंत्रित या पा सधारकों के लिए है या सभी के लिए खुला है? निजी वाहन लेकर वहां जाना कितना उचित है? क्या भीड़ में मेरी उपस्थिति आवश्यक है या घर से भी इसे देखा जा सकता है?आज के तकनीकी युग में बहुत से आयोजन घर बैठे टीवी या डिजिटल माध्यमों से देखे जा सकते हैं। यदि हर व्यक्ति यह मान ले कि वह केवल दर्शक नहीं, बल्कि आयोजन का सह-व्यवस्थापक है, तो कई समस्याएं स्वतः समाप्त हो सकती हैं। हम यह भूल जाते हैं कि लाइन तोड़ने वाला, धक्का देने वाला, गेट पर चिल्लाने वाला,शोर मचाते हुए, झंडा लहराते हुए तेज रफ्तार में दो पहिए वाहन चलाने वाला,अफवाह फैलाने वाला, नियमों की अनदेखी करने वाला व्यक्ति स्वयं अव्यवस्था का हिस्सा बन जाता है। भीड़ प्रबंधन केवल पुलिस बल, बैरिकेडिंग, स्मार्ट निगरानी प्रणाली, सीसीटीवी, ड्रोन, आरएफआईडी टैगिंग, इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम, मोबाइल ऐप्स, हाईटेक लाउडस्पीकर या वर्चुअल रूट मैपिंग से संभव नहीं। इसका मूल आधार है अनुशासन, संवाद और नागरिक सहयोग। एक जिम्मेदार सहभागी वही होता है जो समय का पालन करे, अनुशासन में रहे,अफवाहों से बचे,दूसरों की सुविधा का उतना ही ध्यान रखे जितना अपनी, असहज, असहाय लोगों की मदद करे,प्रशासन का सहयोग करे।यह आचरण किसी कानून या प्रशिक्षण से नहीं आता, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिक अनुशासन से उत्पन्न होता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हादसे केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदार व्यवहार का भी परिणाम होते हैं। जांच रिपोर्ट, मुआवजा और खेद-प्रकट करना पर्याप्त नहीं। जरूरत है आत्मचिंतन और सक्रिय नागरिक सहभागिता की। अब समय आ गया है कि हम आयोजनों को केवल 'उपस्थित रहने' की प्रक्रिया न मानें, बल्कि अपनी भूमिका को रचनात्मक रूप से परिभाषित करें। जब हर नागरिक स्वयं को उत्तरदायी मानेगा, तभी भारत की आयोजन-संस्कृति सुरक्षित, गरिमामय और प्रभावशाली बन सकेगी।

देश की बात

डॉ. मनमोहन प्रकाश

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

राम दरबार सजने के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी

एजेंसी। अयोध्या

राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ गई है। रविवार को रामपथ पर सुबह से ही भक्त बड़ी तादाद में जुटे। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का यह नजारा रामनगरी को और भी पवित्र बना रहा है। पुलिस और प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

राम मंदिर की ओर जाने वाले प्रमुख मार्ग रामपथ पर दूर-दूर तक भक्तों की कतार देखी गई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं, ताकि किसी भी भक्त को असुविधा न हो। राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। रामपथ पर जगह-जगह पानी, छांव और बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा मंदिर परिसर में प्रवेश और दर्शन की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है।रविवार होने के कारण भीड़ में और इजाफा होने की संभावना है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और मंदिर परिसर में स्वच्छता का ध्यान रखें।

अयोध्या में पहली बार राजा राम दरबार की झलक

पहली बार पूरी दुनिया के सामने राजा राम दरबार की झलक दिखाई गई। भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान समेत संपूर्ण राम दरबार की भव्य प्रतिमा मंदिर के प्रथम तल विराजमान हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य मंदिर में राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा की। इस मौके पर वैदिक मंत्रों की ध्वनि चारों दिशाओं में गुंजायमान रही। अभिजीत मुहूर्त, वेदघोष और मंत्रोच्चार की ध्वनि के बीच अयोध्या में गंगा दशहरा के अवसर पर श्रीराम दरबार सहित समस्त नवनिर्मित देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह सम्पन्न हुआ।

अवैध प्रवासियों को असम से सीधा बाहर करेगी हिमंत बिस्व सरमा सरकार

● 1950 के इस कानून का होगा इस्तेमाल

असम। असम में अवैध अप्रवासियों को वापस भेजने के लिए 1950 के अप्रवासी निष्कासन आदेश नामक एक कम चर्चित कानून का पालन किया जाएगा। यह कदम भानुमती का पिटारा खोलने वाला है, क्योंकि यह पारंपरिक प्रक्रिया के खिलाफ है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से संबंधित मामलों के कारण धीमी हुई "विदेशियों" की पहचान करने की प्रक्रिया अब तेज गति से जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि इस बार, अगर किसी की पहचान विदेशी के रूप में की जाती है, तो हमें उस व्यक्ति को वापस भेजने के लिए विदेशी न्यायाधिकरण के समक्ष मामला नहीं उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए पर पहले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उल्लेख किया था कि विदेशियों को वापस भेजने के लिए हमेशा न्यायपालिका से संपर्क करना असम सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं है। उन्होंने कहा, "एक पुराना कानून है - अप्रवासी निष्कासन आदेश। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कानून अभी भी लागू है। इस कानून के अनुसार, डीसी (जिला आयुक्त) के पास आदेश जारी करने और वापस भेजने की अनुमति देने का अधिकार है। उन्होंने आगे कहा, "किसी भी कारण से हमारे वकीलों ने हमें इस आदेश के बारे में सूचित नहीं किया था और हमें भी इसकी जानकारी नहीं थी।

पिछले 11 साल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डरे हुए क्यों हैं : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मीडिया से बातचीत की पटकथा लिखने का आरोप लगाया और कहा कि अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत, उनमें बिना किसी निर्देश के प्रेस वार्ता आयोजित करने का साहस नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि दुनिया भर के नेता समय-समय पर स्वतंत्र प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं, लेकिन हमारे यहां 11 साल से कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई है। जयराम रमेश ने कहा कि हर देश का शासनाध्यक्ष समय-समय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते ही हैं। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री को प्रेस के सीधे सवालों का सामना किए हुए 11 साल हो चुके हैं। पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान श्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया इंटरैक्शन को एक शो की तरह प्रोड्यूस, डायरेक्ट और स्क्रिप्ट किया - जिसमें उन्होंने खुद को "नॉन-बायोलॉजिकल" बताने वाला चर्चित दावा भी किया था। लेकिन अब तक उन्होंने कभी भी बिना एडिटिंग, बिना स्क्रिप्ट वाली एक भी असली प्रेस मीटिंग करने का साहस नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि यह उनके पूर्व प्रधानमंत्रियों से बिल्कुल उलट है। जिनसे वे विशेष रूप से नफरत करते हैं, वे तो लगभग हर दूसरे महीने बेधड़क प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे, जहां उनसे कठोर सवाल पूछे जाते थे और वे गंभीरता व संयम से जवाब देते थे।

मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव!

पूरे इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया, इंटरनेट भी हुआ बंद

इम्फाल । एजेंसी

शनिवार शाम को राज्य की राजधानी में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक विरोध और झड़पों के बाद मणिपुर के घाटी जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। बिष्णुपुर जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया है, जबकि इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, थौबल और काकचिंग के अन्य घाटी जिलों में पांच या उससे अधिक लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। शनिवार रात को मैतेई संगठन अरंबाई टेंगोल के एक नेता और कुछ अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी की खबरों के बाद अशांति भड़क उठी।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कों के बीचों-बीच टायर और पुराने फर्नीचर जलाए, हवाई अड्डे के प्रवेश द्वार का घेराव किया और नेता की रिहाई की मांग करते हुए सुरक्षा बलों से भिड़ गए। उनमें से कुछ ने इंफाल में आत्मदाह का भी प्रयास किया। रविवार को स्थिति तनावपूर्ण रही। रविवार को लगभग 2 बजे, मणिपुर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इसकी पुष्टि की और इंटरनेट सेवाओं के निलंबन, कर्फ्यू और निषेधाज्ञा के आदेश की प्रतियां साझा कीं।

मणिपुर अशांति

- मीतेई संगठन अरम्बाई टेंगोल के एक नेता की गिरफ्तारी का दावा करने वाली रिपोर्टों के बाद फिर से हिंसा भड़क उठी। हालांकि पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान या उसके खिलाफ आरोपों का खुलासा नहीं किया, लेकिन रिपोर्टों से पता चला है कि नेता कानन सिंह है।
- शनिवार रात को राज्य की राजधानी में कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के साथ झड़प की। इंफाल पूर्वी जिले के खुरई लामलोंग इलाके में, एक उग्र भीड़ ने एक बस को आग लगा दी। क्वाकेथेल में, कई गोलियों की आवाज सुनी गई, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि गोली किसने चलाई।
- गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाने की अपुष्ट रिपोर्टों के बाद, प्रदर्शनकारी तुलीहाल में इंफाल हवाई अड्डे के गेट के बाहर भी एकत्र हुए। नेता को मणिपुर से बाहर ले जाने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए प्रदर्शनकारियों ने हवाई अड्डे की सड़क को अवरुद्ध कर दिया।

कार्यकाल के 11 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा

नारीशक्ति की उपलब्धियां समाज और देश को गर्व से भर देती हैं

- मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 51 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया
- महिलाओं के बैंक खाते खोलकर उन्हें वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अपने कार्यकाल के 11 साल पूरे कर चुकी है। पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं के लिए चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 51 सेकंड के एक वीडियो को पोस्ट कर बताया कि 11 वर्षों में हमारी नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।

दूसरे पोस्ट में पीएम ने लिखा, "पिछले 11 वर्षों में एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को नए सिरे से परिभाषित किया है। स्वच्छ भारत के माध्यम से सम्मान सुनिश्चित करने से लेकर जन धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों ने हमारी नारी शक्ति को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। उज्ज्वला योजना ने कई घरों में धुआं रहित रसोई सुनिश्चित की। मुद्रा ऋणों ने लाखों महिला उद्यमियों को अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाया। पीएम आवास योजना में महिलाओं के नाम पर घरों ने भी उल्लेखनीय प्रभाव डाला है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' ने बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन को प्रज्वलित किया। विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में, महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और कई लोगों को प्रेरित कर रही हैं।

पीएम मोदी की योजनाओं से बदली महिलाओं की तस्वीर

पीएम मोदी की ओर से उनके 11 वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं के लिए चलाई जा रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में इस वीडियो में बताया गया है। उज्ज्वला योजना के तहत

लाखों महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिले, जिससे उनकी सेहत और जीवनशैली में सुधार हुआ। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान ने लैंगिक समानता और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आसान ऋण प्रदान कर आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान स्वामित्व ने उनकी सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया। इन योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक प्रगति में भी योगदान दिया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, "हमारी माताओं-बहनों और बेटियों ने वो दौर भी देखा है, जब उन्हें कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज वे ना सिर्फ विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि शिक्षा और व्यवसाय से लेकर हर क्षेत्र में मिसाल कायम कर रही हैं। बीते 11 वर्षों में हमारी नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।"

राहुल अपनी कमियों को छिपाने के लिए झूठ गलत सूचना का सहारा ले रहे हैं: पीयूष

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अपनी कमियों को छिपाने के लिए झूठ और गलत सूचना का सहारा लेने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने दावा किया है कि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ''लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट'' था। उन्होंने दावा किया है कि यह ''मैच फिक्सिंग'' अब बिहार में भी दोहरायी जाएगी और फिर उन जगहों पर भी ऐसा ही किया जाएगा, जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हार रही होगी। 'द इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित लेख में राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उसने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर लगातार चुनाव हारने के बाद हताशा में "विचित्र षड्यंत्र रचने" का आरोप लगाया। गोयल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी को अपनी कमियों को छिपाने के लिए झूठ और गलत सूचनाओं का सहारा लेना पड़ रहा है।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का आरोप

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति कर रहे हैं कांग्रेस नेता

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर पर कथित तौर पर राजनीति करने के लिए कांग्रेस नेताओं की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह मुद्दा देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है और इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

पत्रकारों से बात करते हुए पटेल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा मामला है। कांग्रेस नेता इस विषय पर बेवजह राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में जब भारत का संसदीय प्रतिनिधिमंडल विदेशी देशों के दौरे पर गया तो उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख के लिए व्यापक समर्थन मिला।

आज का राशिफल

मेष : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी।

वृष : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

मिथुन : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है।

कर्क : शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग।

सिंह : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ।

कन्या : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

तुला : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है।

वृश्चिक : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी।

धनु : कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

मकर : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी।

कुंभ : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मड्क्षचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

मीन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

बिहार चुनाव से पहले विवादास्पद यूट्यूबर मनीष कश्यप ने भाजपा छोड़ी

पटना (आईएएनएस)

बिहार में इस साल होने वाले चुनाव से पहले ही चर्चित यू-ट्यूबर मनीष कश्यप ने भारतीय जनता पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने फेसबुक लाइव पर आकर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि "मैं अब भाजपा में नहीं हूं। मनीष कश्यप ने पिछले साल अप्रैल में भाजपा की सदस्यता ली थी। मनीष कश्यप ने फेसबुक लाइव आकर इसकी घोषणा करते हुए कहा, "मैं अपने गांव चनपटिया गया था, कई क्षेत्रों में गया, वहां पर लोगों से बात की है, उसके बाद मैंने यह निर्णय लिया है। मुझे बिहार के लिए लड़ना है, बिहारियों के लिए लड़ना है, यहां की समस्याओं के लिए लड़ना है।

उन्होंने आगे कहा कि पार्टी में रहकर भी मैंने बिहार की समस्याओं को उठाने की कोशिश की। अब मुझे लग रहा है कि पार्टी में रहकर मैं लोगों की आवाज को अच्छे से नहीं उठा पाऊंगा, इसलिए मैंने यह निर्णय लिया है। हालांकि इस निर्णय से कई लोग खुश भी होंगे, कई दुखी भी होंगे। इस निर्णय के लिए मुझे मजबूर किया गया। उन्होंने कहा, "कुछ नेता कहते थे कि मैं महत्वाकांक्षी हूं, लेकिन ऐसा होता तो 2024 का चुनाव लड़कर इनका खेल बिगाड़ता। मनीष कश्यप ने आगे कहा, "यहां रहकर मैं जब खुद की मदद नहीं कर पाया तो दूसरों की मदद क्या करता। अब निर्णय ले लिया। वैसे किसी न किसी प्लेटफॉर्म की तलाश रहेगी। यहां पर रहने का मतलब यह है कि आप उन भ्रष्टाचार पर पर्दा डालें जो आपकी आंखों के सामने आपके ही लोगों के साथ हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी।"

उत्तर पूर्वी दिल्ली में बच्ची की संदिग्ध मौत, दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली। एजेंसी

उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में बकरीद के त्योहार के दौरान एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक बच्ची जो अपने रिश्तेदार के घर बर्फ देने गई थी, रास्ते में लापता हो गई। परिजनों ने जब उसकी तलाश शुरू की तो वह एक फ्लैट की दूसरी मंजिल पर संदिग्ध हालत में मृत पाई गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, और पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। बच्ची के पिता ने मीडिया को बताया कि बच्ची अपनी ताई के घर बर्फ देने गई थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद पता चला कि एक व्यक्ति उसे अपने फ्लैट में ले गया था। जब परिजन फ्लैट पर पहुंचे तो मालिक ने बताया कि कमरा बंद है और चाबी उसके भाई के पास है।

दिल्ली में मासूम की दर्दनाक मौत, पुलिस ने जांच शुरू की

बच्ची के निचले हिस्से में कपड़े नहीं थे और खून बह रहा था। उन्होंने कहा कि तुरंत बच्ची को पास के एक क्लीनिक में ले गए, जहां डॉक्टर ने उसकी हालत गंभीर बताई और तत्काल अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजन बच्ची को प्रवेश चंद्र हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को क जे में लेकर गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ था या नहीं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

क्या वाकई दूर हो गए गिले शिकवे?

चार साल बाद मिले अशोक गहलोत और सचिन पायलट

जोधपुर । एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने जयपुर में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ पार्टी नेता अशोक गहलोत से मुलाकात की, जिसे उनके लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक संबंधों में संभावित सुधार के रूप में देखा जा रहा है। यह मुलाकात पायलट के पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम से पहले हुई है, जिनका 25 साल पहले एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। सचिन पायलट ने गहलोत को 11 जून को दौसा में आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि समारोह में आमंत्रित किया।

कांग्रेस पार्टी झूठ और छल का खजाना है : चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई (आईएएनएस)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से महाराष्ट्र चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' का आरोप लगाने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठ और छल का खजाना है। महाराष्ट्र में साल 2024 के विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग वाले आरोपों के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस ने 12 जून को मशाल यात्रा निकालने का फैसला किया है। इस पर चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, " लेकिन महाराष्ट्र की जनता अब समझ गई है कि राहुल गांधी और उनके समर्थकों का उद्देश्य केवल चुनाव के दौरान वोट हासिल करने के लिए गुमराह करना है।

पटियाला में 5वां राष्ट्रीय योगासन जज कार्यक्रम पूरा

पटियाला । एजेंसी

जाब मैं 2 से 6 जून 2025 तक आयोजित-प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 जून को प्रतिष्ठित नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएस एनआईएस), पटियाला, पंजाब में संपन्न हुआ। विश्व योगासन और योगासन भारत के महासचिव योगाचार्य डॉ. जयदीप आर्य के मार्गदर्शन में योगासन भारत द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योगाचार्य महेश पाल ने जानकारी देते हुए बताया की, प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति देखी गई, जिनमें शामिल हैं, रचित कौशिक, कोषाध्यक्ष, योगासन भारत और निदेशक, शिक्षा और प्रशिक्षण समिति डॉ. एम. निरंजना मूर्ति, उपाध्यक्ष, एशियाई योगासन, डॉ. सी.के. मिश्रा, मुख्य प्रशिक्षक, एनएस एनआईएस पटियाला, योगासन स्पोर्ट्स, अभिजीत बोस, उपाध्यक्ष, तमिलनाडु युवा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन,पंकज मजूमदार, राज्य सचिव, त्रिपुरा, विपनदीप, राज्य सचिव, पंजाब दयानिधि, राज्य सचिव, पुडुचेरी और अर्जुन तिवारी, तकनीकी निदेशक, पंजाब योगासन स्टेट बॉडी। भारत के 27 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 180 प्रशिक्षु न्यायाधीशों ने इस प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। पूरे भारत से दस विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों ने प्रशिक्षण सत्रों के दौरान अपने बहुमूल्य ज्ञान और विशेषज्ञता का योगदान दिया।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के स्वदेश लौटने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा

आतंकवाद के खिलाफ भारत-यूरोप साथ

नई दिल्ली । एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने पर पत्रकारों से बात करते हुए प्रसाद ने कहाः "भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, ब्रुसेल्स और जर्मनी का दौरा किया। हमने संसद के वरिष्ठ नेताओं, थिंक-टैंक और भारतीय समुदाय से मुलाकात की। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल छह यूरोपीय देशों के राजनयिक दौरे के बाद रविवार को दिल्ली लौटा, इस दौरान सांसदों ने आतंकवाद पर भारत की स्थिति को मजबूती से व्यक्त किया और पहलगाम आतंकी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की प्रतिक्रिया के बारे में अपने

समकक्षों को जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने पर पत्रकारों से बात करते हुए प्रसाद ने कहाः "भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, ब्रुसेल्स और जर्मनी का दौरा किया। हमने संसद के वरिष्ठ नेताओं, थिंक-टैंक और भारतीय समुदाय से मुलाकात की। पहलगाम में

पाकिस्तान की भूमिका पर प्रकाश डाला गया, प्रवासी, थिंक-टैंक शामिल हुए

प्रतिनिधिमंडल ने यूरोपीय संसद के अधिकारियों, विदेश नीति और रक्षा समिति के प्रमुख सदस्यों और कोनराड एडेनॉयर स्टिफ्टंग (केएएस) जैसे प्रमुख थिंक-टैंक से भी मुलाकात की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत बहुपक्षीय प्रयासों की तत्काल आवश्यकता पर चर्चा की और आतंकवाद, रक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर गहन सहयोग की संभावना तलाशी।

हुए आतंकी हमले को लेकर विदेशी देशों में काफी गुस्सा है और सभी देशों ने इसकी निंदा की है। हम यूरोपीय संसद भी गए। भारतीय समुदाय हमसे मिलने के लिए बहुत उत्साहित था। भारत और यूरोप के बीच एक नया रिश्ता स्थापित होने जा रहा है। यह एक बहुत ही संतोषजनक यात्रा थी।

बर्लिन में प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री जोहान वेडफुल और बुंडेस्टैग के उपाध्यक्ष ओमिद नूरीपुर सहित जर्मनी के शीर्ष सरकारी और संसदीय नेताओं से मुलाकात की। सांसदों ने आतंकवाद पर भारत की शून्य-सहिष्णुता नीति और सीमा पार हमलों के प्रति इसके सैद्धांतिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने पहलगाम की घटना के जवाब में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की गैर-उग्र, सटीक और जिम्मेदार प्रकृति पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहाः "हमने यूरोप के छह देशों का दौरा किया और हमें पता चला कि पूरा यूरोप एक नई आर्थिक व्यवस्था में आने की कोशिश कर रहा है और हर देश ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की है। हमने यह संदेश दिया है कि अगर सीमा पर कोई आतंकवादी गतिविधि देखी जाती है, तो उसका जवाब अलग होगा। हमने किसी देश से मध्यस्थता की मांग नहीं की।

जर्मनी में भारतीय दूतावास के एक बयान के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है जिसका सामना एकजुट वैश्विक प्रतिक्रिया से किया जाना चाहिए। जर्मन वार्ताकारों ने चर्चा का स्वागत किया और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की।

पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर ने नियंत्रण रेखा पर अग्रिम चौकियों का दौरा किया

करांची । पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने शनिवार

को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अग्रिम चौकियों का दौरा किया और सैनिकों से बातचीत की। सेना ने एक बयान में कहा कि बातचीत के दौरान जनरल मुनीर ने सैनिकों के उच्च मनोबल, परिचालन तैयारियों और सतर्कता की सराहना की। सेना ने एक बयान में कहा कि बातचीत के दौरान जनरल मुनीर ने सैनिकों के उच्च मनोबल, परिचालन तैयारियों और सतर्कता की सराहना की।

कनाडा में पत्रकार पर खालिस्तानियों का हमला

कनाडा । कनाडा में रविवार को खालिस्तानी समर्थक ने एक पत्रकार

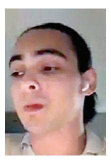

मोचा बेजिरगन पर हमला कर दिया। जो पिछले एक साल से उनका पीछा कर रहा था और उसकी गतिविधियों पर ऑनलाइन निगरानी कर रहा था। मोचा ने बताया कि यह हमलावर ब्रिटेन का नागरिक है। साथ ही लंबे समय से मोचा को परेशान कर रहा था और उसके खिलाफ गंदी भाषा का भी इस्तेमाल कर रहा था। मोचा पिछले एक साल से कनाडा, अमेरिका, यूके और न्यूजीलैंड में खालिस्तानी प्रदर्शनों को कवर कर रहे हैं।

इजरायल के नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर है संकट!

युद्ध का माताओं व सैनिकों पर पड़ रहा गंभीर असर

जेरूसलम पोस्ट

ब्यूरो

नई दिल्ली । चल रहे युद्ध के कारण इजरायल एक अभूतपूर्व मानसिक स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। एकत्रित डेटा एक गंभीर तस्वीर पेश करता है - एक तिहाई महिलाएं वर्तमान युद्ध के दौरान प्रसवोत्तर अवसाद का अनुभव करने की रिपोर्ट करती हैं, साथ ही आईडीएफ आईडीएफ सैनिकों में पीटीएसडी के मामलों में तेज वृद्धि हुई है। इज़राइल में 862 महिलाओं के एक हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई। साथ ही, तेल अवीव विश्वविद्यालय के शोध से संकेत मिलता है कि लगभग 12% रिजर्व सैनिक कई पीटीएसडी लक्षणों की रिपोर्ट करते हैं - नियमित सेवा के दौरान देखे गए 4%-6% की तुलना में एक नाटकीय वृद्धि, और छुट्टी के छह महीने बाद मापे गए 8% से दोगुना से भी अधिक। ये दो अलग-अलग संकट नहीं हैं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकट है जिस पर तत्काल, व्यवस्थित ध्यान देने की आवश्यकता है। नई माताओं और सैनिकों के संकट के बीच संबंध कोई संयोग नहीं है। राष्ट्रीय आघात हम सभी को प्रभावित करता है, लेकिन यह विशेष रूप से कमजोर आबादी को नुकसान पहुंचाता है। डेटा विशेष रूप से चिंताजनक हैः 34% महिलाओं ने पीटीएसडी के लक्षणों की सूचना दी, 62% युद्ध से संबंधित दुःस्वप्नों से पीड़ित हैं; 69% सक्रिय रूप से युद्ध से संबंधित विचारों से बचती हैं; 73% लगातार तनाव में रहती हैं या आसानी से चौंक जाती हैं; 40% लोगों और अपने परिवेश से अलग-थलग महसूस करती हैं; और 17% युद्ध की घटनाओं से संबंधित अपराध बोध का अनुभव करती हैं। समवर्ती रूप से, रिजर्व सैनिकों को सीधे दर्दनाक युद्ध के मैदान के अनुभवों के संपर्क में आना पड़ा है। दोनों समूहों के लिए सामान्य बात राज्य प्रणालियों से पर्याप्त और अनुरूप प्रतिक्रिया की कमी है। युद्ध से पहले भी, हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तनाव में थी अब, यह दबाव में झुक रही है। मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी है, उपचार के लिए प्रतीक्षा समय बढ़ रहा है, और संसाधन कम हैं। इस उपेक्षा की मानवीय कीमत विनाशकारी हो सकती है - अध्ययनों से पता चलता है कि उचित उपचार के बिना, प्रसवोत्तर अवसाद और पीटीएसडी जैसी स्थितियाँ जीर्ण हो सकती हैं और यहाँ तक कि भावी पीढ़ियों को भी प्रभावित कर सकती हैं।

राज्य को क्या करना चाहिए? सबसे पहले, इसे एक राष्ट्रीय आपातकाल के रूप में पहचानना चाहिए जिसके लिए एक व्यापक योजना की आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण संसाधन आवंटित किए जाने चाहिए, जिसमें उच्च जोखिम वाली आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। अधिक आघात देखभाल पेशेवरों की भर्ती और प्रशिक्षण किया जाना चाहिए, और समर्पित उपचार कार्यक्रम स्थापित किए जाने चाहिए।दूसरा, उपचार में आने वाली बाधाओं को समाप्त किया जाना चाहिएः कलंक को कम करना, पहुँच में सुधार करना, और यह सुनिश्चित करना कि युद्ध से प्रभावित लोगों के लिए उपचार मुफ़्त है। प्रतिक्रियाओं को विभिन्न समूहों की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जाना चाहिए - उदाहरण के लिए, नई माताओं और सैनिकों के लिए विशेष उपचार मॉडल पेश करना। अंत में, जरूरतमंद लोगों के लिए सुरक्षा जाल के रूप में काम करने के लिए मजबूत सामुदायिक सहायता प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। साक्ष्य बताते हैं कि आघात से निपटने में सामाजिक समर्थन एक महत्वपूर्ण सुरक्षात्मक कारक है।युद्ध किसी दिन समाप्त हो जाएगा, लेकिन इसके भावनात्मक निशान सालों तक रह सकते हैं। हमारी आबादी के मानसिक स्वास्थ्य में निवेश करना कोई विलासिता नहीं है - यह इजरायली समाज के लचीलेपन और भविष्य के लिए एक रणनीतिक आवश्यकता है।

(लेखक बेनाफशेनु – इजरायली मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सहायता केंद्र के निदेशक मंडल के अध्यक्ष हैं, जिसकी स्थापना अमचा ने की थी)

कीव के एयरबेस पर हमले के कुछ दिनों बाद रूस का सबसे बड़ा अटैक

कीव । यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि मलबे को हटाने और मलबे में फंसे पीड़ितों को बचाने के लिए कई क्षेत्रों में आपातकालीन अभियान चलाए जा रहे हैं। ज़ेलेंस्की ने एक बयान में कहा रूसियों ने 400 से ज़्यादा ड्रोन और 40 से ज़्यादा मिसाइलें दागीं। 80 लोग घायल हुए हैं और कुछ अभी भी मलबे के नीचे हो सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि रूस अपने हमलों के प्रति वैश्विक उदासीनता का फ़ायदा उठाना जारी रखता है। रूस ने यूक्रेन पर 400 से अधिक ड्रोन और 40 मिसाइलें दागीं, जिसमें कम से कम चार लोग मारे गए और लगभग 80 घायल हो गए।

कोलंबिया : राष्ट्रपति उम्मीदवार को नाबालिग ने सिर में गोली मारी

कनाडा । कनाडा में रविवार को खालिस्तानी समर्थकों ने एक

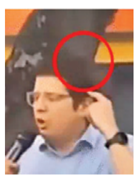

पत्रकार मोचा बेजिरगन पर हमला कर दिया। जो पिछले एक साल से उनका पीछा कर रहा था और उसकी गतिविधियों पर ऑनलाइन निगरानी कर रहा था। मोचा ने बताया कि यह हमलावर ब्रिटेन का नागरिक है। साथ ही लंबे समय से मोचा को परेशान कर रहा था और उसके खिलाफ गंदी भाषा का भी इस्तेमाल कर रहा था।

प्रतिस्पर्धा और अहंकार के बीच यह झगड़ा अपरिहार्य था!

आखिरकार शुरू हो ही गया ट्रंप-मस्क झगड़ा

ब्यूरो

नई दिल्ली । जब से दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति, एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप के 2024 के राष्ट्रपति अभियान के पीछे अपना वित्तीय वजन डाला और एक रैली मंच पर उम्मीदवार के पीछे मूर्खतापूर्ण तरीके से उछलते हुए दिखाई दिए, तब से राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने सोचा है कि दोनों पुरुषों के बीच अपरिहार्य झगड़े का कारण क्या होगा।क्या यह प्रतिस्पर्धात्मक अहंकार का मामला होगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की शक्ति और प्रभाव से नाराज़ होगा? क्या यह संस्कृतियों के टकराव का मामला होगा, जिसमें ट्रंप की गंदगी मस्क की सिलिकॉन वैली की खौफनाक छवि के विपरीत होगी? क्या यह एक वैचारिक टकराव होगा, जिसमें ट्रंप के घटते आंतरिक घेरे के पैलियोकॉन राष्ट्रवादी मस्क के किशोर डोगे हैकर्स और महानगरीय तकनीकी-प्रतिक्रियावादियों के कैडर के खिलाफ हो जाएंगे? यह सब तो होना ही था। ट्रंप, आखिरकार, सौहार्दपूर्ण गठबंधन बनाए रखने की अपनी क्षमता के लिए नहीं जाने जाते हैं - यहां तक कि उन लोगों के साथ भी नहीं जो मस्क की तरह उपयोगी रहे हैं। ट्रंप का पहला कार्यकाल, उनके राष्ट्रपति बनने से पहले के करियर की तो बात ही छोड़िए, खराब गठबंधनों, एक समय के साझेदारों के खिलाफ सार्वजनिक विरोध और कर्मचारियों और सलाहकारों के संक्षिप्त, विनाशकारी कार्यकालों से चिह्नित था, जो जल्दी ही नाराज होकर चले गए। इस बीच, मस्क अपने असामान्य रूप से घृणित व्यक्तित्व, एक प्रबंधन शैली जिसे व्यंजनापूर्ण रूप से "मर्क्युरी" कहा जाता है, और अपने स्वयं के बढ़ते अनियमित व्यवहार के लिए जाने जाते हैं, जिसमें उनके बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं के हरम के साथ टकराव, कथित रूप से समस्याग्रस्त और बढ़ती हुई नशीली दवाओं की आदत और मूत्राशय की समस्याओं की अफवाह शामिल है। यह सिर्फ इतना ही नहीं है कि ये बहुत होशियार लोग नहीं हैं; ऐसा है कि वे ऐसे लोग हैं जिनकी शक्ति और धन ने उनके अहंकार को इस हद तक बढ़ा दिया है कि वे अब स्थिर नहीं हैं, या विशेष रूप से कार्यात्मक भी नहीं हैं। वे काफी दुखद मामले होते यदि उनके व्यक्तिगत ह्रास के विश्व-ऐतिहासिक परिणाम न होते; यदि वे केवल खुद को चोट पहुँचाते और दूसरों के लिए इतना अनावश्यक दुख पैदा नहीं करते। जैसा कि है, ये लोग एक-दूसरे के खिलाफ होने के लिए बाध्य थे और उनकी अपरिहार्य लड़ाई रिपब्लिकन पार्टी को पुनः उन्मुख करने के लिए बाध्य थी - नए मीडिया प्रकारों, मैनोस्फीयर प्रभावों और धन के अस्थिर गठबंधन पर संदेह पैदा करना, जिसने उन्हें 2024 में जीत दिलाई थी। जब आखिरकार यह इस गुरुवार को हुआ - ट्रंप और मस्क ने अपने-अपने मालिकाना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ट्रुथ सोशल और एक्स पर एक-दूसरे के खिलाफ तेजी से शत्रुतापूर्ण अपशब्द पोस्ट किए - तो लड़ाई काफी हद तक पैसे को लेकर थी। अपनी ओर से, मस्क ने कई पोस्ट शुरू किए, जिसमें उन्होंने दावा किया कि सरकार की एपस्टीन फाइलों में ट्रंप का नाम था - "यही असली कारण है कि उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है," उन्होंने कहा - और ट्रंप को पद से हटाने के लिए ट्वीट को फिर से पोस्ट किया। मस्क ने रिपब्लिकन की 2024 की जीत का श्रेय लिया, और ट्रंप को "कृतघ्न" कहा। टेस्ला के शेयरों में गिरावट आई। जल्द ही विभिन्न दक्षिणपंथी मीडिया और ट्रंप-दुनिया के लोग इस कार्रवाई में शामिल होने लगे, ट्रंप या मस्क के पीछे खड़े हो गए, उन बच्चों की तरह, जिनके माता-पिता तलाक ले रहे हैं।

यह डेमोक्रेट्स के लिए प्रस्तुत करता है एक अनूठा अवसर

कुछ हफ़्ते पहले ट्रंप मस्क से नाराज़ हो गए थे, जब यह स्पष्ट हो गया कि डोगे, मस्क का उन्मत्त और आक्रामक अतिरिक्त-कानूनी, लागत-कटौती उद्यम जिसने अरबपति के स्वतंत्रतावादी विश्व दृष्टिकोण की खोज में संघीय नौकरशाही को खत्म करने की कोशिश की थी, अव्यवस्थित, अक्षम और सबसे बढ़कर, बेहद अलोकप्रिय था।

इस बीच, मस्क ट्रंप के व्यापार युद्ध से नाराज थे, जिसने उनकी कंपनियों के मूल्य को खतरे में डाला था, और ट्रंप के घरेलू नीति बिल से, जिसने इलेक्ट्रिक कारों के लिए संघीय सब्सिडी में कटौती की थी, जिससे मस्क की ऑटो कंपनी टेस्ला को फायदा हुआ था। अपने हिस्से के लिए, मस्क के पास हमेशा ट्रंप खेमे के भीतर दुश्मन रहे हैंः दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी स्टीव बैनन, वास्तव में हमेशा दक्षिण अफ्रीकी अरबपति से नफरत करते थे, भले ही वे कुछ हाथ के इशारों के प्रति प्रेम साझा करते हों। मस्क के बारे में अप्रिय लीक प्रेस में आने लगे, जिनमें से कुछ उन्हें शर्मिंदा करने के इरादे से प्रतीत हुए। मस्क ने ट्रंप प्रशासन से अपने प्रस्थान की घोषणा करते हुए एक मीडिया टूर शुरू किया और ट्रंप प्रशासन के साथ अपनी निराशा और व्यापक वाशिंगटन विरोधी शिकायत का संकेत दिया। उन्होंने राष्ट्रपति के बिल के लिए अपनी नापसंदगी के बारे में पोस्ट करना शुरू कर दिया।यह झगड़ा रिपब्लिकन राजनेताओं के लिए नए दबाव बनाता है, जिन्हें अब मस्क को नाराज करने के बीच चयन करना होगा, जिनके पैसे से उनमें से किसी को भी मुख्य चुनौती दी जा सकती है, और ट्रंप को भड़काना होगा, जिनकी स्वीकृति उनके राजनीतिक करियर को बना या बिगाड़ सकती है। और यह डेमोक्रेट्स के लिए एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है, जिनके पास अब ट्रंप बिल को खत्म करने, रिपब्लिकन गठबंधन में अस्थिरता और मेगा गठबंधन के भीतर दरार को चौड़ा करने और अपने मतदाताओं को यह याद दिलाने का अभूतपूर्व अवसर है कि ट्रंप शासन न केवल भ्रष्ट है, बल्कि अक्षम भी है - द्वेषपूर्ण, क्षुद्र और सरकार को लूटने और अरबपति वर्ग को और समृद्ध करने के लिए लोगों को वंचित करने की साझा इच्छा के अलावा किसी भी चीज पर सहमत होने में असमर्थ है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के सामने डेमोक्रेट लंबे समय से फीके और अनिश्चित रहे हैं, बंदूक से डरने वाले और आसानी से डरने वाले पार्टी नेतृत्व ने प्रगतिशील राजनेताओं और कार्यकर्ता आधार को ट्रंप-मस्क का विरोध न करने, बल्कि उन्हें अपने दम पर खत्म होने देने के लिए डांटा है। अब उन्होंने ऐसा किया है। वह क्षण आ गया है। यह डेमोक्रेट्स पर निर्भर है कि वे इसे बर्बाद न करें।

(साभार : मोइरा डोनेगन)।

वोटर लिस्ट कांग्रेस को देने को मजबूर हुआ चुनाव आयोग

महाराष्ट्र व हरियाणा की वर्ष 2009 से 2024 तक की मतदाता सूची की मांग थी

ब्यूरो

नई दिल्ली। आख़िर दिल्ली हाई कोर्ट की कार्रवाई के डर से चुनाव आयोग को महाराष्ट्र व हरियाणा की 2009 से 2024 तक की वोटर लिस्ट कांग्रेस को देने को मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने इसके लिए अर्जी दी थी। दिल्ली हाई कोर्ट में इलेक्शन कमीशन ने वोटर लिस्ट देने के बारे में आश्वासन दिया था, जो पहले ना-नुकुर कर रहा था। इसी चुनाव आयोग ने पहले कांग्रेस के आरोपों को नकारा था। लेकिन हाईकोर्ट के डर से अब महाराष्ट्र व हरियाणा के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर्स ने वोटर लिस्ट देने के आदेश जारी कर दिए हैं। कांग्रेस नेता अब 2009, 2014, 2019 और 2024 के चुनावों की वोटर लिस्ट ले सकते हैं। वे जिले व चुनाव अधिकारियों से यह डेटा ले पाएंगे।बीते सप्ताह, दोनों राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों ने आदेश जारी किए। चुनाव आयोग ने

महाराष्ट्र व हरियाणा की 2009 से 2024 तक की वोटर लिस्ट कांग्रेस पार्टी को देने की मंजूरी दे दी है। आमतौर पर, राजनीतिक पार्टियों को चुनाव के समय वोटर लिस्ट मुफ्त में मिलती है। लेकिन, पुरानी वोटर लिस्ट लेने के लिए चीफ इलेक्शन ऑफिसर या चुनाव आयोग से मंजूरी लेनी होती है और इसके लिए पैसे भी देने होते हैं। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने दिसंबर 2024 में यह अनुरोध किया था। सुरजेवाला ने दिसंबर 2024 में एक अर्जी दी थी। उन्होंने महाराष्ट्र व हरियाणा के सभी चुनावों का डेटा मांगा था। उनका कहना था कि उन्हें 2009 से लेकर अब तक के सभी चुनाव के आंकड़े चाहिए। जब डेटा मिलने में देरी हुई, तो उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की। फरवरी 2025 में, चुनाव आयोग ने कोर्ट को फरवरी 2025 में बताया कि उन्हें डेटा की जांच करने में समय लगेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें कानून के अनुसार फैसला लेने के लिए 3 महीने का समय चाहिए। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वे याचिकाकर्ता (सुरजेवाला) को भी सुनेंगे। इसके बाद, संबंधित चुनाव अधिकारियों ने ने सुनवाई की। सुरजेवाला ने अपनी याचिका में कहा कि राजनीतिक पार्टियों को चुनाव आयोग की ओर से जमा किए गए डेटा की जांच करने का अधिकार होना चाहिए। इससे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहेगी। कांग्रेस ने महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट में गड़बड़ी होने की बात कही है। सुरजेवाला का कहना है कि वोटर लिस्ट की जांच से पता चल सकेगा कि क्या वाकई में कोई गड़बड़ी हुई है या नहीं। उनका मानना है कि पारदर्शिता लोकतंत्र के लिए बहुत जरूरी है। सुरजेवाला ने कोर्ट में कहा कि राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों की जांच करने में सक्षम होना चाहिए ताकि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। इसका मतलब है कि पार्टियां यह देख सकें कि वोटर लिस्ट सही है या नहीं। इधर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी आरोप लगाया कि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 'लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट' था। उन्होंने कहा कि यह 'मैच फिक्सिंग'' अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर उन जगहों पर भी ऐसा ही किया जाएगा जहां-जहां भाजपा हार रही होगी। राहुल गांधी के इस आरोप पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी का ताजा लेख उनकी बार-बार चुनाव हारने की निराशा दर्शाता है।

पवन कल्याण ने पूरी की 'ओजी' फिल्म की शूटिंग

25 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

प्रोडक्शन बैनर ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि 'ओजी' फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता पवन कल्याण ने अपनी आगामी फिल्म 'ओजी' की शूटिंग पूरी कर ली है। 'ओजी' फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया है। सुजीत ने 'साहो', 'रन राजा रन' और 'केए' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। यह फिल्म डीवीवी एंटरटेनमेंट के बैनर तले डी वी वी दानय्या और कल्याण दासारी द्वारा निर्मित की गई है। प्रोडक्शन बैनर ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि 'ओजी' फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

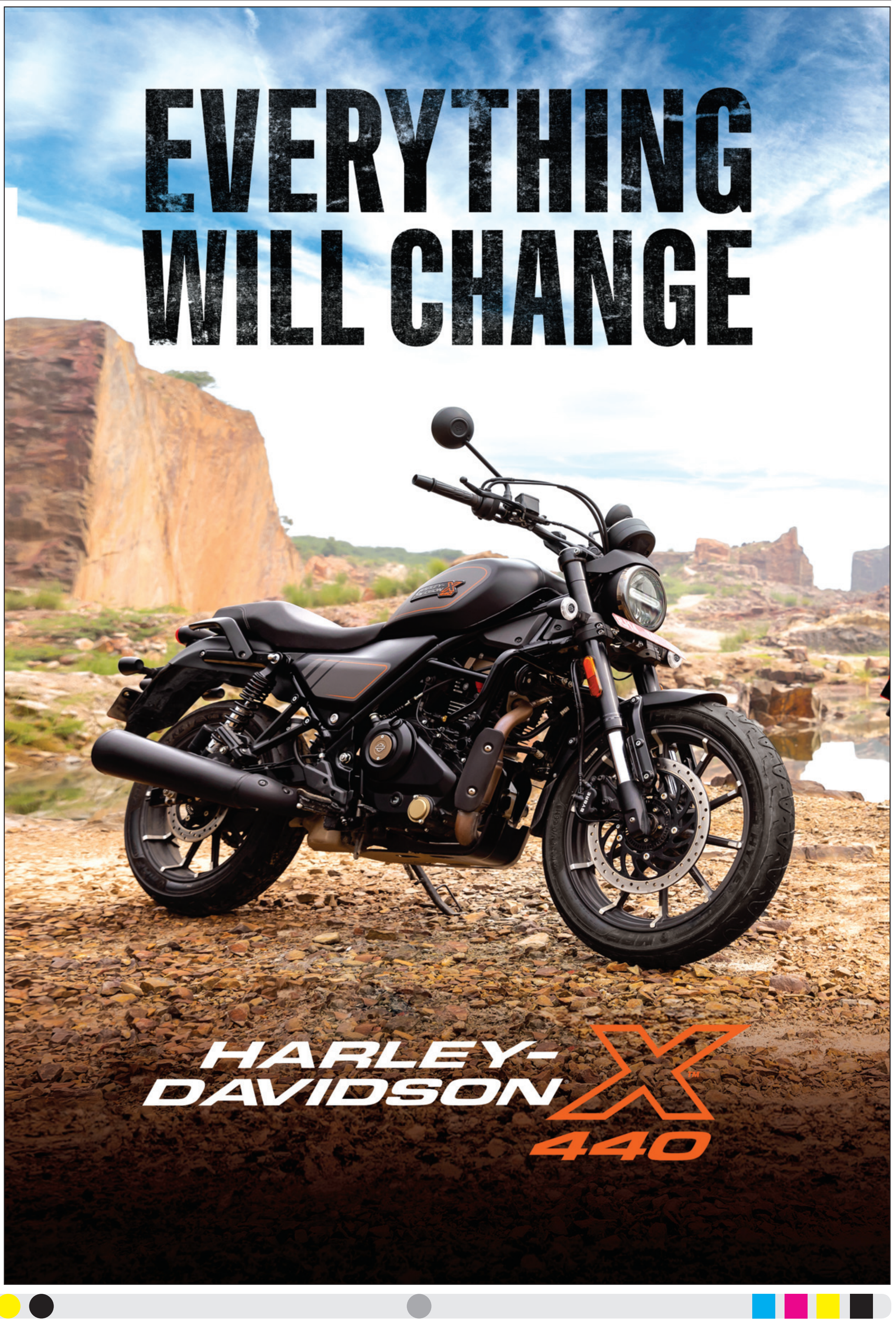

कोयला कारोबारी की गोली लगने से हुई मौत, जांच शुरू

- शव के पास से हथियार भी बरामद किया गया
- कोतवाली थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र के गाड़ीखाना में रहने वाले कोयला व्यापारी मनीष धानुका की गोली लगने से रविवार को मौत हो गई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मनीष धानुका ने खुदकुशी की है या यह हादसा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार रांची के कोयला व्यापारी मनीष धानुका की गोली लगने से मौत हो गई है। धानुका का शव उनके घर के एक कमरे से बरामद किया गया है। शव के पास से हथियार भी बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि धानुका ने अपने लाइसेंसी हथियार से खुद को गोली मारी है। हालांकि, कोतवाली पुलिस अभी पूरे मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल और कमरे से बरामद हथियार की एफएसएल जांच भी कराई जा रही है। मामले की जानकारी मिलने के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय और थानेदार आदिकांत महतो मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। जांच के बाद ही पूरी जानकारी दी जा सकेगी।

ग्राहक बनकर आया चोर बाइक लेकर फरार

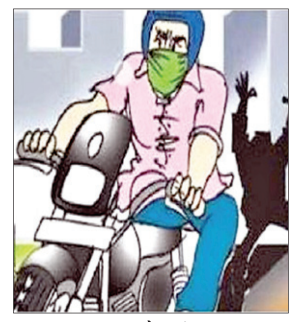

रांची। कर्बला चौक में ग्राहक बनकर आया एक चोर दुकानदार की बाइक लेकर भाग गया। उसने अलमीरा के लिए पैसा लाने का झांसा देकर घटना को अंजाम दिया। 30 मई को हुई घटना पर दुकानदार आफताब आलम ने अज्ञात पर थाने में केस किया है। पीड़ित ने बताया कि आरोपी ने पैसे नहीं होने का कहकर प्रज्ञा केंद्र जाने के लिए गाड़ी मांगी। इसके बाद वापस नहीं लौटा।

झारखंड में 15 जून के आसपास मानसून आगमन की संभावना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में मानसून के आगमन को लेकर अभी भी संशय बना हुआ है। यह निर्धारित समय से तीन दिन बाद या पहले आ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक राज्य में 10 जून से हवा के रुख में बदलाव आएगा। खाड़ी में इसके प्रभाव से राजधानी समेत पूरे राज्य में 14 जून को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक राज्य में मानसून के अनुकूल कोई लक्षण नहीं है। दस मई के बाद हवा के रुख में जो बदलाव होगा, उस पर यह निर्भर करेगा कि मानसून कितना जल्दी या विलंब से आएगा।

बंगाल की खाड़ी से फिलहाल ऐसे बदलाव के संकेत नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 के बाद आसमान में बादल घने हो सकते हैं। 14 को पूरे राज्य में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश भी होगी।

राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान गर्मी बढ़ी है। रांची के अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटों के दौरान दो डिग्री की वृद्धि हुई है, जबकि यहां का न्यूनतम तापमान 22.9 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, राज्य में मेदिनीनगर का तापमान 40.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो कि राज्यभर में सर्वाधिक है। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सभी जिलों के तापमान में एक से तीन डिग्री तक का इजाफा हुआ है। जिलों का अधिकतम (डिग्री) जिले अधिकतम रांची 35.4 जमशेदपुर 37.8 मेदिनीनगर 40.2 बोकारो 37.5 चाईबासा 37.5 देवघर 36.6 पाकुड़ 37.6। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि मानसून के बारे में अभी कुछ कहना निश्चित नहीं है। दस के बाद हवा के रुख में बदलाव आ रहा है। बारिश भी होगी।

आवाज उठाने वाले आदिवासियों पर हो रहा दमन : दीपंकर भट्टाचार्य

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने बिरसा की विरासत से प्रेरणा लेकर जल, जंगल, जमीन और संस्कृति की लड़ाई के लिए उलगुलान का आह्वान किया है। यह उलगुलान उस दमन के खिलाफ है, जो कॉरपोरेट परस्त नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले आदिवासियों और आदिम जनजातियों पर हो रहा है। उक्त बातें भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कही। वह रविवार को राजधानी के एसडीसी सभागार में आदिवासी संघर्ष मोर्चा के दो दिवसीय राष्ट्रीय कन्वेंशन के पहले दिन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देश में आदिवासियों की जमीन की लूट एक संगठित प्रक्रिया बन गयी है। इसमें सरकारें भी उनका साथ दे रही हैं। कॉरपोरेट परस्त नीतियों के तहत सीएनटी-एसपीटी जैसे कानूनी संरक्षणों को निष्प्रभावी बनाया जा रहा है। खनिजों की लूट और वन क्षेत्रों पर हो रहे अतिक्रमण को विकास के नाम पर जायज ठहराया जा रहा है। जो भी इस लूट के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें दमन, गिरफ्तारी, और फर्जी मुकदमों का सामना करना पड़ता है।

आदिवासी संघर्ष मोर्चा करेगा लड़ाई का नेतृत्व

चर्चा के दौरान आदिवासी संघर्ष मोर्चा के प्रभारी व भाकपा (माले) केंद्रीय कमेटी सदस्य क्लिफ्टन ने कहा कि संसाधनों की लूट, संस्कृति पर हमला और आदिवासियों की आवाज को कुचलना इनकी एकमात्र नियति बन गयी है। लेकिन, अब यह संघर्ष टुकड़ों में नहीं, बल्कि इस लड़ाई का नेतृत्व आदिवासी संघर्ष मोर्चा करेगा। वही, सिकटा के विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, ओडिशा से आये त्रिपति गमांगो, असम की आदिवासी नेत्री प्रतिमा एपीजी ने एक ट्रेंड को सामने रखते हुए कहा कि देशभर से आये प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों के अनुभव साझा कर रहे हैं, जो सभी जगहों पर एक ही पैटर्न को दर्शा रहा है।

कार्तिक उरांव फ्लाईओवर पर स्टंट करने वाले युवक की हुई पहचान, बाइक बरामद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कार्तिक उरांव फ्लाईओवर पर बाइक से स्टंट करने वाले युवक की पहचान पुलिस ने कर ली है। खुद को हंटर बताने वाला युवक, पुलिस के भय से फरार हो गया जिसके बाद पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया है। दरअसल कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर बाइक बरामद कर लिया है। लेकिन युवक फरार होने में कामयाब रहा। बाइक को जब्त कर सदर थाने में रखा गया है। जानकारी के अनुसार बाइक चलाने वाले का नाम हंटर उर्फ राइडर उर्फ कासिफ है। कासिफ ने बाइक को दूसरे के घर में छिपाकर रखा था।

हैरतअंगेज स्टंट करके खुलेआम युवक कानून का मजाक बना रहे थे। यही नहीं स्टंट करने वालों का दुस्साहस इतना बढ़ गया कि उन्होंने स्टंट करने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर डाला। लेकिन यही पर स्टंटबाज गलती कर गए। मामले को लेकर झारखंड सरकार के परिवहन मंत्री दीपक बरुआ ने तुरंत ट्रैफिक एसपी रांची को निर्देश दिया कि स्टंट करने वाले युवकों को चिन्हित कर इन्हें परिवहन का नियम बताएं और अभिलंब कार्रवाई करें।

कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि स्टंट करने वाले युवक की बाइक, शनिवार रात को जब्त कर ली गई जबकि युवक की तलाश जारी है। फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार और स्टंट करने वाले बाइक को रांची के खिजुरटोला, बूटी सदर थाना क्षेत्र से बरामद किया गया है।

क्या है पूरा मामला?

कई तरह के विवाद और हंगामा के बाद आखिरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसी सप्ताह सिरम टोली फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। जिससे लोगों को जाम से राहत तो मिली, लेकिन रात के समय फ्लाईओवर पर स्टंटबाज युवकों ने अपना बसेरा बना लिया।

जनविरोधी नीतियों के लिए याद की जाएगी केंद्र सरकार : कांग्रेस

- मोदी सरकार ने 11 वर्षों में संवाद से दूरी बनाकर लोकतंत्र की बुनियाद को ही हिला दिया है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक दुबे ने केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को भारत के लोकतंत्र और आर्थिक विकास के लिए सबसे विफल दौर बताया है। उन्होंने कहा कि देश आज गहरे संकट से गुजर रहा है। इन 11 वर्षों में मोदी सरकार ने न केवल संवादहीनता का परिचय दिया, बल्कि देश की सुरक्षा, आर्थिक स्थिति और सामाजिक ताने-बाने को भी पूरी तरह चौपट कर दिया है। यह 11 साल का शासनकाल भारत के लोकतंत्र के इतिहास में संवादहीनता, जवाबदेही से परहेज, बढ़ती असुरक्षा, आर्थिक विषमता और जनविरोधी नीतियों के लिए याद किया जाएगा।

श्री दुबे ने कहा कि मोदी सरकार ने 11 वर्षों में संवाद से दूरी बनाकर लोकतंत्र की बुनियाद को ही हिला दिया है। जब देश की जनता सवाल पूछती है, तो सरकार चुप रहती है। यह दर्शाता है कि मोदी सरकार जवाबदेही से डरती है। उन्होंने कहा कि तेल के दाम बढ़े, गैस सिलेंडर महंगा हुआ और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। आम आदमी की जेब दिन प्रतिदिन खाली होती जा रही है। मोदी सरकार की नीतियां गरीब और मध्यम वर्ग के हितों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश की प्रमुख संस्थाओं को बेचकर देश की संप्रभुता को खतरे में डाल दिया है। रेलवे, तेल कंपनियां, हवाई अड्डे और अन्य महत्वपूर्ण संसाधन बिक गए। ये देश की विरासत हैं, जिन्हें सरकार ने निजीकरण के नाम पर बेच दिया। जनता की आर्थिक सुरक्षा खतरे में है।

सरना समाज से रीति-विधि को कायम रखने के लिए एकजुट रहने का आह्वान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ट्राइब फर्स्ट अभियान झारखंड ने सरना जनजाति की रीति-विधि परंपरा में बदलाव लाने वालों से सावधान रहने का आह्वान किया है। सरना समाज के पाहन परंपरागत व्यवस्था को तोड़ने का प्रयास करने वालों को सबक सिखाएंगे। पंचायत के नया भुसूर मैदान में पाहन महासम्मेलन का आयोजन किया गया। पाहन झिरगा मुंडा द्वारा विभिन्न परंपरागत तरीके से पूजा किए जाने के बाद दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। कार्यक्रम में रांची जिला व आसपास के इलाकों से आए पाहनों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य जनजाति समाज के पाहनों के माध्यम से एकजुट करना है। सरना समाज में रूढ़िवादी परंपरा के मुताबिक रीति-विधि संपन्न कराने वाले पाहन का महत्वपूर्ण स्थान है। इसके बिना जनजाति समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। कहा गया कि कुछ समय से समाज के मूल स्तंभ को धूमिल व कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका खुलकर विरोध होगा। इस मौके पर पाहनों ने जनजाति समाज की पूजा-पद्धति, अन्य विशेष सामाजिक मसलों को सामने रखा और जरूरी जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नया भुसूर के ग्राम प्रधान राजेश टोप्पो, संचालन संदीप उरांव और धन्यवाद ज्ञापन जनजाति सुरक्षा मंच के मीडिया प्रभारी सह प्रदेश मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव ने किया। महासम्मेलन सह सम्मान समारोह में झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, गंगोत्री कुजूर, मेघा उरांव, रवि मुंडा, संगठन की संयोजक मंडली की आरती कुजूर, रितेश उरांव, बिरसा पाहन, सतदेव मुंडा, सनी टोप्पो, राजेश टोप्पो, मुखिया पुष्पा तिर्की, अंजलि लकड़ा, लक्ष्मण सिंह मुंडा, अजय भोक्ता, बुधराम बेदिया, जयमंगल उरांव, राजेश टोप्पो, मुकेश भगत समेत बड़ी संख्या में सरना समाज के पाहन व अन्य शामिल हुए।

पुलिस ने नशे के तस्करों को किया गिरफ्तार

दोनों आरोपियों के रहें हैं गंभीर आपराधिक इतिहास

नवीन मेल संवाददाता

रांची। लोअर बाजार थाना क्षेत्र में नशा कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रांची पुलिस ने नशे के कारोबारियों को गिरफ्तार किया। शनिवार को डीआईजी सह एसएसपी को वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना के आधार पर खादगढ़ा बस स्टैंड परिसर में छापेमारी कर दो युवकों को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। प्रेस वार्ता कर एसपी अजीत कुमार ने बताया गिरफ्तार आरोपियों में खालिद रजा उर्फ माथा नामकुम थाना क्षेत्र के मौलाना आजाद कॉलोनी का रहने वाला है। खालिद का लंबा आपराधिक इतिहास है और वह पहले से ही टाटीसिलवे, अनगड़ा, सदर और नामकुम थाना में कई गंभीर मामलों में आरोपित रह चुका है। वहीं, दूसरा आरोपी अशफाक अंसारी कांटाटोली कुरैशी मौहल्ला निवासी है। पुलिस के अनुसार उसका भी अपराधिक इतिहास रहा है। वह लोअर बाजार, ओरमांझी समेत कई थाना क्षेत्रों में रंगदारी, चोरी और आर्म्स एक्ट जैसे मामलों में शामिल रह चुका है। वहीं, शुरुआती पूछताछ में दोनों ने ब्राउन शुगर को बिहार से लाकर खुद उपयोग करने और बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस इन बयानों की सत्यता की जांच कर रही है। मामला दर्ज करने के बाद दोनों को जेल भेजा गया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

भगवान बिरसा मुंडा के 125वें बलिदान दिवस पर कार्यक्रम आज

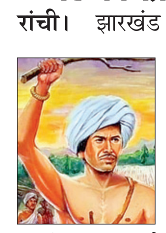

रांची। झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा भगवान बिरसा मुंडा के 125वें बलिदान दिवस पर सोमवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन आर्य समाज मंदिर, श्रद्धानंद पथ, अपर बाजार में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 4:00 बजे वैदिक रीति से हवन के साथ होगा। इसके पश्चात शाम 5:00 बजे से विशेष आमसभा का आयोजन होगा, जिसमें भगवान बिरसा मुंडा एवं सिद्धू-कान्हू परिवार के वंशज भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, त्याग एवं राष्ट्र एवं समाज के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया जाएगा। उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश जनमानस को दिया जाएगा। । झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा सभी नागरिकों से इस गरिमामय आयोजन में आने की अपील की है।

हैदराबाद में डॉ डी नागेश्वर से मिले केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हैदराबाद की अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी से मुलाकात की। उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। इस मुलाकात में चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. रेड्डी के योगदान के प्रति गहरा सम्मान और प्रशंसा व्यक्त की गई। एआईजी हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी ने सम्मान की एक उल्लेखनीय राह बनाई है, वे तीनों पद्म पुरस्कार- पद्म श्री (2002), पद्म भूषण (2016) और पद्म विभूषण (2025) प्राप्त करने वाले पहले भारतीय डॉक्टर बन गए हैं। उन्होंने डॉ. रेड्डी की यात्रा को प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा, "यह केवल एक व्यक्तिगत मील का पत्थर नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का क्षण है। डॉ. रेड्डी के काम ने देश को बहुत सम्मान दिलाया है।

चारपहिया वाहन लेकर भागे यूपी के चालक पर केस

रांची। पीएचईडी कॉलोनी निवासी कपिल देव की गाड़ी लेकर फरार होने के आरोप में यूपी निवासी मोहम्मद जैद पर पीड़ित ने सदर थाने में केस दर्ज कराया। उसने बताया कि मो जैद उनकी गाड़ी चलाता था। आधार कार्ड का सत्यापन करने के बाद उसे काम पर 28 मई को रखा था। दिनभर गाड़ी चलाकर शाम में वह पैसे देता था। 31 मई वह गाड़ी लेकर नहीं आया तो अगले दिन उसकी तलाश की गई। उसने फोन भी बंद कर लिया था। इस पर उन्होंने केस किया।

राज्य सरकार अनुसूचित जाति आयोग को सक्रिय करे : रजक

रांची। अनुसूचित जाति समन्वय समिति ने समाज की समस्याओं का राज्य सरकार से समाधान की मांग की है। राज्य में 50 लाख अनुसूचित जाति समाज के लोगों को उनकी जनसंख्या के आधार पर भागीदारी देने की मांग की है। समिति ने कहा कि इस जातिवर्ग के साथ भेदभाव करना उचित नही हैं। राज्य में अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित परामर्शदात्री परिषद को सक्रिय नहीं किया है। इस संदर्भ में सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की समाज के विषय में पत्र के माध्यम से जो सवाल उठाया गया है, वह सत्य है।

सरकार ने मान लिया कि अनुसूचित जाति व आदिम जनजाति की स्थिति बदतर है : भाजपा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने मंत्री राधा कृष्ण किशोर के द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखकर पत्र पर 72 घंटे के बाद भी चुप्पी पर सवाल उठाया है। प्रतुल ने कहा कि मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में जो अनुसूचित जाति के लोग हैं उनकी स्थिति आदिम जनजाति से भी बदतर है।प्रतुल ने कहा इस स्वीकारोक्ति से दो चीजें स्पष्ट हो गई। एक की अनुसूचित जाति की स्थिति मौजूदा सरकार अपने साढे 5 वर्षों के कार्यकाल में ठीक नहीं कर पाई । दूसरा कुछ ऐसी ही स्थिति इन्होंने आदिम जनजाति की भी बना कर रख दी है।

प्रतुल ने कहा कि हेमंत सरकार अपने आप को आदिवासी मूलवासी और दबे कुचले लोग की सरकार होने का दावा करती है। लेकिन अब इन्हीं की सरकार के मंत्री इनको शीशा दिखा रहे हैं। बता रहे हैं कि अनुसूचित जाति और आदिम जनजाति की स्थिति इस सरकार में बहुत खराब है। भाजपा सरकार ने 2018 के अंत में अनुसूचित जाति आयोग का गठन किया था। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के कारण कम समय मिला। लेकिन हेमंत सोरेन सरकार ने पिछले साढे 5 वर्षों से सत्ता में रहने के बावजूद इस आयोग का गठन नहीं किया। यह इस जाति समूह के प्रति हेमंत सरकार की नकारात्मक सोच दिखाता है। कमोबेश यही स्थिति अनुसूचित जाति और आदिम जनजाति की भी है। मंत्री के पत्र से ये स्पष्ट है कि आदिम जनजाति एक पैमाना बन गया है पिछड़ेपन का। तभी मंत्री जी भी पिछड़ेपन की तुलना आदिम जनजाति से कर रहे हैं। कहा कि भाजपा की सरकार में शुरू की गई डाकिया योजना और पहाड़िया बटालियन से अच्छी शुरुआत हुई थी। लेकिन इस सरकार ने आदिम जनजाति के उत्थान के लिए कोई कार्य नहीं किया ।

प्रतुल ने कहा हेमंत सरकार के कार्यकाल में अनुसूचित जनजाति भी उपेक्षा की शिकार हो रही है। धर्मांतरण करने वाली शक्तियां लगातार सक्रिय हैं और बड़े पैमाने पर अनुसूचित जनजाति के लोगों का धर्मांतरण करने का प्रयास जारी है।इस सरकार को पिछड़ा विरोधी भी सरकार कहा जाता है क्योंकि उन्होंने पंचायत चुनाव बिना पिछड़ों को आरक्षण दिए कर लिया था। अब भी पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष विहीन है और स्थानीय निकाय चुनाव करने वाला आयोग के अध्यक्ष भी नहीं है।

प्रतुल ने कहा कि अगर पुराना नैतिकता का दौर होता तो अपने कैबिनेट के मंत्री द्वारा इतने संगीन आरोप लगाने पर मुख्यमंत्री इस्तीफा दे देते थे। या ऐसे आरोप लगाने वाले मंत्री का इस्तीफा ले लेते थे।

अनुसूचित जाति व जनजाति के मुद्दे पर भाजपा को बोलने का हक नहीं : झामुमो

रांची। भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव द्वारा लगाए गए आरोपों को झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने सिरे से खारिज करते हुए इसे घोर राजनीतिक दोहरापन करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को अनुसूचित जाति और आदिम जनजातियों की याद सिर्फ तब आती है, जब वह विपक्ष में होती है। सत्ता में रहते हुए उन्होंने इन वर्गों के लिए क्या किया, यह पूरे राज्य को पता है। विनोद पांडेय ने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासी, मूलवासी, दलित और पिछड़े वर्गों के हितों की सच्ची हितैषी है। सरकार की योजनाएं-जैसे मरांग गोमके छात्रवृत्ति, सिदो-कान्हू कृषि समृद्धि योजना और फेलोशिप स्कीम इन वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम हैं। भाजपा का यह आरोप कि अनुसूचित जाति आयोग का गठन नहीं हुआ, सरासर भ्रामक है। सरकार इस दिशा में गंभीरता से काम कर रही है और जल्द ही आयोग का पुनर्गठन होगा। मंत्री राधा कृष्ण किशोर के पत्र को लेकर उठाए गए सवालों पर पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र में हर मंत्री को राय रखने का अधिकार है, यही खासियत है मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की, कि वह एक तरफा नहीं, बल्कि पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी की बातों को सुनने और राय लेने में यकीन रखते हैं। ये भाजपा की तानाशाह सरकार नहीं। भाजपा के किसी मंत्री को पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखने की आजादी है क्या? या किसी भाजपा मंत्री ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है क्या? लेकिन भाजपा इसे मुद्दा बनाकर आदिवासी और दलित समाज को गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

एसीएस ने नामकुम प्रखंड समिति का किया गठन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आदिवासी छात्र संघ (एसीएस) के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने खिजरी विधानसभा अंतर्गत नामकुम प्रखंड समिति का गठन किया है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष निशांत तिर्की, उपाध्यक्ष अनिकेत तिर्की, सचिव बिपिन मुंडा, उपसचिव निखिल सांगा, कोषाध्यक्ष अजय गाड़ी, उपकोषाध्यक्ष सुशील तिर्की, मीडिया प्रभारी अदिति केरकेट्टा, जितिन खलखो, राजनीतिक सलाहकार कारलोस बिहा शामिल हैं। इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई दी है। मौके पर केंद्रीय मीडिया प्रभारी समित उरांव, रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष मनोज उरांव, रांची जिला अध्यक्ष राजू उरांव, डीएसपीएमयू इकाई अध्यक्ष विवेक तिर्की, सचिव अमित टोप्पो, नगड़ी प्रखंड अध्यक्ष महादेव उरांव, रातु प्रखंड कोषाध्यक्ष अनुज उरांव, देव दर्शन उरांव, विष्णु कुमार, अभय नायक, राज नायक, रोशन नायक, कुनाल महतो, मनीष बांडों, गोबिंद लिंडा, आशीष बिहा, रूपेश सांगा, राज इक्का, बैजनाथ धान, विवेक उरांव, प्रभु टोप्पो, आयुष लोहरा, अनीश खलखो, आनंद बिहा, फ्रांसिस सांगा, टेलीस्फोर इक्का, शर्मेंदर सिंग बिनझिया आदि शामिल थे।

क्रिकेटर रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई हुई, रिंग पहनकर रो पड़ीं प्रिया

अखिलेश-डिंपल, जया बच्चन भी मौजूद रहीं

नई दिल्ली । एजेंसी

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की रिंग सेरेमनी लखनऊ के 'द सेंट्रम' होटल में हुई। रिंकू और प्रिया एक-दूसरे का हाथ पकड़कर हॉल में पहुंचे। स्टेज पर रिंकू ने प्रिया को रिंग पहनाई, तो वह भावुक हो गईं और फफक कर रो पड़ीं। रिंकू ने उन्हें संभाला। इसके बाद दोनों ने हाथ उठाकर प्यार का इजहार किया और सेरेमनी में आए लोगों को थैंक्यू कहा। इस दौरान प्रिया ने पिंक लहंगा पहना हुआ था, जबकि रिंकू व्हाइट शेरवानी में नजर आए। बैकग्राउंड में शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' का गाना ओ माही, ओ माही बज रहा था। रिंग सेरेमनी के बाद रिंकू और प्रिया ने केक काटा और एक-दूसरे को खिलाया। इससे पहले, रविवार सुबह रिंकू होटल में अपने परिवार के साथ ब्रेकफास्ट कर रहे थे, तभी प्रिया सरोज पहुंचीं। रिंकू ने उन्हें 'हैलो' कहा और वेटर से अपने रूम का एक्सेस कार्ड दिलवाया। प्रिया रिंकू के कमरे में गईं। वहां रिंकू का कोट-पैंट रखकर लौट आईं।

प्रिया-रिंकू ने एक दूसरे को डिजाइनर रिंग पहनाई : प्रिया ने रिंकू को कोलकाता से मंगवाई गई डिजाइनर रिंग पहनाई, जबकि रिंकू ने प्रिया को मुंबई से खरीदी गई डिजाइनर रिंग पहनाई। दोनों अंगूठियों की कीमत 2.5 लाख रुपए है। प्रिया का लहंगा दिल्ली की मशहूर फैशन डिजाइनर महिमा महाजन ने और रिंकू की शेरवानी मुंबई के एक डिजाइनर ने तैयार की।

6 महीने बाद काशी के ताज होटल में होगी शादी

प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की शादी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी के ताज होटल में होगी। आयोजन पारंपरिक और शाही अंदाज़ में किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसमें देशभर से राजनेता, क्रिकेट खिलाड़ी, फिल्मी सितारे और समाजसेवी शामिल होंगे। शादी के लिए ताज होटल का पिकॉक लॉन और दरबार हॉल बुक कर लिया गया है। वीआईपी मेहमानों के ठहरने के लिए नदेसर पैलेस में कमरे आरक्षित किए गए हैं।

अखिलेश सिंह समेत 300 वीआईपी गेस्ट शामिल हुए

रिंग सेरेमनी में अखिलेश यादव, डिंपल यादव, जया बच्चन, शिवपाल यादव, इकरा हसन समेत 300 वीआईपी गेस्ट शामिल हुए। अखिलेश ने दोनों के साथ फोटो खिंचवाई और काफी देर तक बातचीत की। समारोह में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला और प्रवीण कुमार भी मौजूद रहे। इसके अलावा, गेंदबाज यश दयाल भी समारोह में पहुंचे, जिनकी गेंदों पर रिंकू ने लगातार 5 छक्के लगाकर क्रिकेट में स्टारडम हासिल किया था।

अरसे बाद एक ही जगह नजर आया यादव परिवार का कुनबा

रिंग सेरेमनी में यादव परिवार का पूरा कुनबा एक ही जगह पर नजर आया। सबसे पहले राम गोपाल यादव होटल पहुंचे, इसके बाद शिवपाल, फिर अखिलेश, डिंपल और धर्मेंद्र यादव एक साथ पहुंचे। सैफई के अलावा, यह परिवार लखनऊ में लंबे समय बाद इकट्ठा हुआ। इससे पहले, मुलायम सिंह यादव जब मेदांता हॉस्पिटल में एडमिट थे, उस समय परिवार के सभी लोग एक साथ मौजूद थे।

इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट टीम ने शुरू की ट्रेनिंग

लंदन (आईएएनएस)

ब्रिटेन पहुंचने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टेस्ट टीम ने अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। पांच मैचों की तैयारी के लिए युवा टीम ने प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया। इस टेस्ट सीरीज के साथ टीम इंडिया के लिए 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत भी हो जाएगी। यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत का भी संकेत है, क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। भारत का लक्ष्य 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना है। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर भारत के प्रशिक्षण सत्र की एक झलक साझा करते हुए कैप्शन लिखा, "इंग्लैंड में टीम इंडिया की लय में आने की पहली झलक। वीडियो में, टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और

अर्शदीप सिंह नए कप्तान शुभमन गिल, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत के साथ प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल हुए।

ये एक कड़ा और तेज ट्रेनिंग सेशन था, जो लॉर्डस इंडोर क्रिकेट सेंटर में मुख्य कोच गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम की निगरानी में हुआ। पांच मैचों की यह सीरीज 20 जून को लीड्स में शुरू होगी, जिसके बाद बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10 जुलाई से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल क्रमशः सीरीज के चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेंगे। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए ओपनिंग की और नंबर तीन बल्लेबाज के तौर पर भी खेला है। 32 टेस्ट में गिल ने 35.1 की औसत से 1893 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम पांच शतक और सात अर्द्धशतक शामिल हैं।

भारत की टीम

शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा. ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

नीदरलैंड के खिलाफ वापसी करने के लिए उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

एम्सटलवीन । भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में नीदरलैंड के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में पहले मैच में मिली हार से उबरकर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। भारत ने शनिवार को पहले मैच में एक गोल की बढ़त गंवा दी और उसे ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने पहले हाफ के शुरू में अच्छा प्रदर्शन किया और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। नीदरलैंड ने हालांकि शानदार वापसी की तथा थिज वान डैम के दो गोल की मदद से जीत हासिल की। डैम के गोल में 58वें मिनट में किया गया विजयी गोल भी शामिल था। प्रतियोगिता में अभी सात मैच और खेले जाने बाकी हैं और भारत फिलहाल 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

पाकिस्तान ने अपने ही लीजेंड क्रिकेटर की मूर्ति बना दी गलत, हो रही फजीहत

हैदराबाद । एजेंसी

पाकिस्तान के महान बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वसीम अकरम की मूर्ति, जिसे यहां नियाज स्टेडियम में रखा गया है, की आलोचना की जा रही है। मूर्ति में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को उनकी खास गेंदबाजी शैली में दिखाया गया है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की ICC पुरुष क्रिकेट विश्व कप 1999 की जर्सी पहनी हुई है। मूर्ति का अनावरण अप्रैल 2025 में किया जाना था लेकिन आज सुबह ही यह प्रशंसकों के ध्यान का केंद्र बन गई, जब इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई जिसके बाद विश्व कप विजेता खिलाड़ी के चेहरे को लेकर प्रशंसक भड़क गए। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, 'वसीम अकरम को सिल्वेस्टर स्टेलोन ने बनाया है।' एक

अन्य यूजर ने पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) की फ्रेंचाइजी कराची किंग्स के साथ अपने समय के दौरान अकरम की एक तस्वीर साझा की जिसमें दिग्गज अपनी टीम के प्रदर्शन से परेशान दिख रहे थे, जिसका कैप्शन था 'वसीम अकरम अभी।' कई यूजर्स ने मूर्ति को मीम्स में बदल दिया, वहीं एक यूजर ने पूर्व क्रिकेटर को इसे खुद अपडेट करने की सलाह दी।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को बढ़त इंग्लैंड में खेलने का ज्यादा अनुभव : आरोन फिंच

नई दिल्ली (आईएएनएस)

डब्ल्यूटीसी फाइनल

पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी को दक्षिण अफ्रीका पर थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को इंग्लैंड में टेस्ट खेलने का ज्यादा अनुभव है। ये दोनों टीमें 11 से 15 जून के बीच लॉर्ड्स मैदान में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में आमने-सामने होंगी। फिंच ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, "दोनों टीमों की गेंदबाजी बहुत ही मजबूत है। ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और स्कॉट बोलैंड जैसे गेंदबाज हैं। इनके साथ नाथन लायन भी हैं जो स्पिन गेंदबाज हैं।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को जानसेन और केशव महाराज जैसे अच्छे गेंदबाज हैं। फिंच ने बताया कि दोनों टीमों की गेंदबाजी बराबरी की है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया को थोड़ा फायदा इस वजह से है क्योंकि उनके गेंदबाज इंग्लैंड में ज़्यादा टेस्ट मैच खेल चुके हैं और वहां की पिचों को अच्छे से समझते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने साल 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब भारत को हराकर जीता था।

तब पैट कमिंस टीम के कप्तान थे। उनके नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है। खासकर जब ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल बाद भारत को घरेलू मैदान पर 3-1 से हराकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती थी। साल 2023-25 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक छह में से चार सीरीज जीत ली हैं।

इंग्लैंड महिला टीम ने 61 रन से जीता अंतिम वनडे मैच वेस्टइंडीज को किया क्लीन स्वीप

टॉन्टन । सेरा ग्लेन (तीन विकेट), एमिली आरलट (दो विकेट) के बाद कप्तान नेट सायबर ब्रंट (नाबाद 57) रनों की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस नियम (डीएलएस पद्धति) से 61 रनों से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड की महिला टीम ने शनिवार रात टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज महिला टीम ने 21 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन का स्कोर बनाया। किआना जोसेफ ने वेस्टइंडीज के लिए सर्वाधिक 34 रन बनाए। आलियाह एलेन ने (27), कप्तान शमेन कैंपबेल ने (18) रनों का योगदान दिया। जाहजरा क्लैक्सटन (11) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड की ओर से सेरा ग्लेन ने तीन, एमिली आरलट ने दो विकेट लिए। केट क्रॉस, लॉरेन फाइलर और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टीम इंडिया की दिव्यांग ब्रिगेड इंग्लैंड मिशन पर निकली, जयपुर में लगा कैंप

जयपुर (आईएएनएस)

भारतीय पुरुष मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 जून से शुरू होने वाली सात मैचों की टी20 सीरीज से पहले रविवार को जयपुर में अपना तैयारी प्रशिक्षण शिविर शुरू किया। मिक्स्ड डिसेबिलिटी वाइटैलिटी टी20 सीरीज 21 जून 2025 को टॉन्टन में शुरू होगी। सीरीज का समापन 3 जुलाई को ब्रिस्टल में सातवें टी20 के साथ होगा। जयपुर में प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ी नेट पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी का कड़ा अभ्यास करेंगे। वह अपनी तकनीक और मैच जागरूकता को निखारेंगे। मुख्य कोच रोहित झालानी सहित कोच खिलाड़ियों को चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन करेंगे। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट

परिषद (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित यह शिविर 8 से 13 जून तक जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में आयोजित किया जा रहा है। सभी चयनित खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं और अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में शारीरिक फिटनेस, मैच की तैयारी और टीम तालमेल पर केंद्रित गहन सत्रों में भाग ले रहे हैं।

टीम इस प्रकार है

रवींद्र गोपीनाथ सैंटे (कप्तान) (पीडी), वीरेंद्र सिंह (उप-कप्तान) (बधिर), राधिका प्रसाद (पीडी), राजेश इरप्पा कन्नूर (पीडी), योगेंद्र सिंह (विकेटकीपर), नरेंद्र मंगोरे (पीडी), विक्रांत रवींद्र केनी (पीडी), साई आकाश (बधिर), उमर अशरफ (बधिर), संजू शर्मा (बधिर), अभिषेक सिंह (बधिर), विवेक कुमार (बधिर), विकास गणेश कुमार (आईडी), प्रवीण नेलवाल (आईडी), ऋषभ जैन (आईडी), तरुण (आईडी), माजिद मगरे (पीडी) (रिजर्व), कुलदीप सिंह (बधिर) (रिजर्व), कृष्णा गौड़ा (बधिर) (रिजर्व), जितेंद्र नागराजू (पीडी) (रिजर्व)

व्यापार/लाइफ व साइंस

पीएम मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में कृषि क्षेत्र में आया बड़ा बदलाव, बजट पांच गुना बढ़ा, एमएसपी दोगुनी हुई

नई दिल्ली (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के कृषि क्षेत्र में बीते 11 वर्षों में बड़ा बदलाव आया है। एक तरफ कृषि क्षेत्र के लिए सरकार ने बजट को पांच गुना बढ़ाया है और दूसरी तरफ किसानों को उचित मूल्य देने के लिए गेहूं और धान जैसी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को दोगुना कर दिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच वर्षों में कृषि क्षेत्र का बजट पांच गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 1,37,664 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2013-14 में 27,663 करोड़ रुपए था। इससे कृषि क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर, इनोवेशन और किसान कल्याण को बढ़ावा देने में मदद मिली है। इसके साथ ही मोदी सरकार बीते 11 वर्षों में किसानों के लिए एमएसपी को दोगुना करने में सफल रही है। गेहूं के लिए एमएसपी वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2,425 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2013-14 में 1,400 रुपए प्रति क्विंटल थी। वहीं, धान के लिए एमएसपी वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2,369 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2013-14 में 1,310 रुपए प्रति क्विंटल थी। 2014 और 2025 के बीच 14 खरीफ फसलों की खरीद 7,871 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) तक पहुंच गई, जबकि पिछले दशक में यह 4,679 एलएमटी थी। इसके अलावा सरकार के प्रयासों के कारण देश के खाद्य उत्पादन में बीते एक दशक में काफी प्रगति हुई है। खाद्य उत्पादन 2014-15 में 265.05 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में अनुमानित 347.44 मिलियन टन हो गया है। इसमें चावल, गेहूं, दालें और तिलहन जैसे प्रमुख खाद्य उत्पाद शामिल हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार की कृषि नीति में पारदर्शिता और सशक्तिकरण का मेल, किसानों को मिला सीधा लाभ

जलवायु-अनुकूल और पोषण-समृद्ध फसलों के उत्पादन को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे मोटे अनाज, दालों और तिलहनों के लिए उत्पादन में तेज वृद्धि देखी गई है। मोदी सरकार के केंद्र में किसानों का वित्तीय सशक्तिकरण रहा है। पीएम-किसान योजना के तहत, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता के साथ आय सहायता सुनिश्चित करते हुए 11 करोड़ से अधिक किसानों को सीधे 3.7 लाख करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए हैं। 7.71 करोड़ किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे 10 लाख करोड़ रुपए का ऋण किसानों में वितरित किया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण सीमा 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है।

एयरपोड्स में मिलेगा कैमरा कंट्रोल और स्लीप डिटेक्शन फीचर, आईफोन या आईपैड में मिलेगी सुविधा...

एपल अपने वायरलेस ईयरबड्स एयरपोड्स को और ज्यादा एडवांस करने की तैयारी कर रहा है। एक रिपोर्ट् के मुताबिक कंपनी एयरपोड्स में कैमरा कंट्रोल, स्लीप डिटेक्शन, नए हेड जेस्चर और एआई फीचर्स जोड़ने पर काम कर रही है। इन नए अपडेट्स की झलक डब्यूडब्यूडीसी 2025 में 9 जून को देखने को मिल सकती है। ऐप्पल अपने वायरलेस ईयरबड्स एयरपोड्स को और ज्यादा एडवांस करने की तैयारी कर रहा है। एक रिपोर्ट् के मुताबिक कंपनी एयरपोड्स में कैमरा कंट्रोल, स्लीप डिटेक्शन, नए हेड जेस्चर और आई फीचर्स जोड़ने पर काम कर रही है। इन नए अपडेट्स की झलक डब्यूडब्यूडीसी 2025 में 9 जून को देखने को मिल सकती है, हालांकि कुछ फीचर्स 2026 या उसके बाद रोलआउट हो सकते हैं।

साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि एप्पल एक ऐसे फीचर पर काम कर रहा है जिससे यूजर एयरपोड्स के जरिए आईफोन और आईपैड के कैमरा को कंट्रोल कर सकेंगे। उदाहरण के लिए यूजर स्टेम को टैप करके फोटो क्लिक कर सकते हैं या कैमरा मोड्स स्विच कर सकते हैं। ये फीचर आईफोन के कैमर ऐप और एयरपोड्स के बीच रियल टाइम इंटीग्रेशन के साथ जा सकता है। रिपोर्ट आगे बताती है कि स्लीप डिटेक्शन एयरपोड्स में आने वाला एक और स्मार्ट फीचर हो सकता है। इसके जरिए एयरपोड्स यूजर के सोने की अवस्था को डिटेक्ट कर सकेंगे और ऑडियो प्लेबैक को ऑटोमैटिक पॉज कर देंगे। ये भी कहा गया है कि ये फीचर एप्पल वॉच और हेल्थ एप्स से भी लिंक किया जा सकता है जिससे यूजर की नींद की क्वालिटी का ट्रैक बेहतर हो। ऐपल कथित तौर पर एयरपोड्स में नए जेस्चर सपोर्ट पर भी काम कर रहा है। इनमें सिर घुमाकर वॉल्यूम कम-ज्यादा करना जैसे ऑप्शन शामिल हो सकते हैं। इसके साथ ही एक नया स्टूडियो क्वालिटी वॉयस आइसोलेशन मोड भी टेस्ट किया जा रहा है जो कॉलिंग और रिकॉर्डिंग के दौरान बैकग्राउंड नॉइज को बेहतर तरीके से कम करेगा।

देश के आर्थिक विकास में अहम योगदान दे रहीं महिलाएं : सीतारमण

नई दिल्ली (आईएएनएस)

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में महिलाएं देश में प्रगति की प्रमुख चालक के रूप में उभरी हैं और नरेंद्र मोदी सरकार ने नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। वित्त मंत्री ने 'सशक्त नारी के 11 वर्ष' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत खोले गए 55.7 प्रतिशत खाते महिलाओं के पास हैं, जो जमीनी स्तर पर उनके सशक्तिकरण को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि देश भर में मुद्रा लोन लाभार्थियों में 68 प्रतिशत

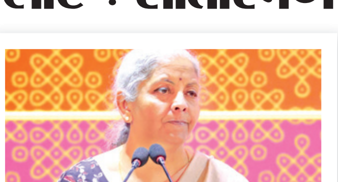

महिलाएं हैं। इन लोन ने लाखों महिलाओं को उद्यमी बनने और स्वतंत्र रूप से अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाया है। वहीं, स्टार्ट-अप इंडिया उद्यमी योजना के तहत लाभ पाने वालों में से 74 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसके अलावा, गरीबों के लिए पीएमएवाई (ग्रामीण) योजना के तहत 73 प्रतिशत घरों का स्वामित्व महिलाओं के पास है।

श्रीनगर और कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शुरू

जम्मू (आईएएनएस)। उत्तर रेलवे ने श्रीनगर शहर और जम्मू-कश्मीर के कटरा शहर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा का वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शनिवार को शुरू हो गया, जिसे 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी। यह रेल सेवा रियासी जिले के कटरा कस्बे को कश्मीर घाटी से जोड़ती है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद इस साल सितंबर में जम्मू से घाटी तक रेल सेवा संचालित होगी। अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन को इस क्षेत्र में तापमान की चरम सीमाओं और मौसम की अनिश्चितताओं के अनुरूप बनाया गया है।

भारत में तेजी से बढ़ रही इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री, मई में मार्केट शेयर 4 प्रतिशत के पार

नई दिल्ली (आईएएनएस)

देश में कारों की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों (ईवी) की हिस्सेदारी बढ़कर 4 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जो कि पिछले साल 2.6 प्रतिशत थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से जारी किए गए डेटा से यह जानकारी मिली। इस साल मई में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की हिस्सेदारी कुल बिक्री में अप्रैल के 3.5 प्रतिशत की तुलना में 0.5 प्रतिशत बढ़ी है, जो दिखाता है कि ईवी तेजी से ग्राहकों के बीच में लोकप्रिय हो रही है। रिटेल डेटा के मुताबिक, मई में 12,304 इलेक्ट्रिक

कारें बेची गईं, जबकि मई 2024 में यह संख्या सिर्फ 8,029 यूनिट्स थी। इस साल अप्रैल में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 12,233 यूनिट्स रही थी। फाडा के सीईओ सहर्ष दमानी ने कहा, "यह हमारे उद्योग के इलेक्ट्रिफिकेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।